हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

होली की शुभकामनाएं

होली के पावन अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 14 और 15 मार्च को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 17 मार्च सोमवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

इतिहास में पहली बार छत्तीसगढ़ में बने 14 मंत्री, अब तक 13 की रही है परंपरा

रायपुर शहर को मिला मंत्री, बृजमोहन के इस्तीफे के बाद नहीं था कोई मंत्री

विष्णु कैबिनेट में तीन नए मंत्री अमर, पुरंदर और गजेंद्र ने ली शपथ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने मंत्रिमंडल में पुर्नगठन करते हुए तीन नए मंत्रियों को शामिल किया है। अब उनके मंत्रिमंडल में 14 मंत्री हो जाएंगे। नए मंत्री के रूप में अमर अग्रवाल, पुरंदर मिश्रा और गजेंद्र यादव को शामिल किया गया है। सरकार के आग्रह पर राजभवन में आनन-फानन में शपथ दिलाई गई।

हो.स. ▶▶ रायपुर

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी और विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाया गया। उस वक्त मुख्यमंत्री समेत 12 मंत्री थे। एक पद खाली रखा गया था। शिक्षामंत्री बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद एक और मंत्रिपद रिक्त हो गया। इस तरह दो पद खाली थे।

लेकिन हरियाणा में भी छत्तीसगढ़ जितने 90 विधायक हैं। वहां 14 मंत्री बनाए जाते रहे हैं। उस लिहाज से छत्तीसगढ़ में भी पहली बार 14 मंत्री बनाए गए हैं। राज्य संगठन से परामर्श करने के बाद सभी जिलों को प्रतिनिधित्व और जातीय समीकरण के आधार पर तीन विधायकों को इस पद पर नियुक्त किए जाने की सिफारिश की गई है। इनमें बिलासपुर से विधायक अमर अग्रवाल, रायपुर उत्तर से विधायक ▶▶शेष पेज 7 पर

राजधानी रायपुर को मिला नेतृत्व

प्रदेश की सियासत का केंद्र माने जाने वाले राजधानी रायपुर को पुरंदर मिश्रा के रूप में एक नया मंत्री मिलने से रायपुर का कैबिनेट में प्रतिनिधित्व मिलेगा। उल्लेखनीय है कि रायपुर से बृजमोहन अग्रवाल को मंत्री बनाया गया था। लोकसभा चुनाव में उन्हें रायपुर लोकसभा से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। तब से रायपुर से एक मंत्री बनाए जाने की चर्चा हो रही थी। रायपुर शहर की चारों सीटों में भाजपा ने परचम लहराया है उसे लिहाज से भी यहां से मंत्री बनाने पार्टी पर दबाव था। विष्णुदेव साय ने इस कमी को पूरा करने का प्रयास किया है।

मंत्रियों के विभागों में भी होगा फेरबदल

नए मंत्री बनाए जाने के बाद अब मंत्रियों के बीच विभागों का भी बंटवारा होगा। अब तक कई बड़े विभाग उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, मंत्री केदार कश्यप के पास थे। वहीं मुख्यमंत्री के पास पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के विभाग का दायित्व है। ना मंत्रियों को विभाग बंटने के बाद कई मंत्रियों के पास से बड़े विभाग वापस लेकर नए लोगों को दिए जाएंगे।

अजय, कौशिक और मूणत सहित कई चुके

मंत्रिमंडल में स्थान पाने के लिए कई वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्रियों ने जोर लगाया था। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने कैबिनेट में नए लोगों को मौका देकर इन कई वरिष्ठ विधायकों को कैबिनेट में नहीं लिया था। मंत्री बनने के लिए पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, पुन्नू लाल मोहिले, धरम लाल कौशिक और राजेश मूणत के नामों की ▶▶शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त के 36 दिग्गज थे दावेदार अमिताभ जैन को मिली कमान

हो.स. ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन को राज्य का नया मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किए किया गया है। इस पद के लिए कई पूर्व नौकरशाहों के साथ 36 बड़े दिग्गज दावेदार थे, लेकिन चयन प्रक्रिया में श्री जैन ने बाजी मार ली है। उन्हें राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त पद की कमान मिल गई है। बताया गया है कि चयन के लिए बनाई गई सर्च कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत और सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री ने रिपोर्ट के आधार पर अमिताभ जैन को इस पद के लिए सबसे उपयुक्त ▶▶शेष पेज 7 पर

यह दिग्गज थे दावेदार

मुख्य सूचना आयुक्त पद के लिए बड़ी संख्या में दावेदार हैं। खास बात ये है कि इनमें से कुछ वर्तमान और कई पूर्व अधिकारी हैं। इनमें वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पूर्व आईएएस अमृत खलको, पूर्व डीजीपी अशोक जुनेजा, पूर्व डीजीपी दुर्गेश माधव अवस्थी, पूर्व सीएस राजेंद्र प्रसाद मंडल, पूर्व आईएएस संजय कुमार अलंग, पूर्व आईपीएस संजय पिल्ले, पूर्व अधिकारी त्रिलोकचंद महावर, उमेश कुमार अग्रवाल सहित अन्य लोग शामिल थे।

गांव को आपदा से बचाने होलिका दहन के धधकते अंगारों पर नंगे पांव चलने की परंपरा

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड मैनपुर के ग्राम गोहरापदर में होलिका दहन के बाद दहकते अंगारों पर नंगे पैर चलने की परंपरा आज भी कायम। पूरी आस्था के साथ ग्रामीण नंगे पैर अंगारों पर गुरुवार को चलकर होली का त्योहारमनाया। मान्यता है कि ऐसा करने से गांव पर आपदा नहीं आती। सदियों पुरानी अपनी इस परंपरा का ग्रामीणों द्वारा पालन आज भी पूरी आस्था के साथ किया जा रहा है। मैनपुर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम गोहरापदर में अंगारों से होली खेली जाती है। हालांकि इस पर यकीन कर पाना किसी किसी को थोड़ा मुश्किल जरूर हो सकता है पर यह पूरी तरह सत्य है।

मैनपुर। गांव में देवी- देवताओं की पूजा अर्चना करने के बाद होलिका दहन किया जाता है। देवी माता के जयकारों के साथ छोटे- छोटे बच्चों से लेकर युवा-बुजुर्ग बारी -बारी से दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलते हैं और पूरी तरह सुरक्षित निकलते हैं। यह यहां की परंपरा है, जो सदियों से चली आ रही। सदियों से चली आ रही इस परंपरा में गांव के बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक नंगे पैर धधकते अंगारों पर ऐसे चलते हैं, मानो सामान्य जमीन पर चल रहे हों। उनके पैरों में न तो काई छाला पड़ता है और न ही किसी तरह की तकलीफ अंगारों पर चलते समय होती है। गांव को आपदा से और खुद को विभिन्न बीमारियों और संकटों से दूर रखने के लिए ग्रामीण इस परंपरा को निभाते आ रहे हैं।

प्रत्येक वर्ष निभाते आ रहे यह परंपरा

ग्राम के वरिष्ठ पुजारी गोठिया देवीसिंह नेताम, मेघराम बघेल, बदन ओटी, नरसिंह यादव, जुगधर यादव, विष्णुनारायण तिवारी, गुरुनारायण तिवारी, प्रेमसिंह यादव, युद्धिष्ठर यादव, अल्तमस खान ने बताया कि इस परंपरा को बरसों से देखते चले आ रहे हैं। बताते हैं कि गांव में कभी भी कोई आपदा नहीं आए। इसी मान्यता के चलते प्रत्येक वर्ष होली पर यह परंपरा को निभाते आ रहें हैं और आगे भी निभाएंगे। आज विधिविधान के साथ ग्राम गोहरापदर में होलिका दहन किया गया।

खबर संक्षेप

रविवि सेमेस्टर परीक्षाओं के पुनर्गणना के परिणाम जारी

रायपुर। रविवि द्वारा विभिन्न सेमेस्टर परीक्षाओं के पुनर्गणना के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। इनमें एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, एमए इंग्लिश तृतीय सेमेस्टर, एमए अर्थशास्त्र तृतीय सेमेस्टर, एमए समाजशास्त्र सहित सभी विषयों के पुनर्गणना परिणाम रविवि ने अपने आधिकारिक वेबसाइट अपलोड कर दिए हैं। अधिकतर छात्रों के परिणाम परिवर्तित नहीं हुए हैं हालांकि कुछ के अंकों में वृद्धि हुई है, लेकिन परिणाम परिवर्तित नहीं हुए।

24 से भरे जाएंगे डीएलएड परीक्षा फॉर्म

रायपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा डीएलएड के लिए नामांकन व परीक्षा आवेदन की तिथि घोषित कर दी गई है। सभी कार्य ऑनलाइन होंगे। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद हार्डकॉपी परीक्षार्थियों को जमा करने होंगे। माशिम द्वारा जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक डीएलएड के लिए ग्राह्यता एवं नामांकन की ऑनलाइन प्रविष्टी 17 मार्च से 22 मार्च तक रहेगी। इसके पश्चात प्रथम वर्ष के लिए परीक्षा आवेदन 24 से 29 मार्च तक किए जा सकेंगे। विस्तृत अधिसूचना माशिम की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

मिठाई दुकान में गंदगी, जुर्माना

रायपुर। नगर निगम जोन-10 के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गुरुवार को जनशिकायत पर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने दावड़ा कॉलोनी स्थित अग्रवाल मिठाई दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान मिठाई दुकान में गंदगी की शिकायत सही पाई गई। जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा ने संबंधित मिठाई दुकान के संचालक को भविष्य के लिए चेतावनी देते हुए 10 हजार रुपए जुर्माना किया।

पामेड़ रोड में चलने वाली 35 सीटर बस में रोज जा रहे 70 से अधिक यात्री

खूनखराबा नहीं, बल्कि सड़क पर अब सुनाई दे रहे यात्री बसों के हॉर्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सर्वाधिक नक्सल प्रभावित गांव पामेड़ नाम सुनते ही लोगों के मन में गोलियों की तड़-तड़ाहट के साथ ही निर्दोष ग्रामीणों की हत्या से लेकर अन्य कई तस्वीरें सामने आ जाती हैं, जिसके कारण आमजनों के अंदर खौफ देखने को मिलता है। वहीं बीजापुर जिले के अंतिम छोर पामेड़ रोड में पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के चलते अब वहां खून खराबा नहीं, बल्कि यात्री बसों के हॉर्न सुनाई दे रहे हैं।

कल तक जो इलाका नक्सलियों के कब्जे में था, अब उस इलाके में पुलिस ने अपनी पैठ जमाते हुए कैम्प के साथ ही वहां के ग्रामीणों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करा रहे है। जिसका सबसे सुखद परिणाम यह आ रहा है कि अब बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र के अंतिम गांव में बसे पामेड़ में अब बसों का आवाजाही शुरू हो गया है। उक्त बातें पामेड़ जाने वाले यात्री लोकेश एवं बस चालक मयंद्र चापड़ी ने चर्चा में कही। पामेड़ रोड में चलने वाली 35 सीटर बस में रोज 70-80 यात्री जा रहे हैं। बस में सीट नहीं होने पर लोग खड़े-खड़े ही पामेड़ सहित आवापल्ली, बासागुड़ा, तरेरेम, चिन्नागेल्लूर, गुंडेम, कोंडापल्ली, जीडपल्ली, करवगट्टा और धर्माराम होते हुए जा रहे हैं। पिछले 50 सालों में यह पहली बार है, जब इस क्षेत्र में यात्री बस सेवा शुरू हुई है।

अलग खबर

सड़क मार्ग से पहुंच योग्य हुआ पामेड

तेलंगाना सीमा पर स्थित पामेड़ गांव के लिए वर्षों से कनेक्टिविटी का अभाव था। बस सेवा से 15 गांव के सैकड़ों ग्रामीणों को सुविधा मिल रही है। पामेड़ जिला मुख्यालय से सीधे जुड़ा नहीं था, अब पहली बार सड़क मार्ग से पहुंच योग्य हो गया है। इस गांव तक पहुंचने के लिए तेलंगाना के रास्ते लगभग 200 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता था, अब दूरी घटकर 100 किमी रह गई है।

पामेड़ तक बिछाई जा रही विद्युत लाइन

विद्युत कंपनी जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक एसके ठाकुर ने बताया कि सरकार की नियाद नेल्लानार योजना के तहत पामेड़ जैसे गांव मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, जिससे पामेड़ तक बिजली पहुंचाने का काम भी विद्युत कंपनी कर रही है। इससे शीघ्र ही पामेड़ छत्तीसगढ़ की बिजली से रोशन हो सकेंगे, क्योंकि पामेड़ तक विद्युत लाइन बिछाई जा रही है। वर्तमान में पामेड़ के घर तेलंगाना की बिजली का उपयोग कर रहे हैं।

एक ही बस होने से यात्री परेशान

परिवहन विभाग के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे ने बताया कि एक ही बस होने से यात्रियों की परेशानी हो रही है। बस मालिकों से चर्चा कर एक और बस शुरू करने का प्रयास किया जाएगा।

बिलासपुर आने पर भव्य स्वागत

संजू ने एशियन महिला कबड्डी स्पर्धा में भाग लेकर देश के लिए जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बहतराई खेल स्टेडियम में प्रशिक्षण प्राप्त कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई और देश को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। संजू का बिलासपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। प्रशानिक अधिकारियों, खेल संघों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। खिलाड़ी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा खेल और खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन के लिए आभार जताया।

संजू ने छठवीं एशियन महिला कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेकर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत टीम इंडिया को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। कोरबा जिले के छोटे से गांव से निकलकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी ने बताया कि पहले वह गांव के छोटे छोटे आयोजनों में भाग लेती थी। जहां से उन्हें सीनियर खिलाड़ी ने जिले के कबड्डी प्रशिक्षक अनुज प्रताप सिंह से मिलवाया। अनुज ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए प्रशिक्षित किया।

सिम्स के लिए 9.82 करोड़ रुपए के बजट का अनुमोदन

ये रहे उपस्थित

स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति कोरबा मेडिकल कॉलेज एवं रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए भी बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में एडीएम ए.आर. कुरूवंशी, अधिष्ठाता सिम्स डॉ. रमणेश मूर्ति, अधीक्षक डॉ. लखन सिंह, उपायुक्त डॉ. स्मृति तिवारी सहित सिम्स के अन्य प्रशासकीय अधिकारी मौजूद थे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

संभागायुक्त महादेव कावरे की अध्यक्षता में सिम्स बिलासपुर, मेडिकल कॉलेज कोरबा और रायगढ़ की स्वशासी प्रबंधकारणी समिति की बैठक आज यहां सिम्स सभागार में आयोजित की गई। रायगढ़ कलेक्टर कार्तिकेय गोयल, कोरबा मेडिकल कॉलेज के डीन बैठक में वीसी के जरिए शामिल हुए। बैठक में मेडिकल छात्रों और मरीजों की सुविधाओं के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में संस्थान की शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय व्यवस्था और मुद्दों पर चर्चा कर सुविधाएं विकसित करने अनेक प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। स्वशासी समिति सिम्स के लिए 2025-26 का वार्षिक बजट अनुमोदित किया गया। 2025-26 के लिए 9 करोड़ 82 लाख रुपए का वार्षिक बजट तैयार किया गया है। अस्थि रोग विभाग में मरीजों के फिजियोथैरिपी के लिए चिकित्सकीय उपकरणों के लिए 2 लाख 85 हजार रूपए की स्वीकृति दी गई। सिम्स परिसर में स्थित सभी हॉस्टलों में आवश्यक मरम्मत के कार्य कराए जाएंगे। अतिथि गृह में अतिथियों को कक्ष आवंटन हेतु निर्धारित नियमावली व निर्धारित शुल्क पर भी चर्चा की गई। एमबीबीएस पाठ्क्रम के विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन अप्रैल माह में किया जाएगा जिसमें 4 लाख 92 हजार रुपए का खर्च संभावित है।

इस होली को बनाएं खास और यादगार...

एमएम फन सिटी में रंग गुलाल और मौज मस्ती के साथ मनाएं होली 14 मार्च को

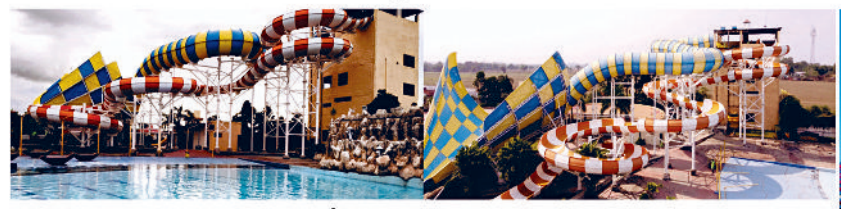

होली का त्योहार जीवन में बहुत सारी खुशियां और रंग भरता है, होली के चटक रंग ऊर्जा, जीवंतता और आनंद के सूचक हैं। यह रंगबिरंगा पर्व सभी के लिए खासकर बच्चों के लिए ढेर सारी मौज-मस्ती का अवसर लेकर आता है। इस दिन सुबह से लेकर शाम तक पूरा दिन आनंद और प्रसन्नता से भरा रहता है, सभी एक दूसरे को रंग-बिरंगे गुलाल लगाते हैं, एक-दूसरे पर पानी की पिचकारी चलाते हैं, पानी भरे गुब्बारे मारते हैं, यह बहुत सारे रंग, पानी की फुहारें और गुब्बारों के संग इस दिन को और रंगीन कर देता है।

यही वजह है कि इस लोकप्रिय पर्व को और खास बनाने 'एमएम फन सिटी' में खास तैयारियां की गई हैं यानी एमएम फन सिटी में होली पर होगी रंगों के साथ मस्ती। आप, आपके मित्र और आपका पूरा परिवार होली फेस्ट का उठाएंगे जमकर पूरा लुत्फ। गोढ़ी, बकतरा रोड स्थित वॉटर पार्क में लोग अपने परिवार व दोस्तों के साथ रंग-गुलाल के साथ जमकर होली खेल सकेंगे। साथ ही फन वॉटर स्लाइडर, फैमिली पूल, वेव पूल, डीजे विथ रैन डांस, किड्स जोन और टेस्टी फूड का लुत्फ उठा सकेंगे।

एमएम फन सिटी के राजेश थौरानी ने बताया कि यहां आने वालों के लिए स्पेशल पैकेज प्लान किए गए हैं। रंग-गुलाल-वॉटर पार्क में ही उपलब्ध करवाया जाएगा।

फूड पैकेड में वेज-नॉनवेज में वेराइटी मिलेगी। इसमें इंडियन, चायनीज व कॉन्टीनेंटल फूड शामिल है। त्योहार की वजह से वॉटर पार्क सुबह 10 बजे से ही खोल दिया जाएगा। लोग दिनभर फेस्टिवल को एन्जॉय कर सकेंगे।

रिजर्व में मौजूद हैं 8 बाघ, राजकीय पशु वन भैंस 17, टाइगर, सांभर सहित गिद्ध

लाल आतंक के चलते 40 सालों से पर्यटकों से दूर रहा इंद्रावती टाइगर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

इंद्रावती टाइगर रिजर्व छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान है, यह इंद्रावती नदी के किनारे बसा है। यह छत्तीसगढ़ के सबसे प्रसिद्ध वन्यजीव उद्यानों में से एक है, साल 1983 में इसे भारत के प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बाघ रिजर्व बनाया गया था। देश के तीसरे सबसे बड़े इन्द्रावती टायगर रिजर्व नेशनल पार्क में लाल आतंक के चलते 40 सालों तक आम लोग और पर्यटकों से दूर रहा है।

हरिभूमि सरोकार

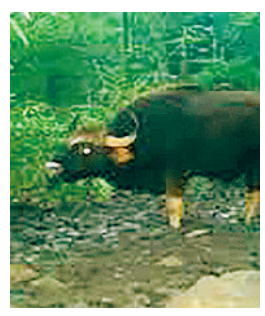

मटटीमारका में पहुंच रहे पर्यटक

बीजापुर जिले के भोपालपटनम से लगभग 20 किमी दूर मटटीमारका में इंद्रावती नदी किनारे जो इन्द्रावती टाइगर रिजर्व से जुड़ा हुआ है। यहां साल भर में लगभग 50 हजार पर्यटक पहुंचकर पिकनिक करते हैं, जहां रिजर्व की ओर से पर्यटकों की अनुमति दी गई पर रात में जाने की मनाही है।

माओवादियों के खात्मे के बाद खुलेगा पार्क

वन विभाग जगदलपुर वृत्त के मुख्य वन संरक्षक आरसी दुग्गा ने बताया कि बस्तर में लाल आतंक पर हो रहे प्रहार से बीजापुर का इन्द्रावती नेशनल पार्क को अब देश दुनिया के लोग देख सकेंगे। वहीं विभाग के मंत्री का भी मानना है ऐसा अभयारण्य बस्तर के बीजापुर में होना गौरव की बात है, लेकिन नेशनल पार्क में मौजूद माओवादियों के खौफ अब खत्म होने की कगार पर है। माओवादियों के खात्मे के बाद नेशनल पार्क देश दुनिया के पर्यटकों के लिए खुल जाएगा।

रायपुर, शुक्रवार 14 मार्च 2025 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा | वर्ष : 23, अंक : 237 | पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00* | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ओड़गी ब्लॉक के सात गांवों में सात दिन पहले मनाई जाती है होली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिहारपुर/ओड़गी, अंबिकापुर

देश में फाल्गुन पूर्णिमा के दिन रंगों का त्यौहार होली मनाने की परंपरा है, लेकिन विकासखंड ओड़गी के लगभग आधा दर्जन गांवों में एक सप्ताह पूर्व ही रंगों का त्यौहार होली मनाने की परम्परा है। इन गांवों में कहीं एक सप्ताह पूर्व तो कहीं पांच दिन पूर्व होली मनाई जाती है। सूरजपुर जिलांतर्गत विकासखण्ड ओड़गी के दूरस्थ आधादर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों में ⏭शेष पेज 7 पर

- सालों पुरानी है परंपरा, एक सप्ताह तक ग्रामीण खेलते हैं होली

इन गांवों में है परंपरा

विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरगढ़, बेदमी, पुतकी एवं हरिहरपुर में हर साल फाल्गुन सप्तमी के दिन जबकि चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महुली, कछवारी एवं मोहरसोप में 3-5 दिन पूर्व होली मनाने की परंपरा है। गांव का बैगा पूजा उपरांत होलिका ⏭शेष पेज 7 पर

आज उड़ेगी राख, मनेगी होली

ग्राम महुली कछवारी एवं मोहर सोप में होलिका दहन भी दो दिन पहले किया जाता है। इसकी अगली सुबह होलिका की राख उड़ाने के बाद रंगों का त्यौहार होली मनाई जाती है। होली में ग्रामीणों की टोलियां अलग-अलग स्थानों पर मांदर एवं ढोल की थाप पर फाग की मस्ती में डूबे रहती हैं।

छत्तीसगढ़ के आठ गांवों में 100 सालों से नहीं मनाई जाती होली

विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

- होली में रंग-गुलाल उड़ाने से अशुभ होता है और इसकी कीमत गांव वालों को चुकानी पड़ती है
- देश के भी कुछ ऐसे गांव भी हैं जहां 100-200 साल से होली नहीं मनाई गई है

होली में हर तरफ रंग गुलाल और खुशियों का माहौल रहता है। छत्तीसगढ़ में लेकिन कुछ ऐसे भी गांव हैं जहां होली का पर्व नहीं मनाया जाता है। होली में रंग और गुलाल उड़ाना अशुभ माना जाता है। इन सभी गांवों में बीते 100-150 सालों से होली नहीं खेली गई है। लोगों का मानना है कि होली में रंग-गुलाल उड़ाने से अशुभ होता है और इसकी कीमत ⏭शेष पेज 7 पर

रायगढ़ जिले के कई गांवों में नहीं खेली जाती होली

रायगढ़ जिले के कई गांवों में होली नहीं खेली जाती है। इसमें बरमेला ब्लॉक के हट्टापाली समेत अमलीपाली, छिंदपतेरा, मंजूरपाली, जगदीशपुर गांव शामिल है। इन सभी गांवों में लोगों में ये भय व खौफ रहता है कि गुलाल उड़ाने से लोगों की मौत हो जाएगी। इन गावों में होलिका दहन भी नहीं होता है। एक बुजुर्ग ने बताया कि जब से उन्होंने होश ⏭शेष पेज 7 पर

पूजा पाठ®

एक लगाओ
घर महकाओ

पूजापाठ गुलाब डीलक्स धूप | पूजापाठ चंदन डीलक्स धूप | पूजापाठ मोगरा डीलक्स धूप

अमिताभ जैन बनाए गए मुख्य सूचना आयुक्त

छत्तीसगढ़ को मिला प्रशासनिक मुखिया अमित अग्रवाल बने नए मुख्य सचिव

हो.स. ⏭ रायपुर

होली की छुट्टियों से पहले छत्तीसगढ़ में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हो गया। सरकार ने अचानक अमिताभ जैन के स्थान पर राज्य के मुख्य सचिव अमिताभ जैन की जगह भारतीय प्रशासनिक सेवा 1993 बैच के अधिकारी अमित अग्रवाल को विष्णुदेव साय सरकार ने राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सीएस श्री जैन राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त बनाए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि अमित अग्रवाल वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। मुख्य सचिव बनाए जाने के बाद उन्हें तत्काल केंद्र सरकार ने रिलीव कर दिया है। वे छत्तीसगढ़ के लिए रवाना भी हो गए। श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ और दिल्ली में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वे लेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव भी रह चुके हैं। छत्तीसगढ़ के वित्त सचिव की जिम्मेदारी का निर्वहन भी कर चुके हैं। साथ ही वाणिज्यिक कर और तकनीकी शिक्षा विभागों के प्रभारी सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

रेणु को प्रशासनिक अकादमी, सुब्रत रेवेन्यू बोर्ड संभालेंगे

रेणु और सुब्रत भी थे दावेदार

मुख्य सचिव के लिए 1991 बैच की महिला अधिकारी रेणु पिल्ले और 1992 बैच के अधिकारी सुब्रत साहू को प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा था। श्री अग्रवाल की की नियुक्ति के बाद रेणु पिल्ले को प्रशासन अकादमी में निदेशक का पद सौंपा गया है। वहीं सुब्रत साहू को रेवेन्यू बोर्ड बिलासपुर में अध्यक्ष का नया दायित्व सौंपा गया है, उनका मुख्यालय अब बिलासपुर होगा। जानकारों के मुताबिक राज्य की नौकरशाही में ये परंपरा रही है कि जब भी नए सीएस की नियुक्ति होती है, उनके समकक्ष अधिकारियों को मंत्रालय की जगह अन्य विभागों में भेजा जाता है ताकि किसी प्रकार का प्रशासनिक टकराव न हो।

पिंगुआ, ऋचा शर्मा अप्रभावित

इस फेरबदल से दो एसीएस मनोज कुमार पिंगुआ और ऋचा शर्मा प्रभावित नहीं हुए हैं। श्री पिंगुआ और ऋचा शर्मा दोनों 1994 बैच के अधिकारी है। इस लिहाज से ये दोनों नए सीएस अमित अग्रवाल से जूनियर है। इस आधार पर माना जा रहा है कि ये दोनों अभी प्रभावित नहीं हो रहे हैं। लेकिन श्री अग्रवाल के पदभार ग्रहण के बाद अगर वे कुछ बदलाव करना चाहें तो इन दोनों के विभागों में बदलाव कर सकते हैं। वजह ये है कि रेणु पिल्ले और सुब्रत साहू अभी जो विभाग एसीएस के रूप में संभाल रहे हैं, वे विभाग खाली होंगें। ऐसे में कुछ विभागों को इन दोनों अधिकारियों श्री पिंगुआ और ऋचा शर्मा के बीच बांटकर नई व्यवस्था बनाए जाने की संभावना है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अयोध्या में श्रद्धालुओं के लिए कियोस्क

अयोध्या। यूपी सरकार ने अयोध्या आने वाले तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए 'कियोस्क' लगाने की पहल शुरू की है। ये 'कियोस्क' राम मंदिर और हनुमानगढ़ी सहित स्थलों के खुलने के समय, दूरी और अन्य आवश्यक विवरणों के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

गैस टैंकर और दो कार में टक्कर, सात की मौत

धार। मप्र के धार जिले में एक गैस टैंकर और दो कारों के बीच टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। धार के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि यह हादसा बुधवार रात करीब 11 बजे हुआ।

प्रख्यात दलित विचारक व लेखक के. के. कोचू का निधन

कोट्टायम। प्रख्यात दलित विचारक और लेखक के.के. कोचू का निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। केरल के कल्लरा में दो फरवरी 1949 को जन्मे कोचू कर्नाटक सड़क परिवहन निगम से वरिष्ठ सहायक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

होलिका दहन...

रायपुर। देशभर में रंगों के पर्व होली की धूम है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा पर गुरुवार को राजधानी रायपुर के प्रमुख चौक-चौराहों पर होलिका दहन किया गया।

एनएच 30 में सड़क हादस

तीन की मौत, 5 की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

बेमेतरा से कवर्धा हाईवे में गुरुवार को हुए एक सड़क हादसे में तीन लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हादसा नेशनल हाईवे 30 में ग्राम सैगोना के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे साइड आ गई और नहर में गिर गई। हादसे में कार चालक कमल चक्रधारी के साथ साथ मासूम बच्ची साक्षी वैष्णव व उसकी मां खुशबू वैष्णव पति लिकेश वैष्णव की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में करीब छोटे बच्चे सहित 11 से अधिक लोग सवार थे। इस हादसे में छोटे बच्चों सहित कई लोग गंभीर घायल हुए हैं, जिनमें 5 लोगों को गंभीर अवस्था में रायपुर रेफर किया गया है।

एआईसीसी ने अचानक छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदला

टीएस को मिली पीसीसी की कमान, बैज हटाए गए

हो.स. ⏭ रायपुर

विधानसभा, लोकसभा और नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद अंततः एआईसीसी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की छुट्टी कर दी। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को इसकी कमान सौंप दी है। श्री सिंहदेव का ऐलान होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल उन्हें बधाई देने पहुंचे। श्री बघेल ने कहा कि वे खुश हैं कि श्री सिंहदेव को वो ⏭शेष पेज 7 पर

टीएस को शुभकामनाएं-बैज

पूर्व पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने टीएस सिंहदेव को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा, पार्टी हाई कमान ने जो निर्णय लिया है उससे वे खुश हैं। आगे पार्टी को संगठन के गतिविधियों में सहयोग करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ⏭शेष पेज 7 पर

- भूपेश ने दी बधाई, कहा बड़े भाई को जिम्मेदारी, उनके सपने पूरे हों

पार्टी को नई दिशा देने का प्रयास करूंगा-टीएस

टीएस सिंहदेव ने पीसीसी अध्यक्ष की कमान मिलने पर कहा, पार्टी को नई दिशा देने का प्रयास करूंगा। पार्टी में गुटबाजी खत्म कर पार्टी नेताओं को एकजूट कर भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ जन आंदोलन कर जनता तक कांग्रेस पार्टी की आवाज पहुंचाने का प्रयास होगा। साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश भरेंगे। पीसीसी अध्यक्ष बनने के बाद अपनी टीम तैयार करने का काम जल्द होगा।

बड़े भाई संभालेंगे पीसीसी की कमान-भूपेश

टीएस को अध्यक्ष बनाए जाने पर भूपेश बघेल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, यह खुशी की बात है कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस का मुखिया बनाया गया है। पूर्व में मैंने जिस पद को संभाला उसे अब मेरे बड़े भाई टीएस सिंहदेव संभालने जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए हमने विधानसभा सभा चुनाव में जीत दर्ज की और पार्टी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया। श्री बघेल ने संकेतों में कहा, मैंने विधानसभा में जीत दिलाई और सीएम बना। वे भी आगामी चुनाव में पार्टी को विजयी बनाएं और अपने सपने पूरे करें, मेरी शुभकामना है।

होली मनाने के अजीबोगरीब तरीके, कहीं पत्थर से, तो कहीं आग से खेली जाती है होली

नई दिल्ली। होली का त्योहार पूरे देश में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। रंगों का त्योहार मान्यताओं और परंपराओं का खूबसूरत समागम है। पूरे देश में इस त्योहार को अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। कहीं पर फूलों से होली खेली जाती है, तो कहीं पर लोगों पर लट्ठ बरसाई जाती है। क्या आप जानते हैं कि आग के जलते अंगारों से भी होली खेली जाती है? इस पर यकीन करने मुश्किल हो सकता है, लेकिन देश में कई ऐसी जगहें हैं जहां पर ऐसे ही अजी बोगरीब अंदाज में होली खेली जाती है।

होली पर खोजते हैं जीवनसाथी

मध्यप्रदेश के भील आदिवासियों में होली के दिन जीवनसाथी ढूंढने की परंपरा है। हालांकि, यह प्रथा काफी मजेदार भी है। इस दिन यहां एक बाजार लगता है। इस बाजार में लड़के-लड़कियां अपने लिए जीवन साथी खोजने के लिए आते हैं। इसके बाद यह आदिवासी लड़के एक खास तरह का वाद्ययंत्र बजाते हुए डांस करते-करते अपनी मनपसंद लड़की को गुलाल लगा देते हैं। अगर लड़की को भी लड़का पसंद आता है, तो लड़के को गुलाल देती है। दोनों की रजामंदी के बाद लड़का-लड़की को भगाकर ले जाता है और शादी करता है।

होलिका दहन की राख पर चलते हैं लोग

राजस्थान के बांसवाड़ा में जनजातियां होलिका दहन की राख पर भी चलने की परंपरा है। यहां पर राख के अंदर दबी आग पर चलते हैं। इसके साथ ही एक-दूसरे पर पत्थरबाजी करने की परंपरा है। इस प्रथा के पीछे एक मान्यता है कि ऐसी होली को खेलने से जो खून निकलता है उससे व्यक्ति का आने वाला समय बेहतर बनता है।

यहां पर नहीं मनाते हैं होली

हरियाणा के कैथल जिले के दूसरपुर गांव में लोग होली नहीं मनाते हैं। कहा जाता है कि इस गांव को एक बाबा ने श्राप दिया था। दरअसल, गांव के एक व्यक्ति से संत नाराज होने के बाद होलिका की आग में कूदकर जान दे दी। जलते बाबा ने गांव को श्राप दे दिया। उन्होंने कहा कि अब यहां कभी होली मनाई जाती है तो अपशगुन होगा। इस डर से सालों बीत जाने के बाद कभी होली नहीं मनाई गई।

रोचक खबरें

खाना मिलते ही बंदर ने लड़की से हाथ मिलाकर कहा थैंक्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक बंदर का वीडियो खूब तहलका मचा रहा है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे खाना मिलने के बाद बंदर एक लड़की को हाथ मिलाकर उसका शुक्रिया अदा करता है। बंदर की यह क्यूट-सी अदा लोगों के दिल को छू गई है। यह वीडियो इंटरनेट पर धड़ल्ले से शेयर किया जा रहा है, और अब तक इसे लाखों लोग देख चुके हैं। नेटिजन्स बंदर की समझदारी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक बंदर सड़क किनारे फुटपाथ पर बैठा हुआ है। इसी दौरान एक लड़की आकर उसे खाना देती है। लेकिन, इसके बाद बंदर जिस तरह से रिएक्ट करता है, वो देखने लायक है। नेटिजन्स को यह वीडियो इस कदर पसंद आ रहा है कि वे इसे बार-बार देख रहे हैं। वीडियो में आप देखेंगे कि बंदर खाना मिलने के बाद उठकर लड़की का हाथ पकड़ता है, और उसे धन्यवाद देता है। जानवर ने अपने इस व्यवहार से इंटरनेट की पब्लिक को भौचक्का कर दिया है। यही वजह है कि यह वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

गर्लफ्रेंड बनने के पैसे लेती है लड़की 2 महीने में मिले 3 लाख के गिफ्ट

केनबरा। इंसान को जिंदगी में अगर कोई सच्चा, प्यार करने वाला और साथ देने वाला पार्टनर मिल जाए तो उसकी लाइफ काफी आसान हो जाती है। पर आज के समय में लड़के-लड़कियां भी काफी चूज़ी हो गए हैं, वो जल्द ही किसी को बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड बनाना नहीं पसंद करते। हालांकि, एक लड़की ने लोगों की इस समस्या को आसान कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया की ये लड़की किराये की गर्लफ्रेंड बनती है। बदले में लड़के इसे गिफ्ट्स देते हैं। सिर्फ 2 महीनों में इसे 3 लाख रुपए के गिफ्ट मिल चुके हैं। ये लड़की बदले में शर्तों पर प्यार देती है। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार रूबी जेड खुद को प्रोफेशनल गर्लफ्रेंड बताती हैं। ब्रिस्बेन की रहने वाली रूबी किराये की गर्लफ्रेंड हैं, मतलब वो गर्लफ्रेंड बनने के रुपए लेती हैं। वो लड़कों के साथ पार्टियों में जाती हैं, ट्रिप पर जाती हैं, खास मौकों पर उनके साथ शामिल होती हैं। कई बार मर्द उन्हें डिनर पर ले जाते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि वो एक बार सिर्फ डिनर पर जाने के लिए 1.4 लाख रुपए ले चुकी है। पिछले साल उनके एक क्लायंट उन्हें सिंगापुर साथ लेकर गए थे। एक बार एक क्लायंट ने उन्हें प्लेस्टेशन-5 गिफ्ट किया था। उनका एक क्लायंट चीनी है, इस वजह से वो रूबी को चाइनीज भाषा सिखाना चाहता है। इसके लिए वो खुद उनकी कोचिंग क्लास की फीस, 5000 रुपए प्रति हफ्ते चुका रहा है। लोग उन्हें फ्लाइट के फर्स्ट क्लास में अपने साथ घुमाने ले जाते हैं।

मार खाओ इनाम पाओ...यूपी के इस गांव में अनोखी पैनामार होली, मर्दों की खूब धुनाई करती हैं महिलाएं

लखनऊ। होली का रंग यूपी में अलग ही अंदाज में देखने को मिलता है। मथुरा-वृंदावन की लट्ठमार होली दुनियाभर में मशहूर है, लेकिन फिरोजाबाद जिले के टूंडला क्षेत्र में एक गांव ऐसा भी है जहां होली के मौके पर महिलाओं का जोरदार राज चलता है। यहां के चुल्हावली गांव में 'पैनामार होली' की परंपरा सैकड़ों सालों से चली आ रही है, जिसमें महिलाएं पुरुषों को पैना (लकड़ी या हल्की छड़ी) मारकर होली खेलती हैं। गांव में होलिका दहन के अगले दिन यानी परेवा पर यह अनोखी होली खेली जाती है। इस दिन महिलाएं नई साड़ियां पहनकर हाथों में पैना लेकर निकलती हैं, जबकि पुरुष भी नए कपड़े पहनकर होली खेलने पहुंचते हैं। फिर शाम को सभी एक जगह इकट्ठा होते हैं और महिलाएं पैना से पुरुषों की पिटाई लगाती हैं। लेकिन, मजे की बात यह है कि इस खेल में किसी को गुस्सा नहीं आता, बल्कि सभी हंसी-मजाक के साथ इसे खेलते हैं। पैनामार होली में खास परंपरा यह है कि जो पुरुष सबसे ज्यादा पैना की मार सहता है, उसे बाद में इनाम देकर सम्मानित किया जाता है। इस अनूठी परंपरा को देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग जुटते हैं और यह एक बड़े उत्सव का रूप ले लेता है। गांव के बुजुर्गों के अनुसार, यह परंपरा हजारों साल पुरानी है और इसे मथुरा की लट्ठमार होली की तरह ही खेला जाता है। यह न केवल एक अनोखी होली है बल्कि महिलाओं और पुरुषों के बीच प्रेम और हास्य का भी प्रतीक है।

अब भारत का स्पेस स्टेशन दूर नहीं.. इसरो का बड़ा कमाल, स्पैडेक्स की सफल अनडॉकिंग

नई दिल्ली। देश में होली की धूम मची है। इसी बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने देश को एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दे दी है। हुआ यह है कि इसरो ने अपने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट स्पैडेक्स के तहत दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक अनडॉक कर दिया है। यह उपलब्धि भारत के अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक बड़ा पड़ाव है। इससे भविष्य में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रयान 4 जैसे मिशनों का मार्ग प्रशस्त होगा। 30 दिसंबर 2024 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किए गए इस मिशन का उद्देश्य स्पेस डॉकिंग तकनीक का परीक्षण करना था और अब इसकी अनडॉकिंग भी सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है।

मिशन की सफलता के क्या फायदे होंगे?

पहले तो इसरो की इस सफलता से भारत चौथा ऐसा देश बन गया है जिसने स्पेस डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीक को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। अब तक यह तकनीक केवल अमेरिका रूस और चीन के पास थी। यह तकनीक भारत को भविष्य में अंतरिक्ष में मॉड्यूल जोड़ने बड़े अंतरिक्ष यानों के निर्माण और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बीएएस (BAS) की स्थापना में मदद करेगी। भारत की योजना 2035 तक अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की है जिसके तहत 2028 में पहला मॉड्यूल लॉन्च किया जाएगा।

भविष्य के मिशनों के लिए कैसे फायदेमंद होगा स्पैडेक्स?

स्पैडेक्स मिशन की सफलता से गगनयान और चंद्रयान 4 जैसे मानव अंतरिक्ष मिशनों के लिए रास्ता साफ हो गया है। इसरो अब ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है जिससे कक्षा में छोड़े गए सैटेलाइट्स को वापस लाया जा सके। जरूरत पड़ने पर उन्हें फिर से ईंधन देकर सक्रिय किया जा सके। इस तकनीक से भविष्य में डीप स्पेस मिशन चंद्रमा और मंगल पर बेस बनाने और अंतरिक्ष में वैज्ञानिक प्रयोगों में काफी मदद मिलेगी।

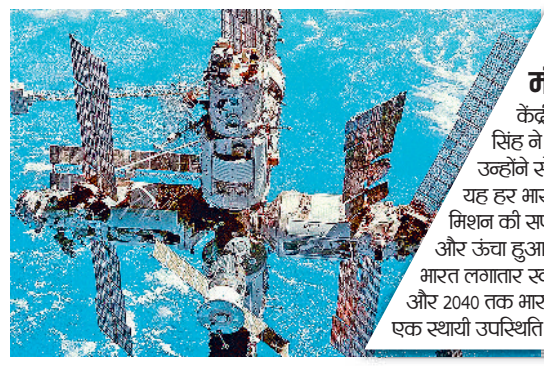

इसरो को मिली बधाइयां.. मंत्री बोले विजन का असर

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसरो को इस सफलता पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। स्पैडेक्स मिशन की सफलता से भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र में कद और ऊंचा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार स्वदेशी तकनीक को मजबूत कर रहा है और 2040 तक भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजने और वहां एक स्थायी उपस्थिति बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

कैसे हुआ यह अनडॉकिंग मिशन सफल?

असल में इस मिशन में चेसर और टारगेट नाम के दो सैटेलाइट शामिल थे। पहले चरण में चेसर सैटेलाइट ने टारगेट को सफलतापूर्वक डॉक किया था। अब अनडॉकिंग के दौरान इसरो ने एक जटिल प्रक्रिया को अंजाम दिया जिसमें कैप्चर लीवर को रिलीज किया गया। डी कैप्चर कमांड भी जारी हुआ। फिर आखिरकार दोनों उपग्रहों को अलग कर दिया गया। इस तकनीक का विकास भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है, जिससे भविष्य में अंतरिक्ष में उपग्रहों की मरम्मत ईंधन भरने और मलबे को हटाने जैसी जटिल प्रक्रियाओं में मदद मिलेगी।

2588 साल बाद बन रहा होली पर ऐसा योग, बीमारियां हो जाएंगी 'स्वाहा'

नई दिल्ली। होली के मौके पर आपने एक कहावत तो सुनी ही होगी -'बुरा न मानो होली है'। होली के त्योहार पर आप किसी ने कुछ भी मज़ाक कर देते हैं, तो उसका मूड जल्दी खराब नहीं होता। यही वजह है कि होली पर लोग खुलकर हंसी-मज़ाक करते हैं। वैसे होली को लेकर सोशल मीडिया पर भी मीम्स खूब बनते हैं, जो लोगों को खूब पसंद आते हैं।

दिलचस्प पोस्ट वायरल

सोशल मीडिया पर ऐसी ही एक दिलचस्प पोस्ट वायरल हो रही है। इस पोस्ट में बताया गया है कि 2588 सालों के बाद होली पर ऐसा योग बन रहा है, जो आपकी बीमारियों को नाश कर देगा। इस पूरी खबर को पढ़िए, तब आपको पता चलेगा कि करना क्या है!

इलाज सुनकर सदमे में आए लोग

आगे बताया गया है कि आपको करना ये है कि जब शाम को होलिका दहन हो रहा हो, तो आपको अपने सिर के ऊपर से अपने मोबाइल को सात बार घुमाना है और इसे होलिका में दहन कर देगा। इस मजेदार पोस्ट में ये भी कहा गया है कि इससे गुस्सा आना, जी मचलाना जैसी परेशानी आएगी, जो दो दिन में ठीक हो जाएगी। इस मजाकिया पोस्ट को 7 दिन में 2 लाख से ज्यादा लोगों ने पसंद किया है और कमेंट भी भरपूर आए हैं। ज्यादातर यूज़र्स ने लिखा कि वो पोस्ट को ध्यान से पढ़ रहे थे कि कोई सच में टोटका है। एक यूज़र ने लिखा- मुझे तो लगा मेरी सारी समस्याओं का हल ही मिल गया।

तो ये रामबाण इलाज ...

इस पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक यूज़र अकाउंट से शेयर किया गया है। देखने में ये अखबार की किसी कटिंग जैसा है, जिस पर शीर्षक में बताया गया है कि इस बार होली बेहद खास है, क्योंकि 2588 साल बाद वो योग बन रहा है, जो कई बीमारियों को दूर कर देगा। अंदर बीमारियों के लक्षण बताए गए हैं कि अगर आपका मन खाने में नहीं लगता, बार-बार नींद खुलती है, आंखों में दर्द रहता है और आलस आता है, तो ये रामबाण इलाज का काम करेगा।

अगर इस जाति की लड़की पर डाला रंग तो...बैठेगी पंच करनी पड़ेगी शादी

नहीं होगी कोई सुनवाई

रांची। होली के दौरान छेड़छाड़ के कई मामले हम सबने सुने और देखें हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए संथाल आदिवासी समाज ने एक ऐसी प्रथा की शुरूआत की है। झारखंड के साहित्यकार मनोज करपरदार ने बताया कि यह प्रथा हजारों साल से चल रही है। होली पर महिलाओं और पुरुषों के बीच मर्यादा बनी रहे, इसलिए इस रिवाज को शुरू किया गया। होली के नाम पर लड़कियों के साथ बदतमीजी हुआ करती थी। लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की जाती थी। इसी को देखते हुए नया नियम बनाया गया। ऐसा संथाल आदिवासियों में होता है। अगर इस जाति की लड़कियों पर गलती से भी रंग डाला तो सबसे पहले पंचायत बैठाई जाएगी। कई बार लड़कों को सबसे सामने माफी मांगनी पड़ती है, तो कई बार शादी भी।

होली में होता है मर्यादा का पालन

दरअसल, पहले ऐसा देखा जाता था कि होली की आड़ में एक०दूसरे के साथ अभद्र व्यवहार और अश्लीलता जैसी चीज किया करते थे और कहते थे कि होली है। लेकिन, बुजुर्गों ने सोचा कि अब इसका एक उपाय निकालना पड़ेगा कि अगर आप महिलाओं पर रंग डालते हैं तो या तो आपको शादी करनी पड़ेगी या तो सार्वजनिक तौर पर पंचायत के सामने माफी मांगनी पड़ेगी। झारखंड में के कई सारे जिले जैसे लोहरदगा और अंदर के जो गांव देहात हैं।

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है इस टोटके का कारण

शराब पीने से पहले जमीन पर क्यों छिड़कते हैं बूंदें?

नई दिल्ली। होली का त्योहार अब बस आने ही वाला है। हर तरफ होली का खुमार छाया हुआ है। चाहे मार्केट हो या घर, होली की तैयारी अब आखिरी चरम पर है। जहां महिलाएं होली के दिन पकवान बनाने में व्यस्त रहती हैं, वहीं युवाएं इस दिन सिर्फ मौज-मस्ती के मूड में रहते हैं। कई युवा शराब के नशे में चूर नजर आते हैं। अगर आपके भी दोस्त शराबी हैं तो आपने भी कई लोगों को शराब पीने से पहले गिलास से कुछ बूंदें नीचे छिड़कते देखा होगा।

कई बार शराबी अपने हाथ में गिलास लेकर शराब की कुछ बूंदें जमीन पर छिड़कते हैं। अपनी अनामिका अंगुली को शराब में डुबो कर उसे छिड़का जाता है। कई शराबी ऐसा करते तो हैं तो लेकिन खुद उन्हें भी इसका कारण नहीं पता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं वो वजह, जिसकी वजह से शराबी ऐसा करते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में छिपी है वजह

सोशल मीडिया पर खुद को ज्योतिष विज्ञान का ज्ञाता कहने वाले एक शख्स ने इसकी वजह बताई है। अनुराग ठाकुर नाम के इस शख्स ने बताया कि आखिर क्यों लोग शराब के गिलास में अंगुली डालकर उसे जमीन पर छिड़कते हैं। शख्स के मुताबिक, इसका कारण ज्योतिष शास्त्र में लिखा है। कई बार जो लोग ऐसा करते हैं, उन्हें भी इसकी वजह नहीं पता होती। ऐसा करना लोगों के जीवन में शनि का प्रभाव कम करता है।

आता है अच्छा वक्त

शनिदेव को खुश करने के लिए शराबी अक्सर ये टोटका अपनाते हैं। शख्स ने भी कहा कि शराब पीने से पहले ऐसा करना आपकी किस्मत बदल सकता है। अपनी अनामिका अंगुली को शराब में डालकर छिड़कने से लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाला शनि शांत होता है और उन्हें इसका अच्छा प्रभाव देखने को मिलता है। यही वजह है कि लगभग हर शराबी ऐसा करता है।

होली का त्योहार रंग, गुलाल और गुझिया की मिठास का प्रतीक है। हालांकि होली सिर्फ रंगों और मिठाइयों तक सीमित नहीं। भारत के अलग-अलग राज्यों में इसे अलग नामों और अनोखी परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं फूलों की होली तो कहीं लट्ठमार होली खेली जाती है लेकिन शाहजहांपुर में होली बेहद ही अनोखे ढंग से मनाई जाती है। यहां रंग गुलाल के साथ-साथ जूते मार होली खेली जाती है। इस दौरान शहर में 'लाट साहब' का जुलूस भी निकाला जाता है। इस जुलूस में लाट साहब बनने वाला शख्स पर लोग जूतों की बारिश करते हैं। लेकिन लाट साहब को जूते खाने के एवज में पैसे भी मिलते हैं।

यूपी के शाहजहांपुर की अनोखी होली

भैंसा गाड़ी पर ठाठ से निकलेंगे 'लाट साहब', बरसाए जाएंगे जूते-चप्पल

एजेंसी ▶▶ शाहजहांपुर

इतिहासकार डॉ. विकास खुराना ने बताया कि सन 1857 के दौर से ही शाहजहांपुर में होली के दिन जुलूस निकालने की परंपरा चल रही है। पहले इस जुलूस को 'नवाब साहब का जुलूस' कहा जाता था लेकिन सन 1988 में तत्कालीन जिलाधिकारी कपिल देव ने जुलूस का नाम बदलकर 'लाट साहब का जुलूस' कर दिया। लाट साहब का यह जुलूस चौक क्षेत्र के बाबा चौकसी नाथ मंदिर से शुरू होकर शहर के अलग-अलग इलाकों से होता हुआ थाना सदर बाजार क्षेत्र के बाबा विश्वनाथ मंदिर पहुंचता है। इस जुलूस में हजारों की संख्या में हुड़दंगी शामिल होते हैं।

लाट साहब को जूते खाने के लिए मिलते हैं 1 लाख रुपए

कोतवाल लाट साहब को गिफ्ट करेंगे ब्रांडेड शराब

तिरपाल से ढक दी गई हैं मस्जिदें

जटिल है लाट साहब का चुनाव

भैंसा गाड़ी पर बैठकर जुलूस की अगुवाई करने वाले लाट साहब का चुनाव करना एक जटिल और अनोखी प्रक्रिया है। इस जुलूस में दूसरे जिले के व्यक्ति को लाट साहब बनाया जाता है। लाट साहब बनने वाला शख्स को करीब एक सप्ताह पहल शाहजहांपुर लाया जाता है। जुलूस का आयोजन करने वाली कमेटी लाट साहब की जमकर खातिरदारी करती है। इतना ही नहीं लाट साहब को बेशुमार उपहार भी दिए जाते हैं।

फाइल फोटो

करीब 1 लाख रुपए होंगे खर्च

शाहजहांपुर पहुंचने पर लाट साहब की जमकर खातिरदारी तो होती ही है। इसके अलावा लाट साहब को ब्रांडेड कंपनी के कपड़े और जूते उपहार स्वरूप दिए जाते हैं। लाट साहब की खातिरदारी में कोई कमी न रह जाए उसके लिए शराब भी पिलाई जाती है। जुलूस कमेटी इस बार लाट साहब की खातिरदारी और उपहार के लिए करीब 80 हजार रुपए की रकम खर्च कर रही है। लाट साहब जब कोतवाली पहुंचते हैं तो यहां कोतवाल लाट साहब को सलामी देने के बाद उपहार और नजराना भेंट करते हैं। भैंसागाड़ी के लिए जुलूस कमेटी अलग से पैसे खर्च करती है। यानी कुल मिलाकर इस बार लाट साहब को जूते खाने के लिए 1 लाख रुपए मिलेंगे।

चप्पे-चप्पे पर नजर

शाहजहांपुर में लाट साहब की सवारी और होली के दौरान सुरक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मस्जिदों को ढकने की परंपरा जारी रखते हुए, सभी समुदायों के बीच सौहार्द बनाए रखने का प्रयास किया गया है। प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि वे शांति और भाईचारे के साथ होली मनाएं। इसके साथ-साथ लाट साहब के जुलूस के साथ कई थानों की फोर्स, पीएसी, रैपिड एक्शन फोर्स को भी तैनात किया जाता है। शहर में कई स्थानों पर स्थित मस्जिदों को ढका गया है। प्रशासन के अनुसार, यह परंपरा वर्षों पुरानी है, जिसका मकसद सौहार्द बनाए रखना है।

डोनाल्ड ट्रंप ने दे दी है पुतिन को वार्निंग

सीजफायर पर सहमत नहीं हुआ रूस तो अमेरिका लगाएगा कड़े आर्थिक प्रतिबंध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सऊदी अरब में यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों की बैठक हुई और इसमें सीजफायर को लेकर सहमति बनी। अमेरिका ने 30 दिनों के सीजफायर का प्लान रूस को भेजा है। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को वार्निंग भी दे दी है।

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रूस सीजफायर पर सहमत होगा। लेकिन अगर रूस, यूक्रेन के खिलाफ जंग जारी रखता है तो उसे सख्त आर्थिक परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने कहा कि हम कुछ ऐसे कदम उठाएंगे जिससे रूस पर वित्तीय प्रभाव पड़ सकता है और यह रूस के लिए घातक होगा। वहीं सीजफायर प्रस्ताव पर रूस का भी बयान सामने आया है। रूस ने कहा कि वह अभी इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि सबसे पहले इस संबंध में अमेरिका से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में जमीन, हवा और जल तीनों स्तर पर जंग रोकने की बात कही गई है।

खास बातें
- 30 दिनों के सीजफायर का प्लान रूस को भेजा है अमेरिका ने
- रूस अपनी शर्तों पर समझौते का बना रहा है दबाव

सऊदी अरब में हुई अमेरिका-यूक्रेन की बैठक

सऊदी अरब के जेद्दा में हुई अमेरिका-यूक्रेन वार्ता के बाद समझौता हुआ और यूक्रेन ने रूस के साथ 30 दिन के युद्ध विराम पर सहमति जताई है। जेद्दा में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मार्को रुबियो और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज ने किया। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक, विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा और रक्षा मंत्री रुस्तम उमारोव के नेतृत्व में कीव से आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यूक्रेन ने कहा कि वह रूस के साथ 30 दिन के युद्ध विराम के ट्रंप प्रशासन के प्रस्ताव का समर्थन करेगा।

पुतिन ने सीजफायर के लिए रखी है लंबी डिमांड लिस्ट

वॉशिंगटन। अब जब जेलेंस्की राजी हो गए हैं तो फिर व्लादिमीर पुतिन अमेरिका पर भी दबाव बनाने में जुटे हैं। उन्होंने सीजफायर पर अमल के लिए लंबी डिमांड लिस्ट रख दी है। उनका कहना है कि यदि इन मांगों को अमेरिका स्वीकार कर ले और यूक्रेन पर भी दबाव बनाए, तभी वह सीजफायर को स्वीकार कर सकेंगे। अब तक यह क्लियर नहीं है कि रूस के राष्ट्रपति ने क्या-क्या मांगें रखी हैं, लेकिन रूसी राष्ट्रपति के करीबी सूत्रों का कहना है कि व्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया है कि अमेरिका और नाटो वादा करें कि यूक्रेन को मेंबरशिप नहीं दी जाएगी। इसके अलावा यह भी कहा जाए कि नाटो का विस्तार ऐसे नहीं किया जाएगा कि रूस के पड़ोसी देशों को शामिल किया जाए। अमेरिका से रूस की एक और मांग है। व्लादिमीर पुतिन चाहते हैं कि अमेरिका यह माने कि क्रीमिया समेत यूक्रेन के वे 4 इलाके रूस के ही हैं, जिन पर उसने कब्जा जमा लिया है। ट्रंप प्रशासन ने अब तक यह साफ नहीं किया है कि वह रूस से किस आधार पर सीजफायर चाहता है। लेकिन इतना साफ है कि रूस के साथ कारोबारी रिश्ते और यूक्रेन से शांति समझौता उसकी प्राथमिकता है। फिलहाल अमेरिका की कोशिश है कि सऊदी अरब के अलावा तुर्की को भी वार्ता में शामिल किया जाए। रूस करीब दो दशकों से अमेरिका से डिमांड करता रहा है कि वह वादा करे कि उसकी सेनाएं पड़ोस में नहीं रहेंगी।

भाषा विवाद के बीच नया पैंतरा

तमिलनाडु सरकार ने अब बजट से हटा दिया ₹ का सिंबल

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

भाषा विवाद के बीच तमिलनाडु की सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने इस बार राज्य के बजट से '₹' का सिंबल हटा दिया है। बता दें कि देशभर में '₹'का सिंबल बजट का आधिकारिक प्रतीक है। लेकिन तमिलनाडु की सरकार ने इसे ही रिप्लेस कर दिया है। '₹'के सिंबल को जिस सिंबल से रिप्लेस किया गया है, वह तमिल लिपि का अक्षर 'रु' है। यहां खास बात यह है कि पहली बार किसी राज्य ने के सिंबल में बदलाव किया है। तमिलनाडु सरकार का ये फैसला ऐसे समय आया है, जब पहले से ही तमिलनाडु में हिंदी के विरोध को लेकर सियासी जंग छिड़ी हुई है। दरअसल, हाल ही में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने जबरन हिंदी थोपने का आरोप लगाया था।

तिरंगे पर आधारित है सिंबल

बता दें कि देश में रुपए () का जो सिंबल है, उसका डिजाइन उदय कुमार धर्मलिंगम ने बनाया था, जो कि पेशे से एक शिक्षाविद और डिजाइनर हैं। उनका डिजाइन पांच शॉर्ट लिस्टेड सिंबल में से चुना गया था। धर्मलिंगम के मुताबिक उनका डिजाइन भारतीय तिरंगे पर आधारित है।

इंस्टीच्यूट ऑफ
ब्लड डिजॉर्डर्स
आंध्र प्रदेश में अपनी तरह का पहला संस्थान
उन्नत हिमैटोलॉजी केयर के लिए एक समग्र सेंटर

रक्त विकार रक्त कोशिकाओं के निर्माण और उनके काम को प्रभावित करते हैं, जिससे एनीमिया, रक्त थक्के के विकार और रक्त कैंसर जैसे रोग उत्पन्न होते हैं। ब्लड डिजॉर्डर्स इंस्टीच्यूट अब समग्र सेवा प्रदान करता है, जो मरीजों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए उन्नत निदान, विशेष उपचार और विशेषज्ञ केयर सुनिश्चित करता है।

हमारी सेवाएं:

हिमैटोलॉजिकल मैलिग्नैंसिज	:	रोग पहचान और ब्लड कैंसर का उपचार
अस्थि मज्जा के विकार	:	एप्लास्टिक एनीमिया और संबंधित रोगों के लिए विशेषज्ञ केयर
रक्त थक्का के विकार	:	हिमोफीलिया और रक्त थक्का विकार का विशिष्ट उपचार प्रबंधन
अस्थि मज्जा का प्रत्यारोपण	:	बेहतर परिणामों के लिए उन्नत प्रत्यारोपण प्रक्रिया
थलासीमिया और सीकल सेल केयर	:	जीवन पर्यंत केयर और ट्रांसफ्यूजन सपोर्ट

अत्याधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञता के साथ रक्त विकार के उपचार में उत्कृष्ट उपचार को नया आयाम दे रहा है

Mahatma Gandhi
Cancer Hospital & Research Institute

चतुर्थ एवं पंचम तल, यूनिक हॉस्पिटल परिसर, हेल्थ सिटी, विशाखापत्तनम
✆0891 2878777 /2878787 | www.mgcancerhospital.com

कॉन्स्टेबल का खुलासा

रान्या को एयरपोर्ट पर मदद करने का डीजीपी पिता ने दिया था निर्देश

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। एयरपोर्ट पर रान्या राव की मदद करने वाले कॉन्स्टेबल ने दावा किया है कि वो ऐसा डीजीपी रामचंद्र राव के कहने पर करते थे। रान्या कर्नाटक के डीजीपी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। कॉन्स्टेबल बसवराज का दावा है कि डीजीपी रामचंद्र राव ने उन्हें एयरपोर्ट पर रान्या की मदद करने का निर्देश दिया था। रान्या के सौतेले पिता कर्नाटक के डीजीपी रामचंद्र राव ने उनसे कहा था कि वह रान्या को बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक छोड़कर आए। कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन पर तैनात कॉन्स्टेबल बसवराज ने खुलासा किया कि वह सीधे रामचंद्र राव के आदेश का पालन कर रहे थे। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर रान्य राव को लाने-ले जाने की बंदोबस्त करने की जिम्मेदारी उन पर थी।

बेंगलुरु सहित कई जगहों पर छापेमारी

रान्या राव सोना तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है। ईडी ने गुरुवार को रान्या राव सोना तस्करी रैकेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत बेंगलुरु और कुछ अन्य जगहों पर कई ठिकानों पर छापेमारी की। इस मामले में कर्नाटक में डीआरआई ने अभिनेत्री को गिरफ्तार किया था।

रेड्डी का अपमानजनक वीडियो, 2 महिला पत्रकार हुईं गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना में दो यूट्यूब महिला पत्रकारों को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना करना भारी पड़ा। जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर दोनों महिलाओं को हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, यूट्यूब चैनल पल्स डिजिटल न्यूज नेटवर्क की प्रबंध निदेशक रेवती पोगदंडा (44) और एक कर्मचारी तन्वी यादव उर्फ बंदी संध्या (25) को विपक्षी भारत राष्ट्र समिति के मुख्यालय में शूट किए गए एक 'अपमानजनक' वीडियो के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।

ट्रंप का वादा भी नहीं आया काम

फिर अटकी विलियम्स की वापसी, नहीं लॉन्च हो सका क्रू-10

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर वापसी एक बार फिर से अटक गई है। अंतरिक्ष में 9 महीने से फंसी सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी की बड़ी उम्मीद थी। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा सुनीता की वापसी सुनिश्चित करने के लिए क्रू-10 नाम का एक स्पेसशिप लॉन्च करने वाली थी। लेकिन तकनीकी दिक्कतों की वजह से क्रू-10 की लॉन्चिंग को टालनी पड़ी। नासा ने कहा कि क्रू-10 में हाइड्रोलिक सिस्टम में दिक्कत की वजह से इसकी लॉन्चिंग रोकनी पड़ी। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता की वापसी के लिए क्रू-10 महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उद्देश्य क्रू-9 की जगह लेना है। क्रू-9 से ही अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्पेस गए हैं। नासा ने पहले कहा था कि क्रू-9 अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से तभी वापस आ सकता है जब क्रू-10 अंतरिक्ष में लॉन्च हो जाए।

अब आगे क्या?

नासा के अनुसार अब क्रू-10 की अगली लॉन्चिंग गुरुवार 17 मार्च को सकती है। हालांकि ये तारीख भी फिक्स नहीं है और मौसम समेत दूसरे फैक्टर पर ध्यान देना जरूरी होगा। क्रू-10, स्पेस एक्स के मानव अंतरिक्ष परिवहन प्रणाली का 10वां क्रू रोटेशन मिशन है। बता दें कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पिछले साल 5 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गई थी। उन्हें एक हफ्ते बाद वापस लौटना था, लेकिन बोइंग स्टारलाइनर में गड़बड़ी की वजह से वो वहां पर फंस गईं। दोनों एस्ट्रोनॉट्स बोइंग और नासा के जॉइंट क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन पर स्पेस गए थे. इसके बाद उन्हें वापस लाने की कई कोशिशें हो रही हैं।

चिंतन

हिन्दी का विरोध करते-करते हद से आगे बढ़ गए स्टालिन

किसी भी चीज का विरोध अगर विरोध की सीमा तक ही रहे तो बेहतर होता है। अगर वो ईर्ष्या के स्तर तक चला जाए तो उसे कतई सही नहीं ठहराया जा सकता। ऐसा ही हाल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक नेता एमके स्टालिन हिंदी विरोध का हो रहा है। वो हद से ज्यादा आगे बढ़ गए हैं। वे अब न केवल हिंदी के खिलाफ स्थानीय बोलियों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि भाषा को छोड़कर देश विरोध तक उतर आए हैं। नई शिक्षा नीति और ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी का विरोध करते-करते स्टालिन 2025-26 के बजट में '₹' का सिंबल 'ரூ' सिंबल से रिप्लेस कर दिया। यह तमिल लिपी का अक्षर 'रु' है। कहने की जरूरत नहीं है कि स्टालिन का यह कदम भड़काने वाला है। पहले से ही वो हिन्दी को लेकर तरह-तरह की गलतबयानी करते रहे हैं। उनका यह कहना कि भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली समेत अनेक भाषाएं अस्तित्व के लिए हांफ रही हैं। प्राचीन मातृभाषाएं खत्म हो रही हैं, जबकि स्टालिन का यह आरोप निरर्थक है, क्योंकि हिंदी क्षेत्र की इन बोलियों-भाषाओं के सम्मिलित रूप को ही हिंदी कहा जाता है। इनसे प्राप्त जीवनशक्ति से हिंदी फलती-फूलती है। ठेठ हिंदी का ठाठ उसकी बोलियों के सौंदर्य से निर्मित होता है। हिंदी समाज एक साथ अपनी जनपदीय भाषा जैसे भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही भी बोलता है और हिंदी भी। लिखने-पढ़ने का अधिकांश कार्य वह हिंदी में जरूर करता है, इसीलिए राजभाषा अधिनियम के अनुसार उन्हें 'क' श्रेणी में रखा गया और दस राज्यों में बंटने के बावजूद उन्हें 'हिंदी भाषी' कहा गया। भोजपुरी, राजस्थानी, अवधी, ब्रज आदि हिंदी के अभिन्न अंग हैं। इन सबके बिना हिन्दी पूर्ण नहीं है और हिन्दी के सहयोग से ही स्थानीय भाषा फल-फूल रही हैं। जब देश में हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, तब स्टालिन जैसे नेता देश को ही बांटने की कोशिश कर रहे हैं। दुनिया के तमाम देश भारत जैसे बड़े बाजार की हिंदी को अपने भविष्य का रास्ता मान रहे हैं। अनेक देश हैं जहां हिन्दी सीखने का चलन बढ़ा है। उन्हें लग रहा है कि हिन्दी को बेहतर तरह से जानकार ही भारत जैसे विशाल बाजार में कामयाबी हासिल की जा सकती है, लेकिन हमारे अपने ही हैं कि हिन्दी के नाम का विरोध करते-करते देश बांटने तक आ पहुंचे हैं। हिन्दी और गैरहिन्दी के बीच खाई खोदकर उसे और चौड़ा करने के प्रयासों में लगे हैं। इसके पहले उन्होंने संस्कृत का भी बेतुका विरोध किया था। अब नई शिक्षा नीति पर यह दुष्प्रचार भी कर रहे हैं कि त्रिभाषा फार्मूला दरअसल हिंदी थोपने की कोशिश है। क्या ऐसे बयान देकर स्टालिन भारतीय भाषाओं को आपस में लड़ाने और अंग्रेजी को आधिपत्य जमाए रखने का अवसर नहीं दे रहे हैं। अगर बात केवल हिन्दी तक ही होती तो चलो विरोध मान लेते, लेकिन अब तो उन्होंने भारतीय मुद्रा का सिंबल ही बदल दिया है। यह तो किसी राज्य, किसी भाषा नहीं बल्कि देश की धरोहर है। अगर स्टालिन के विरोध के स्वर को ध्यान से सुना जाए तो साफ हो जाता है कि वो केवल हिन्दी का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि अपने वोट बैंक के लिए राष्ट्रभाषा के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। स्टालिन को लगता है कि वो हिन्दी का विरोध करके ईवी रामास्वामी नायक यानी पेरियार, सीएन अन्नादुरई और करुणानिधि जैसा नाम बन जाएंगे, क्योंकि ये सभी हिन्दी के विरोध से ही पनपे थे, लेकिन स्टालिन भूल रहे हैं कि देश बहुत आगे बढ़ चुका है। महज भाषा का विरोध करके सत्ता नहीं चलाई जा सकती। जनता को विकास चाहिए और इसके लिए वो किसी का भी तख्ता पलट सकती है।

विश्लेषण

अवधेश कुमार

संभल में होली व जुम्मा विवाद क्यों?

संभल में होली और जुम्मे की नमाज देशव्यापी बहस और विवाद का विषय यूं ही नहीं बना हुआ है। हालांकि संभल के सीईओ अनुज चौधरी के वक्तव्य को आधार बनाकर कई पार्टियां, नेता और मीडिया का एक वर्ग आलोचना कर रहा है। सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने तो यहां तक कह दिया कि ऐसे लोग जब सरकार बदलेगी तो जेल में होंगे। मुस्लिम संगठनों सहित अनेक मुस्लिम नेताओं ने तो उनके खिलाफ ऐसा अभियान चला दिया है मानो वे संभल में शांति नहीं बल्कि अशांति का कारण बन चुके हों। क्या वाकई अनुज चौधरी ने ऐसा बयान दिया है, जिससे उनके विरुद्ध इस तरह का माहौल होना चाहिए? सामान्य तौर पर देखें तो होली और जुम्मे की नमाज एक ही दिन हो रही है तो निश्चित रूप से प्रशासन का दायित्व दोनों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने की है। कोई एकपक्षीय बयान देकर किसी समुदाय को नाराज करे तो उसके विरुद्ध आवाज उठनी चाहिए, किंतु क्या वाकई संभल का मामला ऐसा ही है? इससे जुड़े दोनों पक्षों को समझे बगैर हम कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दे सकते।

निस्संदेह, भारत में 116 करोड़ से थोड़ा ज्यादा हिंदू और 22 करोड़ से ज्यादा मुसलमान हैं तो दोनों को मिलजुल कर ही रहना है। दोनों की अपनी संस्कृतियां हैं तथा अलग-अलग उत्सव हैं। यह दोनों समुदायों की जिम्मेदारी है कि वे एक दूसरे की भावनाओं, संवेदनाओं का ध्यान रखते हुए तथा अपने उत्सवों के महत्व के अनुसार ऐसा आचरण करें। इसी तरह पुलिस प्रशासन का दायित्व हर हाल में शांति व्यवस्था बनाए रखने के पूर्वोपाय करना है। अगर कहीं समस्या पैदा हुई तो पुलिस प्रशासन के लिए उत्तर देना कठिन होता है। अनुज चौधरी का बयान इसी के संदर्भ में था। सच है कि उनके बयान की दो पंक्ति को निकाल कर हंगामा पैदा कर दिया गया और यही बताता है कि कुछ लोग किस तरह देश में सांप्रदायिक तनाव, हिंसा पैदा करना चाहते हैं। यह वर्ग प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार एवं केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध माहौल बनाने के लिए झूठ का नैरेटिव चला रहा है। अनुज चौधरी के बयान को देखें तो उसमें यह पंक्ति है कि जुम्मे की नमाज वर्ष में 52 बार आती है, जबकि होली एक बार। इसी में वे यह भी कह रहे हैं कि जिन्हें होली से समस्या हो वे उस दिन बाहर न निकलें। अपने पूरे वक्तव्य में वे कह रहे हैं कि हिंदू समाज मुसलमानों की भावनाओं का ध्यान रखें और मुस्लिम समाज हिंदुओं की भावनाओं का। इसमें गड़बड़ी करने वालों को चेतावनी भी दे रहे हैं। वह कह रहे हैं कि जिस तरह ईद के दिन लोग सेवैयां खाते हैं, एक दूसरे से गले मिलते हैं ठीक उसी तरह होली का त्योहार भी है और इसको मुस्लिम भी उसी रूप में लें, थोड़ा बड़ा हृदय दिखाएं। उसी में वे कहते हैं कि जिन्हें बिल्कुल इससे समस्या हो वह बाहर न निकलें। इसमें ऐसी कोई बात नहीं है, जिसके आधार पर उनको जेल में डालने से लेकर और न जाने क्या-क्या कहा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीवी कार्यक्रम में यह कहते हुए उनका समर्थन किया है कि वह पहलवान है और पहलवान की तरह स्पष्ट बोलता है। उन्होंने भी लगभग

वही बातें बोलीं जो अनुज चौधरी ने कहा। इस तरह अनुज चौधरी का वक्तव्य योगी सरकार के विचारों की ही अभिव्यक्ति है। यह सच है कि इसके पहले भी होली और जुम्मे का नमाज एक दिन हुआ है, किंतु यह कहने वाले भूल रहे हैं कि जिन शहरों या क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी है वहां कई बार यह शांतिपूर्ण संपन्न हुआ तो कई बार अशांति पैदा हुई, हिंसा हुई, दंगे भी हुए। आप दंगों के इतिहास का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि इनमें से बड़ी संख्या में हिंदू उत्सवों या महत्वपूर्ण दिवसों के दिन या उनसे जुड़े हुए रहे। क्या हम पिछले वर्ष 24 नवंबर को संभल में हुई हिंसा भूल गए? आखिर न्यायालय के आदेश से सर्वेक्षण टीम वहां आई थी, कहीं हिंदुओं की भीड़ नहीं थी, कोई नारा नहीं था, अचानक हजारों लोग ईंट पत्थर लेकर कहां से निकल पड़े? जितनी भयानक पत्थरबाजी हुई, आगजनी गई और गोली तक चली उसका कोई एक कारण था तो यही कि संभल कट्टर मजहबी सांप्रदायिक उपद्रवी तत्वों का केंद्र बन चुका है। सीधे पुलिस से हिंसक मोर्चाबंदी लेने का दुस्साहस सामान्य लोग नहीं कर सकते। लोगों के मस्तिष्क को उस सीमा तक असामान्य बनाया जा चुका है या बन चुका है तो फिर उस स्थान के लिए पुलिस प्रशासन को भी सामान्य से अलग व्यवहार करना पड़ेगा। संभल में दंगों का भयानक इतिहास है। 1978 के दंगों के बाद बड़ी संख्या में हिंदुओं के पलायन हुए और यह 1995 तक जारी रहा। क्यों? करोड़ों की संपत्ति रखने वालों को भी वहां से भागने को भी विवश होना पड़ा। वहां से निकले परिवार जिन शहरों में हैं उनकी कथा सुनकर किसी का भी कलेजा मुंह को आ जाता है। 24 नवंबर, 2024 को हिंसा के बाद धीरे-धीरे पूरे संभल शहर में कब्जाए, जमीन में दबाई या विरक्त महत्वपूर्ण पूजास्थल, कूप, बावड़ी निकल रहे हैं। संभल धार्मिक पुस्तकों में एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल के रूप में विख्यात रहा है तथा कलयुग में भगवान कल्कि अवतार की भी भविष्यवाणी वही है। पिछले मोटा-मोटी 800 वर्षों से वह क्षेत्र इसी कारण इस्लामी हमले का शिकार रहा है। जामा मस्जिद विष्णु पुराण, भविष्य पुराण से लेकर अकबरनामा, बाबरनामा एवं अंग्रेजों के काल में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार हरि मंदिर को ध्वस्त कर बनाया गया है। कल्पना कीजिए, उत्तर प्रदेश का एक छोटा शहर अगर हिंदू धर्म स्थलों को निगल जानेकी भूमिका निभा रहा हो तो वहां की सांप्रदायिक स्थिति क्या रही होगी?

भारत का दुर्भाग्य है कि यहां सेकुलरिज्म की गलत व्याख्या सोच और वोट बैंक की मानसिकता में इन्हें दुरुस्त करने के लिए खड़े होने वाले को खलनायक बनाया जा रहा है। जामा मस्जिद के पास एवं अन्य जगह पुलिस थाने या पोस्ट बनाने तक का विरोध करने वाले कौन लोग थे? कल्पना कीजिए, अगर प्रदेश और केंद्र में भाजपा सरकार नहीं होती तो जितनी बड़ी संख्या में कब्जे किए गए या विरक्त मंदिर, मिट्टी में दबाए गए कूप और बावरी मिले हैं वह संभव होता? आश्चर्य इस पर होना चाहिए कि कब्जा किए गए, कराए गए उन पवित्र स्थलों या निर्माण को न्याय पूर्ण तरीके से खाली करने की कार्रवाई देश में नेताओं, बुद्धिजीवियों व मीडिया के एक बड़े वर्ग की आलोचना का शिकार हो रहा है। यह इकोसिस्टम इतना बड़ा है कि इसका सामना करना कठिन होता है तथा यही वर्ग देश में नैरेटिव भी बनाता है। ऐसा नहीं होता तो अनुज चौधरी के वक्तव्य की सभी पक्षों द्वारा प्रशंसा होती तथा उसके अनुरूप व्यवहार की अपील की जाती। वहां के हिंदुओं से पूछिए कि क्या वे पिछले 50 वर्षों में होली जैसे त्योहार को भी खुलकर मना पाए हैं? अगर नहीं तो यह दूसरे समुदाय के लिए शर्म और सोचनीय विषय होना चाहिए या नहीं? संभल पुलिस प्रशासन न्याय और कानून की दृष्टि से अपनी शक्तियों का सदुपयोग कर रहा है। यही कारण है कि बाहर दुष्प्रचार व विरोध करते हुए भी इनमें से कोई न्यायालय तक जाने का साहस नहीं करता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

> संभल में होली और जुम्मे की नमाज देशव्यापी बहस और विवाद का विषय यूं ही नहीं बना हुआ है। निस्संदेह, भारत में 116 करोड़ से थोड़ा ज्यादा हिंदू और 22 करोड़ से ज्यादा मुसलमान हैं तो दोनों को मिलजुल कर ही रहना है। अनुज चौधरी का बयान इसी के संदर्भ में था। सच है कि उनके बयान की दो पंक्ति को निकाल कर हंगामा पैदा कर दिया गया और यही बताता है कि कुछ लोग किस तरह देश में सांप्रदायिक तनाव, हिंसा पैदा करना चाहते हैं। संभल के हिंदुओं से पूछिए कि क्या वे पिछले 50 वर्षों में होली जैसे त्योहार को भी खुलकर मना पाए हैं? अगर नहीं तो यह दूसरे समुदाय के लिए शर्म और सोचनीय विषय होना चाहिए।

सारा संसार

भारत के प्रसिद्ध गणेश मंदिर में से एक गणपतिपुले मंदिर महाराष्ट्र राज्य में रत्नागिरी की एक चोटी पर स्थित है। यहां गणेशजी की मूर्ति पूर्व की बजाय पश्चिम की ओर है जिस कारण फरवरी और नवंबर के महीनों में सूरज की रोशनी सीधे गणेश जी की मूर्ति पर पड़ती है। स्थानीय लोगों का यह भी मानना है कि भगवान गणेश की मूर्ति को किसी ने नहीं रखा है, बल्कि स्वयं प्रकट हुई थी।

पर्व

सुरेश हिन्दुस्थानी

होली के संदेश को समझें

भारत भूमि के संस्कार ऐसी अनमोल विरासत है, जो सदियों से एक परंपरा के रूप में प्रचलित है। जो समाज में ऐक्य भाव की स्थापना करने का मार्ग प्रशस्त करता है। वर्तमान में जहां परिवार टूट रहे हैं, वहीं समाज में अलगाव की भावना भी विकसित होती जा रही है। इस भाव को समाप्त करने के लिए हमारे त्योहार पथ प्रदर्शक बनकर आते हैं, लेकिन विसंगति यह है कि हम इन त्योहारों को भूलते जा रहे हैं। त्योहार की परिपाटी को हमने अपनी सुविधा के अनुसार बदल दिया है। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि हम अपनी जड़ों से या तो कट चुके हैं या फिर कटने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जो व्यक्ति या समाज अपनी जड़ों से कट जाता है निश्चित ही पतन की ओर ही जाता है। त्योहार हम सभी को जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देते हैं। होली के त्योहार को पूरा देश मनाता है। इसका सांस्कृतिक आधार देखा जाए तो यह परस्पर मनमुटाव को समाप्त करने का एक माध्यम है। रंगों का पर्व होली सामंजस्य को बढ़ावा देता है। जिस प्रकार से होली के अवसर पर सभी रंग आपस में घुल मिल जाते हैं, उसी प्रकार व्यक्तियों के मिलने की भी कल्पना की गई है। होली पर दुश्मनों के भी भाव बदल जाते हैं, और सारे देश में दोस्ती का वातावरण निर्मित होता दिखाई देता है। वर्तमान में होली के बारे में हम कहते हैं कि पहले जैसी होली अब नहीं होती। यह सत्य है कि इसमें परिवर्तन आया है, लेकिन क्या हमने सोचा कि ऐसा परिवर्तन आने के पीछे कारण क्या हैं। वास्तव में इसके लिए हम ही दोषी हैं। पांच दिन के इस त्योहार की मस्ती को हमने समेट कर रख दिया है और मात्र एक या दो घंटे में पूरा त्योहार मना लिया जाता है। ऐसे में मात्र एक घंटे में होली का वह भाईचारे वाला स्वरूप कैसे दिखाई देगा। हम व्यक्ति केंद्रित होकर त्योहार मनाते हैं, जबकि भारतीय त्योहार का स्वरूप व्यक्ति केंद्रित न होकर समाज केंद्रित है। होली के त्योहार को इसी रूप में मनाएंगे तब ही हमें वही होली दिखेगी, जो वास्तविक है। वर्तमान में होली पर कई लोग दुश्मनी मिटाना तो दूर, दुश्मनी पालने की कवायद करते दिखाई देते हैं। पिछले कई वर्षों से होली पर लड़ाई झगड़े होते दिखाई देते हैं। इससे सवाल यह उठता है कि क्या हम होली को वास्तविक अर्थों में मनाने का मन बना पा रहे हैं। अगर नहीं तो तो हमें यह कहने का भी अधिकार भी नहीं है कि होली का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पौराणिक मान्यताओं के आधार पर होली के पावन पर्व का निष्कर्ष निकाला जाए तो यही परिलक्षित होता है कि जिसके मन में विकार होता है, उसे समाप्त करने का होली का त्योहार सबसे अच्छा अवसर है, अगर हमने अपने अंदर पैदा हुए विकार को समाप्त करने का प्रयास नहीं किया तो भगवान उस विकार को समाप्त करने का काम कर देंगे। हम जानते हैं कि भगवान नरसिंह ने राक्षस हिरणयकश्यप को इसलिए मार दिया कि उसके अंदर कई विकार समाहित हो गए थे। भक्त प्रहलाद ने कई बार चेताया भी, लेकिन उसने अपने अंदर के अहं को समाप्त नहीं किया। विकार को समाप्त करने का पर्व होली है। अगर होली पर हमने अपने अहं को नहीं छोड़ा तो फिर होली के मायने ही क्या है?

((लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन में निर्भयता लाती है मां दुर्गा की भक्ति साधना

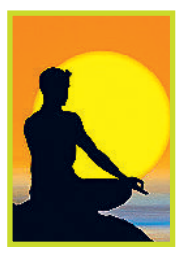

संकलित

दर्शन

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्याधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है। आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्यों के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है। हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है।

हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो

संकलित

प्रेरणा

एक वृद्ध महिला एक सब्जी की दुकान पर जाती है, उसके पास सब्जी खरीदने के पैसे नहीं होते है। वो दुकानदार से प्रार्थना करती है कि उसे सब्जी उधार दे दे पर दुकानदार मना कर देता है। उसके बार-बार आग्रह करने पर दुकानदार खीज कर कहता है, तुम्हारे पास कुछ ऐसा है, जिसकी कोई कीमत हो, तो उसे इस तराजू पर रख दो, मैं उसके वजन के बराबर सब्जी तुम्हे दे दूंगा। वृद्ध महिला कुछ देर सोच में पड़ जाती है। क्योंकि उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं था। कुछ देर सोचने के बाद वह, एक मुड़ा-तुड़ा कागज का टुकड़ा निकालती है और उस पर कुछ लिख कर तराजू पर रख देती है। दुकानदार ये देख कर हंसने लगता है। फिर भी वह थोड़ी सब्जी उठाकर तराजू पर रखता है।आश्चर्य..!!! कागज वाला पलड़ा नीचे रहता है और सब्जी वाला ऊपर उठ जाता है। इस तरह वो और सब्जी रखता जाता है पर कागज वाला पलड़ा नीचे नहीं होता। तंग आकर दुकानदार उस कागज को उठा कर पढता है और हैरान रह जाता है। कागज पर लिखा था, हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो, अब सब कुछ तुम्हारे हाथ में है। दुकानदार को अपनी आँखों पर यकीन नहीं हो रहा था। वो उतनी सब्जी वृद्ध महिला को दे देता है। पास खड़ा एक अन्य ग्राहक दुकानदार को समझाता है, कि दोस्त, आश्चर्य मत करो। केवल श्री कृष्ण ही जानते हैं की प्रार्थना का क्या मोल होता है। वास्तव में प्रार्थना में बहुत शक्ति होती है। चाहे वो एक घंटे की हो या एक मिनट की। यदि सच्चे मन से की जाये, तो ईश्वर अवश्य सहायता करते हैं।

होली उत्सव

शिमला में गुरुवार को कॉलेज के छात्र होली मनाते हुए।

आज की पाती

असंगठित बल को संगठित करने की पहल

हमारे देश में संगठित क्षेत्र में औपचारिक रूप से पंजीकृत वो व्यवसाय आते हैं, जो श्रम कानूनों का पालन करते हैं, नौकरी की सुरक्षा और सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं। जबकि असंगठित क्षेत्र में अनौपचारिक व्यवसाय शामिल हैं, जिनमें बहुत कम या कोई विनियमन नहीं है, अक्सर नौकरी की सुरक्षा, लाभ और कानूनी सुरक्षा का अभाव रहता है। असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 के अंतर्गत घरों में काम करने वाले श्रमिक, स्व-नियोजित श्रमिक या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले श्रमिक असंगठित क्षेत्र के दायरे में आते हैं। संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कई अधिनियम लागू किए जा चुके हैं। *- मनोज वर्मा, दुर्ग*

ट्रेंड

यूएन को अपडेट कर रहे

अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही हमने संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली की मजबूती के लिए महत्वाकांक्षी सुधार एजेंडा शुरू किया। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए। हम 21वीं सदी के लिए संयुक्त राष्ट्र को अपडेट कर रहे हैं।

-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

बच्चों का भविष्य ख़तरे में

85 लाख बच्चों का भविष्य ख़तरे में-पेपर लीक युवाओं के लिए 'पद्मव्यूह' बन गया है। पेपर लीक मेहनती छात्रों से उनके परिश्रम का फल छीन लेता है। यह अगली पीढ़ी को गलत संदेश देता है कि बेईमानी, मेहनत से बेहतर हो सकती है, जो अस्वीकार्य है।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

सरकार पटरी से उतर चुकी

आम इंसान की जिंदगी में मरना ही लिखा है। कभी ट्रेन के डिब्बे में, कभी ट्रेन की पटरी पर, कभी प्लेटफार्म के भगदड़ में तो कभी कुंभ के भगदड़ में, ट्रेन भी पटरी से उतर चुकी है और मोदी की सरकार भी।

-संजय सिंह, आप नेता

सीखने के लिए काम करें

अमीर बनने के लिए सरल सुझाव- ऐसी संपत्ति अर्जित करें जो आय उत्पन्न करें। अपनी आय से कम खर्च करें। केवल आय पर नहीं, धन निर्माण पर ध्यान दें। वित्तीय बुद्धि बढ़ाएं। केवल पैसे के लिए नहीं, बल्कि सीखने के लिए काम करें।

-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

करंट अफेयर

नासा की अध्ययन के लिए नई अंतरिक्ष दूरबीन प्रक्षेपित

नासा की नवीनतम अंतरिक्ष दूरबीन को प्रक्षेपित किया गया जो पूरे आकाश का अध्ययन करेगी। यह शुरुआत से लेकर अब तक करोड़ों आकाशगंगाओं और उनकी साझा ब्रह्मांडीय चमक (कॉस्मिक ग्लो) का व्यापक अध्ययन करेगी। स्पेसएक्स ने कैलिफोर्निया से स्फीरेक्स वेधशाला को प्रक्षेपित किया। सूर्य का अध्ययन करने के लिए सूटकेस के आकार के चार उपग्रह भी साथ में भेजे गए। कुल 48.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्फीरेक्स मिशन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि अरबों वर्षों में आकाशगंगाएं कैसे बनीं और विकसित हुईं तथा कैसे ब्रह्मांड का इतनी तेजी से विस्तार हुआ। स्फीरेक्स उन तारों के बीच बर्फीले बादलों में पानी और जीवन के अन्य तत्वों की खोज करेगा जहां नए सौर मंडल उभर रहे हैं। 'कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' के मिशन के मुख्य वैज्ञानिक जेमी बॉक ने कहा कि ब्रह्मांडीय चमक ब्रह्मांड के इतिहास में अब तक जितना भी प्रकाश उत्सर्जित हुआ है, उसे अपने अंदर समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि यह ब्रह्मांड को देखने का एक बहुत ही अलग तरीका है, जिससे वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि अतीत में प्रकाश के कौन से स्रोत छूट गए थे।

ऑफ बीट

कसरत की थकान से उबरने में आइस बाथ है लोकप्रिय

पिछले कुछ साल में 'आइस बाथ'' का चलन तेजी से बढ़ा है। दुनिया भर में खुद को स्वस्थ रखने वाले और व्यायाम करने वाले लोग इसे अपना रहे हैं, हालांकि पहले केवल एथलीट ही इसका उपयोग करते थे। 'आइस बाथ'' का मतलब बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़ों से भरे पानी में नहाना है। कसरत की थकान से उबरने के लिए 'आइस बाथ' आइस बाथ' लेने का मुख्य कारण मांसपेशियों में दर्द को कम करना और व्यायाम के बाद थकान से उबरना है। धावक, भारोत्तोलक और फुटबॉल खिलाड़ी सहित एथलीट आमतौर पर 'आइस बाथ' का उपयोग करते हैं। इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि 'आइस बाथ' लेने से कसरत के बाद होने वाली थकान को दूर किया जा सकता है। शोध से पता चला है कि गहन व्यायाम के तुरंत बाद 'आइस बाथ' लेने से अगले कुछ घंटे और दिनों में मांसपेशियों का दर्द कम हो सकता है। 'आइस बाथ' से मांसपेशियों की ताकत, मजबूती और लचीलेपन जैसी चीजों में मदद मिल सकती है। 'आइस बाथ' से व्यायाम के बाद होने वाली सूजन, मांसपेशियों की सूजन और मांसपेशियों की क्षति जैसी चीजों में सुधार हो सकता है। अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें लगातार कई दिन तक तीव्र व्यायाम करना पड़ता है तो आपके लिए 'आइस बाथ' एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

नई दिल्ली। पर्व-त्योहार जिंदगी में रोमांच लाते हैं। एक ढर्रे पर चली आ रही जिंदगी में त्योहारों की आमद थोड़ा ठहराव देती है तो अपनों से मिलने-मिलाने का बहाना भी। ....और कहा जाए कि त्योहार मजहब की दीवार को भी तोड़ने का काम करते हैं तो शायद गलत नहीं होगा! बॉलीवुड के तमाम सितारे इसकी मिसाल पेश करते हैं। होली का त्योहार पास है। इंडस्ट्री के कई सितारे होली की तैयारी में जुट गए हैं। इनमें वह सितारे भी हैं, जिनका धर्म बेशक अलग है, लेकिन होली के रंग में वह पूरी तरह रंग जाते हैं।

धूमधाम से होली खेलते हैं ये मुस्लिम सितारे

एक का तो जन्म के साथ ही जुड़ गया रंगों से नाता

शाहरुख खान

शाहरुख खान उन एक्टर्स में शुमार हैं, जो अलग धर्म से होने के बाद भी हिंदू त्योहार खूब धूमधाम से मनाते हैं। उनके घर पर दिवाली की रौनक देखने लायक होती है। इसके अलावा किंग खान होली पर भी भव्य पार्टी का आयोजन करते हैं।

सलमान खान

जब सेलिब्रेशन का मौका हो तो सलमान खान मजबह की दीवार को बीच में नहीं आने देते हैं। गणेश चतुर्थी हो या दिवाली, सलमान हर हिंदू त्योहार को पूरी शिद्दत से मनाते हैं। वह रंगो का पर्व भी पूरे उल्लास के साथ सेलिब्रेट करते हैं। सिर्फ सलमान ही नहीं, बल्कि पूरा खान परिवार यह त्योहार मनाता है। एक इंटरव्यू के दौरान सलमान ने कहा था, 'मैं हर साल इस त्योहार का मजा उठाता हूं और पूरे दिल से होली खेलता हूं। इस दिन हमारा परिवार और करीबी दोस्त इकट्ठे होते हैं। ज्यादातर हम फार्म हाउस पर होली मनाते हैं।'

आमिर खान

बॉलीवुड के मि. परफेक्शनिस्ट भी खूब धूमधाम से होली मनाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आमिर का होली से खास कनेक्शन है। दरअसल, एक्टर का जन्म ही होली के मौके पर हुआ। बता दें कि आमिर खान का जन्म 14 मार्च, 1965 को हुआ था, उस साल इस दिन होली का पर्व था। जन्म के साथ ही आमिर का रंग से नाता जुड़ गया था। एक इंटरव्यू के दौरान आमिर खान ने जिक्र किया था, 'जिस दिन मेरा जन्म हुआ था तो दाई मां ने सबसे पहले मेरे गालों पर रंग लगाया था।' यही वजह है कि आमिर इस त्योहार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। उनका पूरा परिवार होली खेलता है। आमिर अपने इस जन्मदिन पर 60 वर्ष के हो रहे हैं और सेलिब्रेशन भी बड़ा होने वाला है।

जावेद अख्तर-शबाना आजमी

जावेद अख्तर और शबाना आजमी की होली पार्टी मशहूर है। बता दें कि शबाना आजमी के पिता कैफी आजमी ने होली पार्टी की शुरुआत की थी, तब से जावेद अख्तर और शबाना भी इस रवायत को निभाते आ रहे हैं। इस होली पार्टी में जोया अख्तर, फरहान अख्तर और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ करीबी दोस्त और स्टार्स भी शामिल होते हैं। सभी ढोल-नगाड़ों पर जमकर थिरकते हैं।

इन बॉलीवुड सेलेब्स के घर धूमधाम से होती थी होली पार्टी, अचानक हो गई बंद, जानें क्यों पड़ा रंग में भंग

नई दिल्ली। वैसे तो होली हर कोई मनाता है, लेकिन हिंदू धर्म में इसको लेकर कई मान्यताएं हैं। होली के दौरान लोग पार्टी रखते हैं, लेकिन जो पार्टी बॉलीवुड के कुछ सेलेब्स मनाते थे वो दौर आज तक नहीं लौटा। बॉलीवुड के उन सेलेब्स की होली पार्टी काफी मशहूर थी, लेकिन अब किसी ना किसी वजह से वो पार्टी अब नहीं होती है। राज कपूर से लेकर अमिताभ बच्चन और सुभाष घई की होली पार्टी की धूम मुंबई में देखने को मिलती थी, फिर ऐसा क्या हुआ कि उनकी होली पार्टी को रोक दिया गया. इसके पीछे सभी की अपनी-अपनी वजहें हैं।

बॉलीवुड की फेमस होली पार्टी अब नहीं होती

बॉलीवुड में होली का मतलब फुल ऑन मौज-मस्ती और धूमधाम होता है। सालों से इंडस्ट्री में होली पार्टी होती आ रही है, लेकिन जो एक दौर में हुआ करती थी वो माहौल अब नहीं बना।

आर के स्टूडियो

कपूर खानदान बॉलीवुड की फेमस फैमिली में एक है। 'द शो मैन' राज कपूर जितनी बेहतरीन फिल्में बनाते थे उनका मिजाज भी उतना ही बेहतरीन था. बताया जाता है कि राज कपूर काफी खुले दिल के इंसान थे और वो हर पल में खुशी ढूंढ लिया करते थे। कम उम्र में उन्होंने अपना आरके स्टूडियो बनाया और वहां हर साल धूमधाम से होली पार्टी होती थी। होली की

महफिल में बॉलीवुड के तमाम सेलेब्स पहुंचते थे और इसमें तड़का राज कपूर ही लगाते थे। साल 1988 में राज कपूर का निधन हुआ और उसके बाद से ये होली पार्टी बंद कर दी गई।

बच्चन फैमिली

90 के दशक के दौर तक अमिताभ बच्चन ने भी अपने घर में होली पार्टी रखनी शुरू की। इस सेलिब्रेशन में लगभग सभी सेलिब्रिटीज को बुलाया जाता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब अमिताभ बच्चन ने ये प्रचलन शुरू किया तो शुरुआत में सब ठीक था, लेकिन बाद में उनकी एक के बाद एक फिल्में फ्लॉप होने लगीं। ऐसा बताया जाता है जब बिग बी ने किसी ज्योतिष को दिखाया तो उन्होंने होली पार्टी बंद करने की सलाह दी और बिग बी ने उसे माना।

सुभाष घई की पार्टी

बॉलीवुड के फेमस फिल्म मेकर सुभाष घई भी अपने घर पर होली पार्टी रखते थे। इसमें शाहरुख खान इस तरह शरीक होते थे मानो ये उनकी ही होली पार्टी हो। यहां वो अपनी पत्नी गौरी खान के साथ खूब मस्ती करते थे। इनके अलावा बॉलीवुड के तमाम सेलेब्स इस पार्टी में शामिल होते थे। यूट्यूब पर आज भी कुछ वीडियो आपको सुभाष घई की होली पार्टी के मिल जाएंगे। हालांकि, समय के साथ ये पार्टी बंद हो गई।

अख्तर फैमिली

फेमस एक्ट्रेस शबाना आजमी और राइटर जावेद अख्तर पति-पत्नी हैं और वो अपने घर में होली पार्टी रखते थे। होली पार्टी का रिवाज उनके घर में लगभग 40 साल पुराना है जिसे शबाना आजमी अपने पिता कैफी आजमी के साथ थ्रो करती थीं। कोरोना के बाद ये दौर बंद हो गया और अब उस स्तर की होली पार्टी अख्तर फैमिली में नहीं होती है।

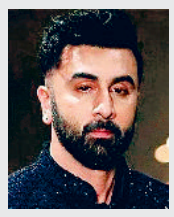

रणबीर कपूर ने बताया कैसी होती थी दादा राज कपूर की होली

नई दिल्ली। राज कपूर फिल्ममेकर और एक्टर के रूप में ही नहीं, बल्कि लेजेंड्री पार्टी होस्ट के तौर पर भी जाने जाते हैं। कई साल तक कपूर फैमिली बड़ी ग्रैंड पार्टी आरके स्टूजियोज में होस्ट करते थे, जिसमें बॉलीवुड के नामी सेलेब्स शिरकत करते हुए नजर आते थे। हालांकि, सुपरस्टार के पोते रणबीर कपूर को होली की ऑइकॉनिक पार्टीज डरा देती थीं।

रणबीर कपूर ने कहा, मैं बहुत यंग था तो ये मेरे लिए बेहद डरावना माहौल था। सभी काले और दूसरे कलर्स में रंगे हुए थे। सबको ऐसे ट्रक में फेंका जा रहा है। मुझे लगता है कि आपकी यादें बेहतर होंगी... आप सही कह रहे थे, सब काले नीले- पीले होते थे। यह एक दिन का उत्सव हुआ करता था। बचपन में इन पार्टियों के प्रति कभी-कभार नापसंदगी के बावजूद, रणबीर ने स्वीकार किया कि कैसे ये समारोह एकता के दुर्लभ पल थे। एनिमल एक्टर ने कहा, 'मैंने सुना है कि सिर्फ एक्टर और एक्ट्रेसेस ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री का हर व्यक्ति इसमें शामिल था।

दीपिका की 'दुआ' से लेकर यामी के 'वेदाविद' तक ये बच्चे खेलेंगे मम्मी-पापा संग पहली होली

नई दिल्ली। होली अधिकतर लोगों का पसंदीदा त्यौहार है। अभी इस फेस्टिवल में दो दिन बाकी हैं, लेकिन उससे पहले ही हर जगह इसे लेकर लोगों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। रंगों से भरे इस त्यौहार को बॉलीवुड सितारे भी बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं। करीना कपूर से लेकर सोहा अली खान तक कई सितारे अपने बच्चों की कलर लेकर एक-दूसरे के साथ मस्ती करते हुए तस्वीरें शेयर करती हैं। 14 मार्च की ये होली कुछ टीवी और बॉलीवुड अभिनेत्रियों के लिए तो बेहद ही खास होने वाली है, क्योंकि मां बनने के बाद पहली बार वह अपने बच्चों के साथ इस फेस्टिवल को सेलिब्रेट करेंगी।

दीपिका पादुकोण की 'दुआ'

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने बीते साल 8 सितंबर को अपनी बेटी का स्वागत किया था। ऐसे में दीवाली तो उन्होंने बेटी के साथ मना ली, लेकिन ये कपल अपनी बेटी के साथ पहली होली सेलिब्रेट करता हुआ दिखाई देगा। दीपिका पादुकोण की बेटी दुआ की एक झलक देखने के लिए फैंस भी बेकरार हैं।

यामी गौतम का बेटा 'वेदाविद'

दीपिका पादुकोण के अलावा यामी गौतम और उरी के निर्देशक आदित्य धर भी अपने बेटे वेदाविद के साथ पहली होली मनाने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। 4 जून 2021 में अपने होमटाउन हिमाचल में यामी गौतम ने आदित्य धर से शादी की थी और तीन साल बाद 10 मई 2024 को इस कपल ने अपने बेटे का स्वागत किया।

प्रिंस नरूला की बेटी 'इकलिन'

बॉलीवुड के अलावा टीवी की दुनिया में भी कई सितारों के घर बच्चों की किलकारियां गूंजी। इनमें से एक रोडीज के जज प्रिंस नरूला और युविका चौधरी हैं, जिन्होंने इस साल 2 जनवरी को अपनी बेटी का स्वागत किया। उनकी बेटी का नाम इकलिन है। यह कपल भी अपनी बेटी के साथ पहली होली सेलिब्रेट करेगा।

श्रद्धा आर्या के ट्विन्स

रुबीना दिलैक की तरह ही कुंडली भाग्य की 'प्रीता' उर्फ श्रद्धा आर्या के घर में ट्विन्स हुए। उन्होंने 29 नवंबर 2024 को बेबी गर्ल और बेबी ब्वॉय को जन्म दिया था, जिनके साथ वह और उनके पति राहुल नागल धूमधाम से पहली होली मनाने की तैयारी कर रहे हैं।

वरुण धवन की बेटी 'लारा'

2021 में अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड नताशा दलाल के साथ गुपचुप शादी रचाने वाले 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' एक्टर वरुण धवन की बेटी 'लारा' की भी ये माता-पिता संग पहली होली है। उनकी बेटी का जन्म जून 2024 में हुआ था।

ऋचा चड्ढा की बेटी जुनेरा इदा फजल

यामी गौतम के कुछ दिनों बाद ही फरवरी में ऋचा चड्ढा ने भी अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। 'फुकरे' स्टार ऋचा और अली फजल ने 4 अक्टूबर 2022 को धूमधाम से शादी की थी। शादी के तीन साल बाद उनकी जिंदगी में एक प्यारी परी जैसी बेटी आई। ऋचा की बेटी का जन्म 16 जुलाई 2024 को हुआ। ये कपल भी अपनी बेटी के साथ पहली होली खेलने की तैयारी कर रहा है।

टीवी मसाला

ईशा सिंह ने ठुकराया रोहित शेट्टी के शो का ऑफर!

नई दिल्ली। सलमान खान का रिएलिटी शो 'बिग बॉस' खत्म होने के बाद कलर्स चैनल पर रोहित शेट्टी का स्टंट बेस्ड शो 'खतरों के खिलाड़ी' ऑनएयर होता है। इस बार 15वां सीजन आएगा और इसमें कौन-कौन से कंटेस्टेंट्स हिस्सा लेंगे, इसकी चर्चा जोरशोर से हो रही है। खबर थी कि 'बिग बॉस 18' में नजर आ चुकीं ईशा सिंह अब टीवी पर खतरों से खेलती नजर आएंगी, लेकिन उनके फैंस के लिए एक बुरी खबर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने खुलासा किया है कि ईशा सिंह को खतरों के खिलाड़ी 15 के मेकर्स की तरफ से ऑफर आया था। सूत्र ने कहा, 'हां, ये सच है कि ईशा को शो के लिए संपर्क किया गया है और मेकर्स वास्तव में उन्हें अपने शो के साथ जोड़ने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन, वो इस साल ये शो नहीं करने जा रही हैं और उन्होंने ऑफर को ठुकरा दिया है।' इससे पहले रिपोर्ट में बताया गया था कि मोहसिन खान भी इस खतरों के खिलाड़ी 15 का हिस्सा नहीं होंगे। एक्टर से इस बारे में 'बात नहीं की जा रही है।' यानी ईशा की तरह ही मोहसिन भी इस साल इस शो का हिस्सा नहीं होंगे। इस सीजन के लिए एल्विश यादव, चुम दरांग, अविनाश मिश्रा, गौतम गुलाटी, मल्लिका शेरावत और अन्य कुछ जाने-माने सेलेब्स से संपर्क किया गया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग मई के आसपास शुरू होगी। इसका प्रीमियर जून या जुलाई महीने में टीवी पर होगा।

अब्दु ने लिया 'लाफ्टर शेफ्स 2' से ब्रेक अब एल्विश का पार्टनर बनेगा करण

नई दिल्ली। 'लाफ्टर शेफ्स 2' से जुड़ी अहम जानकारी सामने आई है। शो के कंटेस्टेंट अब्दु शो से ब्रेक ले रहे हैं। जी हां, रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब्दु अपने परिवार के साथ रमजान मनाना चाहते हैं, इसलिए वह 'लाफ्टर शेफ्स 2' से छोटा-सा ब्रेक ले रहे हैं। अब्दु की जगह करण कुंद्रा, एल्विश का साथ देंगे। याद दिला दें, पहले सीजन में करण कुंद्रा, अर्जुन बिजलानी के पार्टनर बने थे। उन्होंने इस शो से काफी कुछ सीखा था। यानि आने वाले एपिसोड्स में अंकिता लोखंडे, कृष्णा अभिषेक, रुबीना दिलैक, विकी जैन, एल्विश यादव, राहुल वैद्य, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, मन्नारा चोपड़ा, सुदेश लेहरी और कश्मीरा शाह के साथ करण कुंद्रा नजर आएंगे। वहीं भारती सिंह शो होस्ट करेंगी और शेफ हरपाल सिंह सोखी जज की भूमिका निभाएंगे। करण कुंद्रा की बात करें तो उन्होंने हाल ही में अपनी गर्लफ्रेंड तेजस्वी प्रकाश के लिए एक वीडियो बनाया था।

85 साल पहले रिलीज हुआ था होली का पहला गाना

नई दिल्ली। रंगों की त्योहार हो और बेहतरीन पकवानों के साथ नाच-गाना न हो ऐसा कैसे हो सकता है। हिंदी सिनेमा में हर त्योहार की झलक यूं तो देखने को मिलता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड की वो पहली कौन सी फिल्म थी, जिसमें होली की मस्ती देखनी को मिली थी।

बॉलीवुड फिल्मों में होली के यूं तो आपने कई गानें सुने होंगे, लेकिन, क्या आपको वो पुराने गाने याद हैं, जो आपके दादा-दादी या नाना-नानी के टाइम पर काफी फेमस थे। आज हम आपके के लिए होली के सिर्फ पुराने गानों की लिस्ट लेकर आए हैं, जिसकी मदद से आप अपनी होली को और ज्यादा मजेदार कर सकते हैं। बॉलीवुड में सालों से होली के कई गानें सुनते आए हैं। हर साल इन गीतों की खूब धूम रहती है। कुछ गाने तो ऐसे हैं जिन्हें आए 60 सालों से ज्यादा हो गए। लेकिन, आज भी लोग उन्हें खूब गुनगुनाते हैं। क्या आप जानते हैं होली का पहला गाना आजादी से पहले रिलीज हुआ था।

'औरत' से होली के गानों की की गई थी शुरुआत

होली के गानों की शुरुआत ब्लैक एंड व्हाइट दौर से हुई थी। साल 1940 में रिलीज हुई फिल्म 'औरत' से होली के गानों की शुरुआत की गई थी। होली पर गाना बनाने का सबसे पहला ख्याल निर्देशन महबूब खान को आया। महबूब खान ने ही भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार फिल्म मदर इंडिया को बनाया था। इस गीत के बोल हैं 'आज होली खेलेंगे साजन के संग'। इस गाने को सिंगल अनिल बिश्वास ने अपनी शानदार आवाज में गाया था। इसी फिल्म में एक और गाना दर्शकों को सुनने के लिए मिला, जिसके बोल हैं। जिसके बोल हैं 'जमुना तट पर होली खेलते श्याम'। अनिल बिश्वास ने ही इस गाने को तैयार किया था।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार जनकपुर में उपलब्ध नया पुराना ईमारती काष्ठ एवं नया जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार जनकपुर से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - काष्ठागार जनकपुर
नीलाम दिनांक - 28-03-2025
नीलाम समय - प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लट्ठा	बल्ली	लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ.मी.	नग	घ.मी.	नग	घ.मी.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	0.00	0	10167	777.799	9882	173.125
2	साल	60.000	40	6532	566.023	1166	30.199
3	हल्दू	0.000	0	6	0.748	0	0.000
4	साजा	0.000	0	36	3.877	31	0.828
5	बीजा	0.000	0	4	0.337	4	0.205
6	सत्कठा	0.000	0	0	0	71	1.871
	योगः-	60.000	40.000	16745	1348.784	11154	206.228
सागौन जलाऊ		-	-	-			
मिश्रित जलाऊ		400 चट्टा नया		236 चट्टा पुराना			
योग :-		**400 चट्टा नया**		**236 चट्टा पुराना**			

टीप :- 1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

G-242505955/4

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.

(A GOVERNMENT OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB)
O/o THE SUPERINTENDING ENGINEER, C.C-I, RAIPUR Phone No. 0771-2574809, 2574801 Fax No. 0771-2574805
Website - www.cspdcl.co.in, Office Mail ID - [illegible]

NOTICE INVITING TENDER THROGU E-BIDDING

E-tenders are invited **Eligible Contractors** for Hiring of Vehicle **(Three Years)** new SUV (Earlier Jeep) category with of Driver Vehicle should be commercial tax paid. All running expenditure of vehicle will be borne by contractor. The contract work will be as per guidelines of CSPDCL. The pick-up vehicle is not older than 03 years having total run not exceeding 60000 km. will be hired for a period of 03 years. The CSPDCL reserves the right to extend the term of contract period for further **01 years** at the same rate, terms & condition on mutual understanding between CSPDCL & contractor. GST will be paid Extra.

S.N	Tender No.	Name of work	Value of contract (Without GST)	EMD Amount (online)	Last date & Time of submission of bids	Due date of Opening
1.	TR-2024_108 Dt. 13.03.2025 RFX No. **8100042058**	Hiring of Vehicle **(Three Years)** new SUV (Earlier Jeep) category and Equivalent for CSPDCL Raipur with one driver or maximum 3 year old Rate for Monthly run 1st 1500 Km. (A) Rate for extra run beyond 1500 Km. (Rs. Per Km.) Rate to be deducted for running less than 1500 Km. (Rs. To be deducted)	**19.00 Lakh aprox**	**19000/-**	Dt.04.04.2025 upto 02:30 PM	Dt.04.04.2025 upto 03:00 PM

Details of Tender, Technical Specifications, Terms and Conditions etc are available on our website www.cseb.gov.in, www.cspdcl.co.in and **ebidding http://cijsrp.cspdcl.co.in**. Last date and time of submission of bid is on **04.04.2025** up to **02:30 P.M.** and due date of opening is on **04.04.2025** at **03:00 P.M.** The Tender document can also be downloaded from CSPDCL's official website mentioned above. The cost of required Tender fee (which is not refundable) of **Rs. 2000/-** including GST and EMD for each tender may be deposited by online through e-bidding.

Superintending Engineer
City Circle-I, CSPDCL: Raipur

SAVE ELECTRICITY

नौकरी खोजने की सुविधा देने वाला मंच 'इनडीड' ने जारी की रिपोर्ट

शारीरिक श्रम वाली नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी केवल 20 प्रतिशतः रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में कारखानों, खुदरा, निर्माण जैसे क्षेत्रों में शारीरिक श्रम से जुड़े काम कर रहे लोगों में महिलाओं की भागीदारी महज 20 प्रतिशत है। इन्हें वेतन विसंगतियों से लेकर स्वच्छता की कमी जैसे कार्यस्थल से जुड़ी कठिन चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है।

नौकरी खोजने की सुविधा देने वाला मंच 'इनडीड' ने एक सर्वेक्षण में यह कहा है। यह सर्वेक्षण बड़े और मझोले शहरों (टियर एक और टियर दो) में 14 उद्योगों के 4,000 से अधिक नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच किया गया है। इससे पता चलता है कि 2024 में 73 प्रतिशत नियोक्ताओं ने 'ब्लू-कॉलर' यानी शारीरिक श्रम से जुड़ी भूमिकाओं के लिए महिलाओं को काम पर रखा।

दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी में महिलाएं कम

जबकि देश भर में महिलाओं की भागीदारी 20 प्रतिशत पर स्थिर रही। खुदरा, स्वास्थ्य और औषधि, निर्माण और रियल एस्टेट, यात्रा तथा होटल जैसे उद्योग औसतन 30 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी के साथ अग्रणी हैं। वहीं दूरसंचार, बीएफएसआई (बैंक, वित्तीय सेवाएं और बीमा) और सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी संबंधित क्षेत्रों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से कम प्रतिनिधित्व है।

महिलाएं वित्तीय स्वतंत्रता के लिए तलाश रही नौकरियां

रिपोर्ट में कहा गया, ''हालांकि, अधिक महिलाएं मुख्य रूप से वित्तीय स्वतंत्रता के लिए 'ब्लू-कॉलर' नौकरियों की तलाश कर रही हैं, लेकिन कार्यस्थल की वास्तविकताएं कठोर बनी हुई हैं।'' सर्वेक्षण में शामिल आधी से अधिक महिलाओं ने काम के लचीले घंटे की कमी को एक बाधा बताया।

कंपनियां और महिला कर्मियों को नियुक्त कर रही

इनडीड इंडिया के बिक्री प्रमुख शशि कुमार ने कहा, ''हालांकि, कंपनियां अधिक महिलाओं को नियुक्त करने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन सच्ची प्रगति उन्हें जोड़े रखने की रणनीति, करियर विकास के अवसरों और नीतियों पर निर्भर करती है। इसमें वित्तीय सुरक्षा, काम के घंटे में लचीलापन और स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं।

- कार्यस्थल से जुड़ी कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है
- 14 उद्योगों के चार हजार से अधिक कर्मचारियों पर किया गया सर्वे
- महिलाएं कल कारखाने, खुदरा और निर्माण जैसे क्षेत्रों से जुड़ी है

हुनरमंद और प्रतिभा की कमी

हालांकि, नियोक्ताओं का मानना है कि हुनरमंद और उपयुक्त प्रतिभा की कमी और नौकरी छोड़ने की ऊंची दर प्रमुख बाधाएं हैं। स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती लागत भी एक चुनौती है। जबकि महिलाएं बीमा और वेतन सहित चिकित्सा अवकाश को कार्यस्थल की महत्वपूर्ण अपेक्षाओं के रूप में देखती हैं।

करियर में उन्नति के कम अवसर

इसके अलावा, इन महिलाओं को करियर में उन्नति और पदोन्नति के कम अवसरों का भी सामना करना पड़ता है। सर्वेक्षण में शामिल हर दूसरी महिला ने कौशल बढ़ाने में रुचि दिखाई, लेकिन सही प्रशिक्षण तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है। इन चुनौतियों के बावजूद, 78 प्रतिशत नियोक्ता 2025 में अधिक महिलाओं को नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में पांच प्रतिशत की वृद्धि है।

एनटीपीसी ने मप्र में सौर परियोजना चालू की...

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने शाजापुर सौर परियोजना की 50 मेगावाट की इकाई चालू होने की घोषणा की है। इसके साथ समूह की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 77,461.50 मेगावाट हो गयी है। एनटीपीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''मध्य प्रदेश में शाजापुर सोलर पार्क में स्थित एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. की कुल 105 मेगावाट क्षमता की शाजापुर सौर परियोजना (यूनिट-1) में दूसरी और अंतिम 50 मेगावाट की इकाई चालू हो गयी है।पहले चरण के तहत 55 मेगावाट की इकाई पहले ही 29 नवंबर, 2024 को वाणिज्यिक रूप से परिचालन में आ चुकी है। इसके साथ ही, एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता अब 77,461.50 मेगावाट हो गई है। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी, एनटीपीसी लि. की अनुषंगी की अनुषंगी इकाई है।

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री दो फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। उद्योग संगठन सियाम ने गुरुवार को कहा कि कारखानों से कंपनी डीलरों को घरेलू यात्री वाहन निर्यात फरवरी में सालाना आधार पर 1.9 प्रतिशत बढ़कर 3,77,689 इकाई हो गया। पिछले साल फरवरी में कुल यात्री वाहन थोक बिक्री 3,70,786 इकाई रही थी। फरवरी में 3.78 लाख इकाइयों की अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। यह पिछले साल फरवरी की तुलना में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि है।''

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	165571 प्रथम आमंत्रण 05.03.2025	जिला मोहला - मानपुर - अंबागढ़ चौकी के जामड़ी से रायमन्होरा महाराष्ट्र बार्डर तक मार्ग लंबाई 7.00 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	786.80
2	165547 प्रथम आमंत्रण 05.03.2025	लोरमी के भाठा मेनरोड से मीडिल स्कूल तक मार्ग लंबाई 1.375 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	212.54
3	165581 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	जिला रायपुर के अभनपुर एस.डी.एम. ऑफिस से एन.एच. –30 बायपास तक मार्ग लंबाई 1.25 कि.मी. निर्माण कार्य । संभाग क्र -3 नवा रायपुर ।	330.94
4	165582 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	जिला सूरजपुर के शासकीय पॉलीटेक्निक के लिए सहअकादमिक (GF+FF+SF) भवन का निर्माण कार्य। शेष कार्य ।	482.21
5	165583 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	विकासखण्ड लोरमी के आवासपारा झिरवन तक पहुंच मार्ग लंबाई 2.45 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	296.92
6	165602 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	1) जिला जशपुर के मयाली रिसोर्ट से देवबोरा बस्ती पहुंच मार्ग लं. 1.26 कि.मी. का निर्माण कार्य । 2) जिला जशपुर के एन. एच. 43 खण्डसा जंगल से बेलजोरा डेम करंजटोली खण्डसा पहुंच मार्ग लं. 2.66 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	380.03
7	165615 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	झाल से नगपुरा पहुंच मार्ग लंबाई 17.61 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	2991.92
8	165616 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	(1) जिला सरगुजा के बबौली से बिल्मा मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. का निर्माण कार्य । (2) जिला सरगुजा के बटवाही पी.ए.सी. से एन. एच. - 43 सोसायटी के पास रघुनाथपुर मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। (3) जिला सरगुजा के धौरपुर डुमरडीह मुख्य मार्ग से सरईडीह पहुंच मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 1.80 कि.मी.) का निर्माण कार्य ।	669.47
9	165624 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	(1) जिला सरगुजा के लधुरूपारा से सरस्वतीपुर पहुंच मार्ग लं. 0.90 कि.मी. का निर्माण कार्य (2) जिला सरगुजा के विकासखण्ड बतौली से शांतीपारा से भटको तक मार्ग लं. 2.95 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	563.16
10	165631 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	जिला धमतरी के कुरूद - चर्रा - कातलबोड़ - नवागांव मार्ग के कि. मी. 3/6 से 9/8 तक कुल लंबाई 8.80 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	1653.65
11	165635 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	जिला धमतरी के कोसमर्रा, देवरी, लोहारपथरा, चरोटा मार्ग लंबाई 8.80 कि.मी. का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का कार्य।	2215.89
12	165626 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	जिला कबीरधाम के विकासखण्ड कवर्धा के ग्राम घोटिया से झलका तालाब तक मार्ग लंबाई 1.35 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण का कार्य ।	234.97
13	165627 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	जिला दुर्ग के ग्राम बघेरा से ब्रम्हकुमारी आनंद सरोवर होते हुए बायपास तक पहुंच मार्ग लंबाई 0.80 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	227.24
14	165628 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	चमारी से भरूवागुडा मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	250.44
15	165629 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	जिला बेमेतरा के कन्हारपुरी से जाताधर्रा मार्ग लंबाई 3.10 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण का कार्य ।	466.39
16	165630 प्रथम आमंत्रण 06.03.2025	राजपुर (उरांवपारा) से कोडासिया पहुंच मार्ग लंबाई 2.40 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	227.44
17	165625 द्वितीय आमंत्रण 06.03.2025	जिला दन्तेवाड़ा के पालनार - फूलपाड़ - जूनापारा मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य । शेष कार्य ।	226.05
18	165632 द्वितीय आमंत्रण 06.03.2025	जिला मुंगेली के चिनु- बलौदी मार्ग में टेसुआ नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	199.41

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 17 से सं.क्र. 18 दिनांक 24.03.2025 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 28.03.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है ।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G-242505942/4

विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना में 73 आवेदन मिले

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- विशेष इस्पात उत्पादन क्षमता में लगभग 1.65 करोड़ टन की वृद्धि होगी

केंद्रीय इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने कहा कि सरकार को विशेष इस्पात के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के दूसरे दौर के तहत 73 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

पौंड्रिक ने राष्ट्रीय राजधानी में 'भारतीय इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को गति'' कार्यक्रम के दौरान अलग से बातचीत में कहा कि भारत में विशेष इस्पात के उत्पादन को बढ़ाने के सरकार के प्रयासों के तहत पीएलआई योजनाएं शुरू की गई हैं, ताकि देश को उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

पौंड्रिक ने कहा, ''हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि देश में घटिया इस्पात का आयात न हो। इसलिए हम गुणवत्ता नियंत्रण आदेश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि घरेलू और आयातित दोनों प्रकार के इस्पात पर्याप्त गुणवत्ता के हों...। सचिव ने कहा, ''हमने हाल ही में पीएलआई का दूसरा दौर किया और हमें इसमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हमें 73 आवेदन मिले हैं और इससे देश में विशेष इस्पात उत्पादन क्षमता में लगभग 1.65 करोड़ टन की वृद्धि होगी।'''' पौंड्रिक ने अमेरिका के शुल्क लगाने के प्रभाव के बारे में कहा कि अमेरिकी कदम से घरेलू इस्पात उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि भारत का अमेरिका को निर्यात बड़ी मात्रा में नहीं है। अधिकारी ने कहा, ''हम अमेरिका को ज्यादा निर्यात नहीं करते हैं।

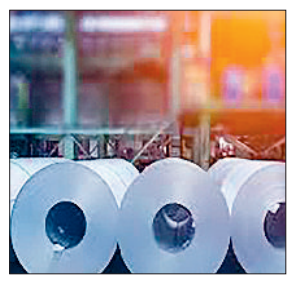

अमेरिका को 1लाख टन से कम निर्यात

अमेरिका को हमारा कुल स्टील निर्यात 1,00,000 टन से कम है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसका भारतीय इस्पात पर ज्यादा असर होगा।''''

जेनएआई से वित्तीय सेवाओं की उत्पादकता बढ़ जाएगी

नई दिल्ली। सृजनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनएआई) वर्ष 2030 तक भारतीय वित्तीय सेवाओं के उत्पादकता स्तर को 34 से 38 प्रतिशत और खासकर बैंकिंग परिचालन के लिए 46 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए तैयार है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। जेनएआई भारत के वित्तीय सेवा परिदृश्य को नया रूप दे रहा है। जिससे ग्राहक जुड़ाव, परिचालन दक्षता और जोखिम मूल्यांकन में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। यह सर्वेक्षण रिपोर्ट देशभर के 125 से अधिक कॉरपोरेट अधिकारियों से बात के आधार पर तैयार की गई है। वे वित्तीय सेवाओं, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, जीवन विज्ञान, मीडिया और मनोरंजन, प्रौद्योगिकी, वाहन, औद्योगिक और ऊर्जा सहित विविध क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

स्वेलेक्ट एनर्जी को 150 मेगावाट के सौर मॉड्यूल का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता स्वेलेक्ट एनर्जी सिस्टम्स को 150 मेगावाट से अधिक सौर मॉड्यूल का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि उसने अपने विस्तार के लिए गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 290 करोड़ रुपये भी जुटाए हैं। स्वेलेक्ट एनर्जी ने बयान में कहा कि उसने अपने उच्च दक्षता वाले टॉपकॉन द्वि-मुखीय सौर पीवी मॉड्यूल के लिए 150 मेगावाट से अधिक के ऑर्डर प्राप्त किए हैं। ये ऑर्डर स्वेलेक्ट के प्रौद्योगिकी नेतृत्व और सौर ऊर्जा बाजार में इसके भरोसे को रेखांकित करते हैं। इसमें कहा गया है कि स्वेलेक्ट ग्रुप ने निजी नियोजन के आधार पर जारी गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिए इंडिया इंफ्राडेट लिमिटेड से 290 करोड़ रुपये जुटाए हैं। सौर ऊर्जा उत्पादन परिसंपत्तियों के एक हिस्से के विरुद्ध सुरक्षित इस रणनीतिक कदम से 260 करोड़ रुपये की नकदी संपार्श्विक राशि प्राप्त हुई है।

स्वेलेक्ट एनर्जी सिस्टम्स के प्रबंध निदेशक आर चेल्लप्पन ने कहा, उद्योग से 150 मेगावाट से अधिक टॉपकॉन मॉड्यूल ऑर्डर प्राप्त करना गुणवत्ता और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का समर्थन है। हमारी 100 प्रतिशत परीक्षण सफलता उच्चतम गुणवत्ता वाले सौर समाधान प्रदान करने के हमारे संकल्प को और मजबूत करती है।

एमटीएनएल का शेयर 18 फीसदी से अधिक चढ़ा

नई दिल्ली। एमटीएनएल के शेयर में बृहस्पतिवार को 18 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। सरकार ने संसद में कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी ने भूमि और भवनों के मौद्रीकरण से जनवरी, 2025 तक 2,134.61 करोड़ रुपये कमाए हैं। 18.36 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 51.30 रुपये और 51.18 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। प्रमुख शेयर बाजार सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे हैं। बीएसई का 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 139.40 अंक बढ़कर 74,169.16 पर कारोबार कर रहा था। एनएसई निफ्टी 29.75 अंक बढ़कर 22,500.25 पर था।सरकार ने बताया कि सरकारी दूरसंचार कंपनियों- बीएसएनएल और एमटीएनएल ने 2019 से भूमि, भवन, टावर और फाइबर के मौद्रीकरण से कुल 12,984.86 करोड़ रुपये कमाए हैं।

हरिभूमि CLASSIFIED

epaper : www.haribhoomi.com
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- फैक्टरी, होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई (5.7) वेतन 12000/- से 15000/- **संपर्क:-** ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल :- 7746000016, 8720005500.(RO-3160)

पैकिंग कार्य/ ड्राइवर

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की एवं ड्राइवर की जरूरत है। **संपर्क करें-** एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर। मो . 7469980000, 0771-4075490 (आरो-7053)

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी हैवी ड्राईवर चाहिए इंसुलेटेड गाड़ी चलाने के लिए वेतन- 15000 से 20000 **संपर्क** एम एम हेचरीस माना बस्ती 6265222373, 9669410004, 9754861172.(RO-163)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- कार्य करने योग्य व्यक्ति ही संपर्क करें कंप्यूटर ऑपरेटर , सेल्समैन , सेल्स गर्ल्स, टेलर वेतन योग्यतानुसार **संपर्क** जनता फर्निशिंग होलसेल क्लॉथ मार्केट पुलगांव चौक दुर्ग फोन : 7999620990 (आरो-1516)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता

Wanted- Job vacancy In Refratory unit maroda Bhilai Work . quality control of refractory bricks shift duty Education required 12th, ITI , diploma graduate any . Should be willing to handle onsite industrial job. 10 post - 91793-65161. (आरो नं.-698)

अन्य

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो **संपर्क करें:-** 7439736348.(RO-704)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट **संपर्क:-** APS इंटरप्राईजेस, रायपुर - 9111760925, 7477221345, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871. (RO-3194)

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
CLASSIFIED RATE CARD
01 जनवरी 2022 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property	Display
Raipur City	400	500	460	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	350	450	450	150/- Sq cm
Bilaspur City	335	385	410	140/- Sq cm
Raipur All Edition	530	650	640	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	440	490	530	195/- Sq cm
All CG	800	920	910	310/- Sq cm
All CG + MP	1080	1350	1220	330/- Sq cm
All Edition	1350	1700	1600	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Buisness & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. TOWER & FINANCE AD (No Scheme)

ADVT. Booking time 10.30 am to 3.00 pm.
5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
400 /- 1 Sunday	500 /- 1 Sunday
700 /- 2 Sunday	900 /- 2 Sunday
900/- 3 Sunday	1200/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	45000	72000	92000
Bilai + Durg Edition	40000	65000	85000
Bilaspur City	30000	50000	70000
Raipur All Edition	57000	90000	115000
Bilaspur All Edition	45000	75000	90000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Ph.: 07752-271016, Mob.: 09329711074 E-mail- hbclassified375@gmail.com

Services सर्विसेस

सर्विस – आंचल अमृततुल्य स्वंय का दुकान डाले, बिजनेस करे बिना रिस्क के, कम पूंजी लगाकर या सैलरी में एग्रीमेंट के साथ संपर्क करें ,8234095610 समवेत शिखर कॉम्पलेक्स, दूसरा मंजिल, रायपुर (छ.ग.) (RO-3316)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

जैकेट के शेष

विष्णु कैबिनेट में...

पुरंदर मिश्रा और दुर्ग से विधायक गजेंद्र यादव को शामिल किए जाने पर पार्टी ने मुहर लगाई है। बताया जाता है कि वरिष्ठ विधायक अमर अग्रवाल अपने दोनों कार्यकाल के दौरान मंत्री रहे। पिछली बार वे चुनाव हार गए थे। वहीं गजेंद्र यादव को आरएसएस कोटे से मंत्री बनाया जा रहा है।

अजय, कौशिक और मूणत ...

चर्चा थी। इन नेताओं ने मंत्री बनने के लिए कई बार दिल्ली जाकर भाजपा के केंद्रीय नेताओं से मिलकर अपनी बात भी रखी थी।

छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना ...

पाया। राज्य में मुख्य सूचना आयुक्त का पद लंबे समय से खाली थी। इस पद पर नियुक्ति की मांग भी काफी समय से हो रही थी। राज्य शासन ने पिछले दिनों इस पद पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस पद के अलावा सूचना आयुक्त के एक खाली पद पर भी नियुक्ति की जानी है।

जैन सबसे बड़े दावेदार थे : छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त पद के लिए राज्य के मौजूदा मुख्य सचिव (सीएस) अमिताभ जैन प्रबल दावेदार के रूप में सामने आए थे। खास बात ये है कि इस पद के लिए जब वे इंटरव्यू देने पंहुचे तो उनके सामने इंटरव्यू लेने के लिए उनके ही अधीनस्थ अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) ही सामने थे। इस नियुक्ति के लिए मिले आवेदनों के संबंध में मापदंड तय कर परीक्षण करने और अनुशंसा करने लिए बनाई गई कमेटी में ही सीएस के अधीन काम करने वाले तीन अधिकारियों की टीम काम कर रही थी।

एसीएस की अध्यक्षता में हुई बैठक : छत्तीसगढ़ में राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी की एक बैठक पिछले दिनों हुई। राज्य मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए मिले आवेदनों के संबंध में मापदंड तय कर परीक्षण कर अनुशंसा दिए जाने के लिए एक सर्च कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में एसीएस मनोज कुमार पिंगुआ अध्यक्ष, निहारिका बारिक, सोनमणि बोरा एवं अविनाश चंपावत शामिल हैं।

दो पदों पर होनी है नियुक्ति : राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्त के खाली दो पदों पर नियुक्तियां होनी हैं। सर्च कमेटी ने सभी आवेदनों की प्रारंभिक स्क्रूटनी की है। आवेदनों की संख्या अधिक होने के कारण समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि आवेदक के आवेदन पत्र और दस्तावेजों में लिखे अनुसार जो विधि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाज सेवा, प्रबंध, पत्रकारिता या जनसंपर्क, प्रशासन और शासन में 30 वर्षों या उससे अधिक का अनुभव रखते हैं, साथ ही आयु 65 साल से कम है, केवल उन्हीं आवेदकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

पेज एक के शेष

ओड़गी ब्लॉक के सात...

निर्धारित तिथि के 3 से 7 दिन पूर्व होली मनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा कब शुरू हुई इस संबंध में ग्रामीण सही तिथि नहीं बता पाते। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्वजों के समय से ही इस तरह की पंरपरा चल रही है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के तत्कालीन शासक राजा बालम ने विपत्तियों से सुरक्षा के लिए यह पंरपरा शुरू की थी जिसका निर्वहन वर्तमान पीढ़ी कर रही है। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि गढ़वति पहाड़ी पर साल फाल्गुन पंचमी की रात स्वमेव आग धधकने लगती है और पहाड़ी के पेड़-पौधे धू-धूकर जलने लगते। गांव के बैगा ने पंचमी के दिन होलिका जलाने की शुरूआत कराई तो अपने आप आग लगने की घटना रूकी। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में एक बार गांव में हैजा फैल गया था जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौत हुई। बैगा ने पूजा कर हर साल पंचमी के दिन होलिका जलाने की मनौती मांगी तो हैजा का प्रकोप शांत हुआ और निर्धारित तिथि के पूर्व होली मनाने की परंपरा शुरू हो गई। सच्चाई जो भी हो इन गांवों में आज भी निर्धारित तिथि के पूर्व होली मनाई जाती है कुछ गांवों में फाल्गुन सप्तमी के दिन होली मनाई जाती है जबकि कुछ गांवों में हर साल बैगा होलिका जलाने की तिथि निर्धारित करता है।

इन गांवों में...

जलाने की तिथि घोषित करता है तथा स्वयं पूजा-अर्चना उपरांत होलिका जलाता है। होलिका की आग ठण्डी होने पर बैगा सभी ग्रामीणों को राख का तिलक लगाता है तथा संपूर्ण राख को हवा में उड़ाकर होली की शुरूआत करता है। बैगा द्वारा होलिका की राख उड़ाने के बाद ग्रामीण रंग-गुलाल से होली खेलते हैं। खास बात है कि इन गांवों के लोग लगातार एक सप्ताह तक होली के रंगों से सराबोर होते है। ग्रामीण होली खेलने आसपास के गांवों एवं अपने रिश्तेदारों के घर भी जाते है। इस दौरान ग्रामीण टोलियों में घर-घर पहुंचकर फाग गाते हैं।

छत्तीसगढ़ के आठ...

गांववालों को चुकानी पड़ती है।

कोरबा के दो गांवों में 200 सालों से नहीं मनी होली : कोरबा जिले में खरहरी और धमनागुड़ी नाम के दो गांव ऐसे हैं, जहां पिछले 200 सालों से होली का त्योहार नहीं मनाया जाता है। इन गांवों में होली के दिन सन्नाटा पसरा रहता है और लोग अपने घरों में दुबके रहते हैं। होली के दिन गांव के देवता की पूजा की जाती है और सिर्फ एक-दूसरे के घर जाकर मिठाई और पकवान बांटने की परंपरा है। जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर करतला ब्लॉक के इन दोनों गांवों ग्रामीणों का मानना है कि अगर किसी बाहरी शख्स ने उन्हें होली के दिन रंग या गुलाल लगा दिया, तो उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उनका कहना है कि होली जलाने और रंग गुलाल खेलने से गांव पर दैविय प्रकोप आ सकता है। होली के दिन इस गांव के लोग कहीं बाहर नही निकलते हैं, ताकि बाहर जाने पर अनजान लोग रंग न लगा दें। गांव की सीमा है, वहां तक रंग-गुलाल खेलने पर सख्त मनाही है। लोगों के अनुसार, 200 साल पहले जब उनके पूर्वज होलिका दहन कर रहे थे, तो उसी दौरान उनके घर में अचानक आग लग गई। इस घटना को लोगों ने दैविय प्रकोप माना। इसके बाद होली न मनाने का फैसला किया। वैसे खरहरी और धमनागुड़ी दोनों ही गांव की आबादी लगभग तीन हजार है। ऐसा नहीं है कि इस गांव में लोग पढ़े-लिखे नहीं हैं। गांव की बड़ी आबादी हाई स्कूल पास है। नौजवान लड़के-लड़कियां कॉलेज भी पढ़ने जाते हैं, लेकिन वे घर के बड़े-बुजुर्गों के निर्देशों का उल्लंघन नहीं करते हैं। यहां सालों से यही परंपरा चली आ रही है।

गरियाबंद के खजूरपदर गांव में दैवीय प्रकोप : इसी तरह गरियाबंद जिले के मैनपुर ब्लॉक का एक गॉव खजूरपदर जहाँ 100 सालों से आज तक होली नहीं। ना ही यहां कभी होलिका दहन होती है। लोगों का कहना है कि गॉव में जब भी होली खेली जाती है तो गॉव की माता ठाकुराणी देवी का प्रकोप बढ़ जाता है। गॉव में कुछ साल पहले कुछ बाहरी लोग आकर होली खेलकर निकल गए थे। इस दौरान गॉव में चेचक का प्रकोप बढ़ गया था। वही देवी के बढ़ते प्रकोप के बीच गॉव के पुजारी ने देवी स्थल पर जाकर देवी की पूजा अर्चना कर उनसे माफी मांगी थी। जिसके बाद प्रकोप भी कम हुआ था। वही देवी प्रकोप की इस घटना के बाद गॉव वालों ने मिलकर निर्णय लिया था कि गॉव में होली खेलने आने वालों को भी मना कर दिया जाएगा।

देश के दूसरे राज्यों में भी नहीं मनाई जाती होली : इसके साथ ही देश के कुछ ऐसे गांव भी हैं जहां 100-200 साल से होली नहीं मनाई गई है। इसमें उत्तराखंड के क्वीली, कुरझण और जौंदली गांव में 150 सालों से होली नहीं मनाई गई है। ये गांव रूद्रप्याग के अगस्तयमुनि ब्लॉक में है। ऐसा कहा जाता है कि इस गांव की इष्टदेवी मां त्रिपुर सुंदरी देवी हैं, जिन्हें हुड़दंग नहीं पसंद। इसके अलावा ये भी वजह बताई जाती है कि इस गांव में जब 150 साल पहले लोगों ने होली खेलने की कोशिश की, तो तीनों गांव हैजा की चपेट में आ गए थे। इस घटना के बाद से किसी ने भी यहां होली खेलने की हिम्मत नहीं जुटाई।

बोकारो में हो गई थी राजा के बेटे की मौत : झारखंड के बोकारो के कसमार ब्लॉक स्थित दुर्गापुर गांव में 100 साल से होली का त्योहार नहीं मनाया गया है। कहा जाता है कि एक दशक पहले एक राजा के बेटे की होली के दिन मौत हो गई थी। इसके बाद जब भी गांव में होली का आयोजन होता था, गांव में महामारी फैल जाती थी और कई लोगों की मौत हो जाती थी। उसके बाद राजा ने आदेश दिया था कि आज से यहां कोई भी होली नहीं मनाएगा।

बैतूल जिले में 125 सालों से नहीं खेली गई होली : मध्य प्रदेश के बैतूल जिले की मुलताई तहसील के डहुआ गांव में 125 साल से ज्यादा होली का त्योहार नहीं मनाया गया है। यहां के रहने वाले लोगों का कहना है कि लगभग 125 साल पहले होली के दिन इस गांव के प्रधान बावड़ी में डूब गए थे, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। प्रधान की मौत से गांव के लोग बहुत दुखी हुए और इस घटना के बाद लोगों के मन में डर बस गया। इसके बाद से यहां के लोगों ने होली ना खेलना धार्मिक मान्यता बना ली है।

हरियाणा के गांव में शाप की वजह से नहीं मनाते होली : हरियाणा के कैथल के गुहल्ला चीका स्थित गांव में 150 साल से होली नहीं खेली गई है।

रायगढ़ जिले के कई...

संभाला है, जब से वे देख रहे हैं कि होली नहीं खेली जाती है। उनके पूर्वज होली नहीं मनाते थे। बुजुर्ग का कहना है उनके पूर्वज बताते हैं कि 100 साल पहले गांव में एक शेर आया था और जमींदार को उठाकर ले गया था। इसके बाद गांव के एक बैगा को एक सपना आया कि गांव में मंजुरपलिहिन देवी का मंदिर बनाना होगा और उसकी पूजा करने से सबकी रक्षा होगी। साथ ही ये भी कि अब से कभी भी होली न मनाई जाए। जब बैगा ने गांव वालों को ये बात बताई तो लोगों ने मिलकर ये निर्णय लिया कि अब से कभी भी होली नहीं मनाई जाएगी।

टीएस को मिली पीसीसी...

जिम्मेदारी मिली है जो कभी उन्होंने संभाली थी। वे बड़े भाई हैं, उनके सपने पूरे हों, मेरी कामना है। दिल्ली में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के हार की समीक्षा के दौरान ही पार्टी हाईकमान को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने के संबंध में टीएस सिंहदेव ने इच्छा व्यक्त की थी। तब से प्रदेश में उनका नाम अध्यक्ष पद के लिए तय होने के कयास लगाए जा रहे थे। एआईसीसी ने पिछले दिनों दीपक बैज को दिल्ली बुलाया था, इस दौरान राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों की समीक्षा करने के बाद यह निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने का आदेश पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जारी कर दिया है। इससे पहले भी कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों को चुनाव में प्रदर्शन के बाद कांग्रेस हाईकमान ने बदल दिया था। उसी क्रम में छत्तीसगढ़ में भी बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही थी।

टीएस को...

चुनाव में हार के बावजूद पार्टी को भाजपा सरकार के खिलाफ सड़क की लड़ाई लड़कर कार्यकर्ताओं को एकजूट करने का प्रयास किया।

राशिफल

मेष – रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह – कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या – परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक – भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु – कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ – तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

एसपी खुद उतरे सड़क पर, किया फ्लैग मार्च

संभल। 14 मार्च को होली और जुमे की नमाज एक ही दिन पड़ने के चलते यूपी के संभल जिले में पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर है। गुरुवार को संभल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार बिश्नोई और सर्किल ऑफिसर (सीओ) अनुज चौधरी खुद सड़कों पर उतरे।

पुलिस अधिकारियों ने रैपिड एक्शन फोर्स, प्रोविंशियल आर्म्ड कांस्टेबुलरी (पीएसी) और रिजर्व रेस्पॉन्स फोर्स की पांच कंपनियों के साथ फ्लैग मार्च और पैदल मार्च किया। एसपी केके बिश्नोई और सीओ अनुज चौधरी के नेतृत्व में पुलिस ने संभल की शाही जामा मस्जिद के सामने से शुरू होकर मुख्य बाजार और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल मार्च किया।

16 मार्च को भारत आएंगे कनाडा, यूएस, ब्रिटेन के इंटेलिजेंस चीफ

नई दिल्ली। अमेरिका की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गैबार्ड, कनाडा के जासूसी विभाग के बॉस डेनियल रोजर्स, ब्रिटेन के खुफिया विभाग के टॉपमॉस्ट अधिकारी रिचर्ज मूर. दुनिया की तेज तर्रार खुफिया एजेंसियों के ये कुछ ऐसे नाम हैं जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के बुलावे पर 16 मार्च को दिल्ली आ रहे हैं। इस दौरान खुफिया सूचनाओं को साझा करने, आतंकवाद के विरुद्ध इंटेलिजेंस का इस्तेमाल और दो देशों की सीमाओं में होने वाले अपराध पर कंट्रोल के लिए चर्चा की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार धमतरी के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202502130100003

विषयः- अ-59 | मामले की श्रेणी :- राजस्व | सनः- 2024-2025

गोकुलपुर प.ह.न. 00035 [(हे.)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश धमतरी,
अनावेदक पक्षकार - छ.ग. शासन

ईश्तहार

सर्वसाधारण आम जनता ग्राम ग्राम गोकुलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश धमतरी (छ.ग.) के पत्र क्रमांक 74/भू.आ./नग्रानि/2025 धमतरी, दिनांक 03/02/2025 के द्वारा ग्राम गोकुलपुर, तहसील-धमतरी, जिला-धमतरी स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 69/7, 70/33 का भाग रकबा 14652.00 वर्गफुट भूमि को कार्यालय भवन निर्माण हेतु आबंटन किये जाने हेतु कलेक्टर महोदया से मांग किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म या निकाय आदि को कोई उजर दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे इस न्यायालय में नियत सुनवाई तिथि 28/03/2025 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं बाद मे प्रस्तुत दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/02/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — SURAJ BANCHHOR, तहसीलदार, धमतरी (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नॉर्थ ब्लाक, सेक्टर-19 नवा रायपुर, अटल नगर
दूरभाष (का.) 0771-2439564 2331204 फैक्सः 0771-2331525, वेबसाईटः www.psc.cg.gov.in

संक्षिप्त निविदा विज्ञापन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छ.ग. लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर के अंतर्गत शासकीय अनुपयोगी वाहनों के लिये केम्पस में जहाँ है, जैसी है, की स्थिति में विक्रय के लिये मुहरबंद निविदा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित किया जाता है :-

क्र.	वाहन क्रमांक	मेक	मॉडल / वर्ष	अमानत राशि
1	CG-02 J 0004	Swift Dezier/ Diesel	28.04.2016	5000
2	CG-02 J 7777	Tata Zest/Petrol	18.04.2016	5000
3	CG-02 D-9000	Toyota Etios/Petrol	25.09.2014	5000

इच्छुक व्यक्ति द्वारा निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण हेतु निविदा फार्म रूपये 500/- नगद भुगतान कर प्रकाशन की तिथि से 27.03.2025 तक प्राप्त किया जा सकता है।

अवर सचिव
छ.ग. लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर
G-242505957/2

कार्यालय नगर पालिक निगम रायगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)
E-mail: Commissioner-rgh.cg@cg.gov.in, corporationraigarh@gmail.com Phone No:- 07762-222911

क्रमांक 3373/नि.वि./न.पा.नि./2025 — रायगढ़, दिनांक 05/03/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ [illegible] 2025 2026 [illegible] www.nagarnigamraigarh.com [illegible] निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र शुल्क 750/- रू. तथा अमानत राशि 9,500/- रू. के साथ से दिनांक 28/03/2025 अपरान्ह 04:00 बजे तक स्पीडपोस्ट / पंजीकृत डाक से मुहर बंद निविदाएं द्वि-लिफाफा पद्धति से आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं उसी दिन अपरान्ह को सायं 04:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।
नोटः- *सामग्री सूची व नियम एवं शर्तें संलग्न कर वेबसाईट www.nagarnigamraigarh.com/ uad.cg.gov.in पर अपलोड है।
* कार्य का अन्य विवरण एवं नियम शर्तें कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भू-स्वामी भूपेश कुमार, स्वाति चन्द्राकर, प्रमिला बाई चन्द्राकर, तुकाराम चन्द्राकर, तेजकुवर चन्द्राकर ,अनुज कुमार चन्द्राकर, संजय कुमार चन्द्राकर, हेमलता चन्द्राकर, ललिता के संयुक्त नाम, स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि जो कि वाके मौजा ग्राम-जामगांव, प.ह.नं. 00014 रा.नि.मं. जामगांव (एम), तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 1192 रकबा 0.2100 हेक्ट. अर्थात 0.518 एकड़ भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है तथा बयाना राशि भी प्रदान कर दिया है अब उक्त भूमि की मात्र रजिस्ट्री की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, साहूकार, शासकीय अर्धशासकीय विभाग, वित्तीय निकाय, आम जनता इत्यादि को उक्त संव्यवहार के संबंध में कोई आपत्ति या दावा हो तो मेरी इस सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के मेरे समक्ष नीचे लिखे पते पर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें अन्यथा समय अवसान पश्चात की गई आपत्ति शून्य व औचित्यहीन होगी, तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा। सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग. — दिनांक 13.03.2025
ए.के.सेन अधिवक्ता,
ईशा किचन के सामने, ब्राहम्ण पारा, आजाद चौक, रायपुर छ.ग.
मो नं. - 9826153106

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कोटा
जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

ई - प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र.165881 निविदा सूचना क्र. 29/ व.ले.लि./ ई-प्रोक्युरमेंट/ 2024-25, दि. 12-03-2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 01.04.2025 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : बिलासपुर जिले के लोवर मनियारी व्यपवर्तन योजना के ऊंचाई में वृद्धि एवं नहर लाईनिंग कार्य ।

अनुमानित लागत : रूपये 356.66 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 19.03.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट :- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित /पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कोटा
जिला - बिलासपुर (छ.ग.)
G-242505960/5

कार्यालय नगरपालिक निगम, जगदलपुर जिला - बस्तर (छ.ग.)

-: मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना :-

क्रमांक 5377 /का.पा.अ./ न.पा.नि. / 2025 — जगदलपुर, दिनांक 10.03.2025

नगरपालिक निगम, जगदलपुर की जलप्रदाय शाखा अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग छ.ग. की दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशाली एवं अद्यतन संशोधित दर सूची से कम अथवा अधिक की दर पर इच्छुक संस्थानों से फार्म "अ" में स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारादिनांक 03.04.2025 को अपरान्हः 05.00 बजे तक मुहरबंद मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मुल्य	कार्य की अवधि
1	जगदलपुर शहर अंतर्गत 24 आंगनबाड़ी केन्द्रो में पेयजल व्यवस्था हेतु पाईप लाईन विस्तार कार्य	Rs. 04.08 Lacs	Rs. 12500.00	Rs. 750.00	अनुबंध संपादन उपरांत प्रदत्त कार्यादेश अनुसार

प्राप्त निविदायें दिनॉक 04.04.2025. को पूर्वान्ह 11.30 बजे उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र कार्यालय से जारी किया जावेगा। इस हेतु कोरे निविदा प्रपत्र दिनांक 21.03.2025 को सांय 05.30 बजे तक आवेदन पत्र के साथ निविदा प्रपत्र हेतु निर्धारित शुल्क सहित प्रस्तुत करने पर दिनांक 24.03.2025 को कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र (फार्म "सी") विस्तृत नियम तथा शर्तें एवं सामग्रियों का विस्तृत विवरण नगरपालिक निगम, जगदलपुर की विभागीय वेबसाईट www.nagarnigamjagdalpur.inएवं http://uad.cg.gov.in तथा Potal (http://eproc.cgstate.gov.in/ offline Tender) पर अवलोकन किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
नगरपालिक निगम, जगदलपुर

कार्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य आयुष सोसायटी, राष्ट्रीय आयुष मिशन
संचालनालय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) इन्द्रावती भवन, तृतीय तल, ब्लॉक-1, अटल नगर नवा रायपुर छत्तीसगढ़
दूरभाष क्रमांक 0771-14052949 ई-मेल cgnamoffice@gmail.com

क्रमांक/07/02/रा.आ.मि./2024-25/1419रायपुर, दिनांक 10/03/2025

सूचना

कार्यालय राज्य आयुष सोसायटी राष्ट्रीय आयुष मिशन संचालनालय आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) छत्तीसगढ़ द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत जारी विज्ञप्ति क्र / 07/02/रा.आ.मि. / 2024-25/468 दिनांक 17. 01.2025 में पदनाम आयुष चिकित्सक (पोस्ट ग्रेजुएट स्वस्थवृत / कायचिकित्सा) के स्थान पर आयुष चिकित्सक (पोस्ट ग्रेजुएट - स्वस्थवृत) पढ़ा जावे ।

सदस्य सचिव
कार्यकारी समिति राज्य आयुष सोसायटी
एवं संचालक आयुष (छत्तीसगढ़)
S-43236/2

कार्यालय वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
दूरभाष नंः 07727-223339, फैक्स नंः 07727-223640, कंट्रोल रूम नंः 94791-90629, E-mail: sp-balodabazar.cg@gov.in

/ / नीलामी विज्ञप्ति / /

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विभिन्न थाना / चौकी द्वारा आबकारी एक्ट मामले में जप्त बाद राजसात किये गये दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों की खुली बोली प्रक्रिया के तहत दो पहिया वाहन 129 एवं चार पहिया वाहन 02 कुल 131 वाहनो की नीलामी किया जाना है। नीलामी पुलिस लाईन बलौदाबाजार के परेड ग्राऊण्ड में दिनांक 20.03.2025 दिन गुरूवार सुबह 11.00 बजे से शाम 04.00 बजे तक नियत की जाती है। इच्छुक क्रेता वाहन के लिये नियम एवं शर्ते अनुसार दो पहिया वाहन हेतु 2000/ रूपये एवं चार पहिया वाहन के लिये 5000/ रूपयें का बैंक ड्राफ्ट वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला बलौदाबाजार भाटापारा के नाम का बंद लिफाफा में नीलामी बोली में शामिल होने संबंधित वाहन का नंबर/ वाहन का प्रकार तथा अपना नाम, पता एवं मोबाईल नंबर अंकित कर दिनांक 18.03. 2025 के कार्यालयीन समय में पुलिस लाईन बलौदाबाजार में रक्षित निरीक्षक के समक्ष जमा करने उपरांत ही नीलामी बोली शामिल हो सकते है। वाहनों को नीलामी तिथि के पूर्व कार्यालयीन समय में पुलिस लाईन बलौदाबाजार के परेड ग्राऊण्ड में जाकर देख सकते है। नीलामी की अन्य शर्ते पुलिस लाईन बलौदाबाजार के नोटिस बोर्ड पर देखी व प्राप्त की जा सकती है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
बलौदाबाजार-भाटापारा
G-242505949/2

CHHATTISGARH TOURISM BOARD
2nd Foor, Udyog Bhawan, Ring Road No.-1, Telibandha, Raipur - 492006
Tel: 0771-4028636, 4224627 Fax: 0771-4066425 E-Mail:- visitcg@gmail.com
Web: http://tourism.cg.gov.in, Toll Free No.: 1800-102-6415

No. 5253/Plg/Proj/649(1)2/25 — Raipur, Date: 13.03.2025

PRE-NIT CONFERENCE Development of Film City at Raipur (C.G.)

Chhattisgarh Tourism Board intends to develop a Film City in an area of approx. 100 acres on Public Private Partnership (PPP) mode at Raipur. The estimated project cost is approx. INR 350 Crores.

A Pre-NIT conference will be held with the Prospective Bidders on 21.03.2025 at 11 AM at the above office address at the office Chhattisgarh Tourism Board (CTB), Udyog Bhawan, 2nd Floor, Ring Road No. 01, Telibandha, Raipur (Chhattisgarh) 492001

Interested investors and sector experts are hereby invited for the conference, where they will be shown the proposed project components at the Film City and what the authority expects from the project. Further, Q&A and open forum will be conducted for assesment of additional components which can be proposed at the proposed site from the investors and sector experts. A site visit to the proposed site can also be done, with the investors and sector experts who wish to visit the site (if necessary).

The objective of the meeting is to make the investors aware of the proposed works and to get suggestions on other works to be added so that this film city can be made modern and better. Based on the inputs/comments/suggestions received, tender will be prepared and floated.

SD/-
Managing Director
Chhattisgarh Tourism Board

कार्यालय वनमंडलाधिकारी मरवाही वनमंडल, पेंड्रारोड (छ.ग.)
E-Mail-dfomarwahi@yahoo.com

नीलाम-सूचना

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मरवाही वनमंडल, पेंड्रारोड के मड़ना डिपों एवं अन्य डिपों में निम्न विवरण अनुसार वनोपज ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा मड़ना काष्ठागार से प्राप्त कर सकते हैं।

डिपों का नाम - मड़ना काष्ठागार, नीलाम दिनांक - 21.03.2025
नीलामी प्रारंभ- प्रातः 09.00 बजे से
वनोपज की अनुमानित मात्रा

डिपों का नाम	प्रजाति	लट्ठा (घ.मी.)		बल्ली नग	
		पुराना	नया	पुराना	नया
मड़ना डिपो	सागौन	48.195	-	681	-
	साल	12.863	25.100	217	-
	साजा	4.271	5.200	-	-
	बीजा	10.527	-	-	-
	हल्दू/मु./ख	0.842	-	-	-
	धावडा	1.980	-	-	-
	अन्य	5.716	22.200	87	-
	नीलगिरी	84.605	12.100	476	300
	R.T.L साल-साजा	394.792	-	-	-
	R.T.L अन्य	168.249	-	-	-
	योग :-	732.040	64.600	1461	300
जलाऊ डिपो पेण्ड्रा	सागौन जलाऊ	02	-	-	-
	नीलगिरी जलाऊ	-	10	-	-
	सतकठा जलाऊ	-	190	-	-
	साल जलाऊ	-	01	-	-
	योग :-	02 Chatta	201 Chatta		

टीपः- 1. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लाटो के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लाट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगइन करके देख सकते है।

वनमंडलाधिकारी मरवाही
वनमंडल, पेंड्रारोड
G-242505934/3

शब्द पहेली - 5806

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 5805 का हल

सूडोकू नवताल - 5816

सूडोकू नवताल - 5815 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

तब होली पर खुशी से झूम उठोगे तुम

होली आए और बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! यह मस्ती तभी जमकर हो सकेगी, जब बच्चों को अधिक से अधिक लोगों का साथ मिले। होली हमें उन सब के साथ मनानी चाहिए, जिनके साथ हम अधिक से अधिक समय बिताते हैं, हमारे आस-पास रहते हैं। इससे न सिर्फ इन सबको त्योहार की खुशियां मिलेंगी, हमारी खुशियां भी बढ़कर चहक उठेंगी। होली सेलिब्रेशन में हर किसी का प्यार भरा साथ जरूरी है।

सेलिब्रेशन
प्रखर श्रीवास्तव

आज होली है। बच्चों के लिए मस्ती-धमाल का दिन। एक-दूसरे को रंग लगाना ही है। दोस्तों को लाल-पीले, हरे-नीले रंगों से रंगना है, खुद भी रंगों से रंग जाना है। टोली बनाकर हुड़दंग करना है, डांस भी करना है। बच्चों, तुमने भी इस बार होली के लिए अपने दोस्तों के साथ कुछ प्लानिंग जरूर की होगी कि होली कैसे मनाएंगे, ऐसे जमकर धमा-चौकड़ी करेंगे? होली पर तुम अगर कुछ बातों का ध्यान रखोगे तो जरूर यह त्योहार तुम्हें ही नहीं, दूसरों को भी खुशियों से भर देगा, यह होली तुम्हारी यादों में बस जाएगी।

घर से करो शुरुआत

होली की शुरुआत अपने घर से करो। अगर दादा-दादी साथ रह रहे हैं तो सुबह सबसे पहले उनके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। उन्हें गुलाल लगाओ, उनसे भी अपने माथे पर गुलाल का टीका लगवाओ। होली पर अपने दादा-दादी को कभी नहीं भूलो। त्योहार पर दादा-दादी घर के बच्चों का अपनापन पाकर निहाल हो जाते हैं। इसी तरह अपने पापा-मम्मी के भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। इन्हें भी गुलाल लगाना ना भूलना। अपने घर के आस-पास रहने वाले बड़ों से भी जाकर आशीर्वाद लो, खासकर उन वृद्ध लोगों के घर जरूर जाओ, जो अकेले रह रहे हैं, इनके बच्चे किसी दूसरे शहर या विदेश में रह रहे हैं। तुम्हारा साथ पाकर वे खुशी से खिल उठेंगे, ढेर सारा आशीर्वाद देंगे। त्योहार पर बड़ों का आशीर्वाद लेने का मतलब है, सुखी जीवन।

जरूरी है दोस्तों का साथ

होली का असली मजा दोस्तों के साथ ही है। दोस्तों के साथ हम रंग ही नहीं खेलते, खूब मस्ती-धमाल भी करते हैं। इसलिए होली पर अपने हर दोस्त का साथ जरूरी है। बच्चों, होली पर उन दोस्तों को भी साथ लो, जिनसे किसी बात पर तुम्हारी कुछ दिन पहले लड़ाई हो गई थी, बातचीत बंद है। होली के दिन सारे शिकवे-शिकायत भूलकर उनके साथ रंग खेलो, उनसे गले मिलो। ऐसा करके तुम्हें एक अलग ही खुशी मिलेगी, तुम्हारा दोस्त भी खुश होगा। होली पर अपने उन दोस्तों को बिल्कुल न भूलो, जो किसी कारण होली नहीं खेल पा रहे हैं। शिवम को ही देखो, पिछली होली पर जब उसका दोस्त अंकित पैर में फ्रेक्चर होने की वजह से रंग खेलने नहीं आ सका तो शिवम पूरी टोली के साथ उसके घर पहुंच गया। अंकित को जब अपने घर में होली पर दोस्तों का साथ मिला तो उसके चेहरे पर छायी उदासी दूर हो गई। उसने सबको गुलाल का टीका लगाकर होली की खुशियां मनाईं। इसी तरह समीर के भी दोस्त उसे उस साल नहीं भूले, जब होली के एक माह पहले उसके पापा का एकाएक हार्टफेल होने की वजह से देहांत हो गया था, सभी दोस्त समीर के घर इसलिए गए कि वह त्योहार पर दुख में डूबा रहकर अपने आपको अकेला न समझे, उसको कुछ तो खुशी मिले, वह नॉर्मल लाइफ की ओर लौटे। समीर को दुख की घड़ी में अपने प्यारे दोस्तों का साथ पाकर एक बल मिला, त्योहार पर छाया सूनापन दूर हुआ। हां, बच्चों त्योहार इसीलिए होते हैं कि जीवन में छायी उदासी छंटे, खुशी मिले।

इन्हें भी न भूलो

बच्चों, त्योहार की खुशियां जितने ज्यादा लोगों के साथ मनाओगे, उतना ज्यादा अच्छा लगेगा। कहते हैं न कि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं। त्योहार सिर्फ परिवार, रिश्तेदार, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ ही नहीं, उन लोगों के साथ भी मनाओ, जो अकेले हैं, असहाय हैं, गरीब और जरूरतमंद हैं। नवीन हर साल होली पर अपने दोस्तों के साथ शहर के अनाथालय में जरूर जाता है, जहां ऐसे बच्चे रहते हैं, जिनके मां-बाप नहीं हैं, वे अकेले हैं। नवीन और उसके दोस्त इन अनाथ बच्चों के साथ रंग खेलते हैं, इन्हें होली पर बनने वाली गुझिया, मिठाई और नमकीन बांटते हैं। ये बच्चे त्योहार पर ऐसा प्यारा साथ पाकर बहुत ज्यादा खुश होते हैं। उधर अमित और उसकी बहन अनिता भी अपने पापा-मम्मी के साथ घर से कुछ ही दूर पर वृद्धाश्रम में जाकर अकेले रह रहे बुजुर्गों के बीच होली मनाते हैं, उन्हें गुझिया, मिठाई स्वयं खिलाते हैं, अपनेपन का अहसास देते हैं। बच्चों, बहुत से लोग तो घर के पास बनी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर उन गरीब, असहाय लोगों के बीच त्योहार की खुशियां मनाते हैं, जिनके पास इतने भी पैसे नहीं होते जो दो वक्त की रोटी खा सकें। इन गरीब परिवारों में तुम्हारे जैसे बच्चे भी होते हैं, त्योहार पर मदद और अपनापन पाकर बेइंतहा खुश होते हैं।

बच्चों, होली पर तुम अपने होम सर्वेंट जैसे मेड, ड्राइवर को ना भूलो, इन्हें होली की मुबारकबाद दो, गुलाल लगाओ। त्योहार के मौके पर तुम इन्हें या इनके बच्चों को कोई प्यारा सा गिफ्ट भी दे सकते हो। ऐसा प्यार-सम्मान पाकर यह बहुत खुश होंगे।

बच्चों, तुम जब इस तरह होली की खुशियां सबके साथ सेलिब्रेट करोगे तो तुम्हें एक बहुत अलग तरह की खुशी मिलेगी, तुम खुशी से झूम उठोगे। हैप्पी होली....! *

इस्तेमाल करो ऑर्गेनिक कलर्स

बच्चों, होली में मस्ती जरूर करो, लेकिन मस्ती में आकर ऐसा भी कुछ मत करना कि रंग में भंग हो जाए, होली का मजा किरकिरा हो जाए। अकसर देखा जाता है कुछ बच्चे ऐसे रंगों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें स्किन का नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स मिले होते हैं, रंग लगाने के बाद काफी दिनों तक परेशानी बनी रहती है। ये केमिकलयुक्त रंग आंखों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए ऐसे रंग बिल्कुल न इस्तेमाल करो। अब तो बाजार में ऑर्गेनिक कलर मिल रहे हैं, तुम इनका उपयोग कर सकते हो। बच्चों, अपने मम्मी पापा की गाइडेंस में ऑर्गेनिक कलर घर पर भी तुम फूलों, फलों और सब्जियों से बना सकते हो। जब तुम इन ऑर्गेनिक कलर्स का इस्तेमाल करोगे, तुम्हारे दोस्तों को ये कलर्स खूब भाएंगे, क्योंकि ये कलर्स खुशबूदार होते हैं। तुम्हारे दोस्त यही कहेंगे, 'लगाओ... लगाओ और कलर लगाओ न...!'

क्या तुम जानते हो / नयनतारा

बच्चों, क्या तुम जानते हो कि होली के अवसर पर होलिका दहन क्यों किया जाता है और रंग क्यों खेला जाता है? जानो, इन परंपराओं से जुड़ी पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के बारे में।

क्यों मनाते हैं हम होली का त्योहार

बच्चों, तुम्हें होली के त्योहार पर रंग खेलने में बहुत मजा आता होगा। लेकिन क्या तुम जानते हो कि होली का त्योहार क्यों मनाया जाता है? बता रहे हैं विस्तार से।

देश के अधिकतर त्योहारों का संबंध मौसम के बदलने और कृषि से होता है। होली भी इसका अपवाद नहीं है। यह त्योहार जाड़े की समाप्ति का संकेत और फसल काटने की शुरुआत करने का अवसर है, जो फाल्गुन की पूर्णिमा (मार्च माह में) पर वसंत ऋतु में मनाया जाता है। इस त्योहार से पौराणिक कथा भी जुड़ी है। प्राचीन समय में एक असुर राजा था, हिरण्यकश्यप। उसने तप कर असाधारण शक्तियां प्राप्त कर ली थीं। वह अपने को भगवान समझकर अपनी प्रजा पर दबाव डालने लगा कि वह ईश्वर की जगह उसकी पूजा करें। बहुत से लोग डर कर उसकी पूजा करने लगे, लेकिन उसी का पुत्र प्रह्लाद, जो एक नेक और सच्चा बालक था, इस गलत बात से सहमत नहीं था। वह न केवल अपने पिता का विरोध करता था बल्कि भगवान विष्णु की पूजा और भक्ति करता था।

फिर हिरण्यकश्यप ने अपने ही पुत्र का वध करने का निर्णय लिया। इस साजिश में उसने अपनी बहन होलिका को भी शामिल कर लिया, जिसे यह वरदान प्राप्त था कि आग उसे जला नहीं पाएगी। इसलिए योजना यह बनाई गई कि होलिका अपनी गोद में प्रह्लाद को लेकर बैठेगी, जिससे वह जलकर राख हो जाएगा। लेकिन यह साजिश नाकाम हो गई। अपनी बुआ होलिका की गोद में बैठा बालक प्रह्लाद निरंतर भगवान विष्णु का नाम जप रहा था। इस तरह होलिका जल गई और प्रह्लाद बच गया। इसीलिए हम होली पर होलिका दहन करते हैं कि अपनी बुराइयों को जलाकर राख कर दें।

जहां तक बात है कि हम होली पर रंग क्यों खेलते हैं? असल में प्राचीन भारत में वसंतोत्सव मनाया जाता था, जिसमें रंग खेले जाते थे। फिर वसंतोत्सव भगवान कृष्ण से जुड़ गया, जो मथुरा वृंदावन में गोपियों के साथ रंग खेलते थे। इसीलिए होली पर कृष्ण-राधा की भी पूजा की जाती है और रंग खेला जाता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

चटोरे चूहे की कहानी

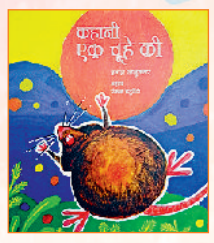

बच्चों, 'कहानी एक चूहे की' नन्ही-सी चित्र-पुस्तक है। इसमें एक शरारती-आलसी चूहे की छोटी-सी मजेदार कहानी है। इस कहानी में निक्की नाम का एक चूहा है, जो बहुत चटोरा है। उसका स्वभाव भी थोड़ा नकचढ़ा है। उसे अपने मां-पिता की बातें कभी नहीं भाती हैं। अपनी इस आदत की वजह से वह अनहेल्दी चीजें खा-खाकर गोल-मटोल हो जाता है। दौड़ना तो दूर, वह ठीक से चल भी नहीं पाता। इस वजह से अकसर मुसीबत में पड़ता रहता है। इस कहानी में उसके साथ घटी ऐसी ही मुसीबत में घिरने की दो घटनाएं हैं। जिनमें किस्मत से वह बच तो निकलता है, लेकिन फिर वह अपनी गलती पर शर्मिंदा होता है और खुद को बदल डालता है। इस मजेदार कहानी में ऐसे कई घटनाक्रम हैं, जिन्हें पढ़ते हुए तुम खुद को लोट-पोट होने से रोक न सकोगे। पूरी किताब में रंग-बिरंगे चित्र भी बने हैं। *

किताब: कहानी एक चूहे की, **लेखन-चित्र**: उत्पल तालुकदार, **अनुवाद**: पंकज चतुर्वेदी, **मूल्य**: 50 रुपए, **प्रकाशक**: राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

हंसगुल्ले

टीचर : 'मुंह में पानी आना' इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
रोहन : जैसे ही मैंने नल की टोंटी में मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया।
-करण, बिलासपुर

चिंटू-मिंटू फुटबॉल मैच देख रहे थे।
चिंटू : अरे, इतने सारे लोग फुटबॉल को लात क्यों मार रहे हैं?
मिंटू : गोल करने के लिए।
चिंटू : लेकिन फुटबॉल तो पहले से ही गोल है। इसे और कितना गोल करेंगे?
-आशीष, रायपुर

सोनू : मान लो, तुम्हारे पास चार सेब हैं, उनमें से दो सेब मैं ले लूं, तो तुम्हारे पास कितने सेब बचेंगे?
मोनू : चार ही बचेंगे, क्योंकि मैं तुम्हें एक भी सेब नहीं दूंगा।
-चंचल, दुर्ग

जीके क्विज- 145

1. पौराणिक कथाओं के अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन का नाम क्या था?
2. लट्ठमार होली कहां खेली जाती है?
3. भारतीय क्रिकेट टीम ने किस देश की टीम को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती है?
4. हाल ही में 'वंतारा एनिमल रेस्क्यू सेंटर' का उद्घाटन कहां किया गया?
5. प्रत्येक वर्ष विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
6. भारत के किस टेबल टेनिस खिलाड़ी ने पिछले दिनों टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की?
7. पोंगल किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
8. हवामहल कहां स्थित है?
9. कबड्डी किस देश का राष्ट्रीय खेल है?
10. यूनेस्को का मुख्यालय कहां स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-145 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-144 का उत्तर: 1.पूर्णिमा देवी वर्मन, 2.सर्विसेज, 3.प्रयागराज, 4.रमेन डेका, 5. 8 मार्च, 6.लॉर्ड कैनिंग, 7.राजा राममोहन राय, 8.सुंदरलाल बहुगुणा, 9.शुक्र, 10.मार्कोनी

जीके क्विज-144 का सही उत्तर देने वाले: डॉली-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, कबीर-हिसार, रमेश-कोरबा, दीपिका-हिसार, चेतन-महासमुंद, कल्पना-झज्जर, अमन-बिलासपुर, दीपक-रोहतक, हिमांशु-रायगढ़, शोभित-बिलासपुर, काव्या-बालोद

होली का सबक

होली पर बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! बंटी, पिंकी, अर्जुन, गुड्डी और मन्नू ने जब सड़क पर स्कूटर से जा रहे एक अंकल जी को रंग भरे बैलूंस मारे तो वह गिर कर चोटिल हो गए। इस हरकत पर उन्हें डांट न पड़े, इसलिए सारे बच्चे चुपचाप वहां से खिसक लिए। इसके बाद जो हुआ, बच्चों के लिए एक बड़ा सबक था। प्यारी सी कहानी।

कहानी
सरस्वती रमेश

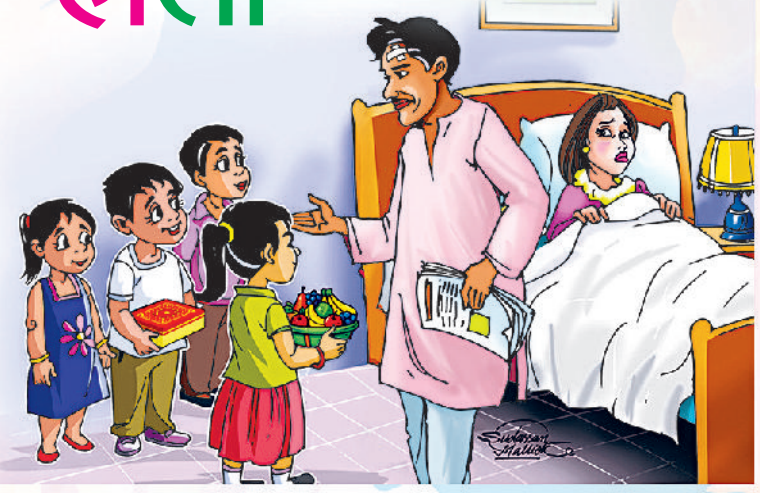

मन्नू और उसके दोस्तों ने इस बार होली पर जमकर हुड़दंग मचाने की प्लानिंग कर रखी थी। बंटी, पिंकी, अर्जुन और मन्नू ने रंग, पिचकारियों के साथ वाटर बैलूंस भी खरीद लिए। होली खेलने के लिए खास रंगीन कपड़े, टोपी और कमर में बांधने के लिए लाल, पीले चौड़े फीते भी उन्होंने मंगवा लिए थे। मन्नू के साथ होली मनाने के लिए गांव से उसकी चचेरी बहन गुड्डी भी आई थी। गुड्डी बहुत होशियार और बातूनी है। चंद दिनों में ही वह पिंकी, अर्जुन और बंटी की फ्रेंड बन गई। गुड्डी के आने से सब और भी खुश थे।

होली के दिन मन्नू और उसके सारे दोस्त सड़क के पास वाले खाली मैदान में होली खेल रहे थे। सबके चेहरे और कपड़े रंगे हुए थे। मन्नू ने कहा, 'गुड्डी तुम अपनी पिचकारी से बैलून में रंग भरो। हम सड़क से आने-जाने वालों पर बैलून फेकेंगे, खूब मजा आएगा।'

'चलो हम साथ मिलकर बैलूंस में रंग भरते हैं।' पिंकी बोली। सब बैलूंस में रंग वाला पानी भरने में लग गए। तभी बच्चों को सड़क पर स्कूटर से एक अंकल आते हुए दिखाई दिए। 'चलो-चलो.. जल्दी बैलून मारो।' मन्नू बोला। सभी बच्चों ने एक साथ स्कूटर पर आ रहे अंकल को बैलूंस मारना शुरू कर दिया। एक साथ कई सारे बैलून चेहरे पर लगने से अंकल के स्कूटर का बैलेंस बिगड़ गया। वह स्कूटर सहित वहीं गिर पड़े। स्कूटर गिरता देख मन्नू और उसके साथी घबरा गए। अंकल जी को थोड़ी चोट लग गई थी। 'अरे अंकल तो गिर गए! अब तो हमें डांट पड़ेगी, हमारी पिटाई भी हो सकती है।' अर्जुन बोला। 'इससे पहले कि अंकल उठकर हमें पकड़ लें, कोई आकर डांटे, हम तुरंत यहां से भाग चलते हैं।' पिंकी बोली।

'हां, ठीक कह रही हो तुम।' बंटी ने हां में हां मिलाई। सभी बच्चों ने जल्दी-जल्दी अपनी पिचकारी उठाई और वहां से नौ दो ग्यारह हो गए। घर पहुंचकर मन्नू ने मम्मी-पापा को स्कूटर वाले अंकल के बारे में कुछ नहीं बताया। उसे डर था, पापा की डांट खानी पड़ेगी। मन्नू ने मम्मी से पूछा, 'पापा कहां हैं?' 'वो तो कॉलोनी में होली मिलने गए हैं।' मम्मी ने बताया। यह सुनकर मन्नू की जान में जान आई। उसने गुड्डी से कहा, 'पापा जब वापस आएं, तो प्लीज पापा से कुछ बताना नहीं।' 'ठीक है, नहीं बताऊंगी।' गुड्डी ने सहमति में सिर हिला दिया।

मन्नू और गुड्डी ने नहा-धोकर कपड़े बदल लिए। पापा थोड़ी ही देर में वापस लौट आए। वह कुछ बड़बड़ा रहे थे। मम्मी ने पूछा, 'क्या बात है, मूड कुछ खराब लग रहा है आपका? आप इतनी जल्दी सभी से होली मिलकर आ भी गए?' 'अरे, क्या बताऊं, मैं किसी से होली मिलने जा ही नहीं पाया।' पापा खीझे स्वर में बोले। 'क्यों?' मम्मी ने जानना चाहा।

पापा ने गुस्से से बताया, 'पड़ोस के शर्मा जी की पत्नी बीमार हैं। वो उनके लिए दवाइयां लेकर आ रहे थे कि कुछ बच्चों ने अचानक उन्हें गुब्बारे मारने शुरू कर दिए। वह स्कूटर से वहीं गिर पड़े। वो तो मैं उधर से ही गुजर रहा था तो उन्हें उठाकर पास की एक क्लीनिक ले गया। गनीमत है, उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई।' 'आजकल के बच्चों में जरा भी मैनर्स नहीं हैं। होली के नाम पर कुछ भी करते हैं।' मम्मी भी थोड़ा गुस्से से बोलीं। मन्नू और गुड्डी दरवाजे के पीछे से यह सब सुन रहे थे। अब उन्हें अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा था। गुड्डी ने कहा, 'हमें चलकर शर्मा अंकल से माफी मांगनी चाहिए।' 'तुम ठीक कहती हो। अंकल को हमारी वजह से इतनी तकलीफ हो गई।' मन्नू बोला। शाम को बंटी, पिंकी, अर्जुन, मन्नू, गुड्डी सभी बच्चे शर्मा अंकल के घर गए। आंटी बीमार थीं, बच्चे इसलिए अपने साथ थोड़ा फल भी ले गए। 'अंकल जी, हमें माफ कर दीजिए। हमसे गलती हो गई।' मन्नू बोला। शर्मा अंकल को समझते देर न लगी, वह बोले, 'अच्छा तो बैलूंस मारने वाले शैतान बच्चे तुम सब हो।' अंकल की बात सुन सभी बच्चों के सिर नीचे झुक गए।

'तुम तो रजत के बेटे हो न?' शर्मा अंकल ने मन्नू की तरफ देखते हुए पूछा। 'जी अंकल।' मन्नू बोला। 'तुम्हारे पापा ने उस समय मेरी बड़ी मदद की। चलो मैं तुम लोगों को माफ करता हूं। लेकिन आगे से इस बात का ध्यान रखना कि कभी होली के नाम पर ऐसी शरारत नहीं करना कि किसी को चोट लग जाए, वह परेशान हो।' अंकल ने बच्चों को समझाया। 'हम समझ गए अंकल। हमें सबक मिल गया है। आगे से हम ऐसा कभी नहीं करेंगे।' सभी बच्चे बोले। बंटी ने फलों की टोकरी अंकल की तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'यह आंटी के लिए, हम सब की तरफ से!'

'अरे वाह! तुम लोग तो बहुत समझदार बच्चे हो। मुझे उम्मीद है कि तुम सब बड़े होकर अच्छे इंसान बनोगे।' शर्मा अंकल खड़े होते हुए बोले। उन्होंने सभी बच्चों के माथे पर गुलाल का टीका लगाकर 'हैप्पी होली' कहा। साथ ही बच्चों के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद भी दिया। आंटी ने बच्चों को चॉकलेट्स भी दिए। *

कविता
राजा चौरसिया

होली रंग-रंगीली

इंद्रधनुष जैसे रंगों से
दिखती छटा छबीली।
गांवों से लेकर शहरों तक
होली रंग-रंगीली।।
वासंती मौसम के चलते
कितने सुंदर फूल खिले हैं।
नए-पुराने सब हंस-हंस कर
हाव-भाव से गले मिले हैं।।
चारों ओर गुलाल उड़ रही
सरसों फूली पीली।
हो जाती है सबकी सूरत
पिचकारी से गीली।।
गूंज रहे हैं ढोल-ढमाके
ठुमक-ठुमक कर लोग नाचते।
हंसी-ठिठोली रहे परस्पर
होती रहें चुलबुली शरारतें।।
मनहूसी तो फुर्र हुई है
या फिर हालत ढीली।
करती हर बस्ती तनाव को
टीली-लीली-लीली।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां होली की मस्ती कर रहे बच्चों के एक जैसे दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

उत्तर: 1. लड़की की टी-शर्ट पर ऊपर गले-कंधे के पास पीला रंग लगा हुआ है। 2. लड़के के गालों पर गुलाल नहीं लगा है। 3.लड़के की टी-शर्ट का रंग लाल है। 4.लड़के की पिचकारी का रंग नीला है। 5.लड़के के आगे रखी बाल्टी, पिचकारी और रंगों की प्लेट गायब है।

सही रास्ता बताओ

बच्चों, मोनू को होली खेलने के लिए रंग और पिचकारी चाहिए, लेकिन जिस जगह ये दोनों सामान रखे हैं, वहां तक पहुंचने का रास्ता बहुत टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम जरा मोनू को रंग और पिचकारी वाली जगह तक पहुंचने में मदद तो करो।

आईपीएल : कैपिटल्स का कप्तान अब तक तय नहीं, तीन प्लेयर्स बड़े दावेदार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल दुनिया की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली क्रिकेट लीग है और यहां खेलकर कई स्टार प्लेयर्स ने अपना कॅरियर बनाया है। अब आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है और इसके शुरू होने में सिर्फ 7 दिन बाकी रह गए हैं और अभी तक दिल्ली कैपिटल्स ने अपने नए कप्तान का ऐलान नहीं किया गया है। पिछले सीजन दिल्ली के कैप्टन ऋषभ पंत थे, जो अब लखनऊ सुपर जायंट्स के कैप्टन बन गए हैं। दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को लखनऊ के मैदान पर खेलेगी। अब इससे पहले ही दिल्ली को अपने कप्तान का ऐलान करना होगा। उनके पास तीन ऐसे प्लेयर्स हैं, जो कप्तान के बड़े दावेदार हैं। इनमें अक्षर पटेल, केएल राहुल और फॉफ डु प्लेसिस शामिल हैं।

अक्षर पटेल : 123 विकेट

अक्षर पटेल पिछले सीजन दिल्ली कैपिटल्स के उपकप्तान थे। उन्होंने ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में एक मैच में दिल्ली कैपिटल्स की कमान भी संभाली थी। वह साल 2019 से ही दिल्ली की टीम का हिस्सा हैं और उनके पास अनुभव है। अक्षर निचले क्रम पर उतरकर धाकड़ बैटिंग करने में माहिर हैं। इसके अलावा उनके स्पिन के जादू से बच पाना आसान नहीं है और वह काफी किफायती भी साबित होते हैं। उन्होंने अभी तक आईपीएल के 150 मैचों में 123 विकेट हासिल किए हैं और 1653 रन भी बनाए हैं।

डु प्लेसिस : 4571 रन

फॉफ डु प्लेसिस को दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में खरीदा था। इससे पहले उन्होंने तीन सीजन आरसीबी की कप्तानी की थी। उन्होंने आरसीबी के लिए 42 आईपीएल मैचों में कप्तानी की, जिसमें से 21 में जीत मिली और 21 में हार का सामना करना पड़ा। उनके पास कप्तानी का अपार अनुभव है। वह साउथ अफ्रीका के कप्तान भी रह चुके हैं। वह गेंदबाजी में शानदार तरीके से बदलाव करते हैं। उनके नाम पर आईपीएल के 145 मैचों में कुल 4571 रन दर्ज हैं।

केएल राहुल 4683 रन

केएल राहुल को आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने खरीदा था। इससे पहले वह लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में ही लखनऊ की टीम ने प्लेऑफ तक का सफर तय किया था। वह पंजाब किंग्स के भी कप्तान रह चुके हैं। राहुल टेक्निकल तौर पर बहुत ही मजबूत बल्लेबाज हैं। एक बार वह क्रीज पर टिक गए, तो उन्हें आउट करना मुश्किल है। उन्होंने अभी तक आईपीएल में 4683 रन बनाए हैं।

चोटिल मुख्य कोच द्रविड़ बैसाखियों के सहारे रॉयल्स के शिविर में आए

जयपुर। एक स्थानीय लीग मैच में खेलते समय चोटिल हुए भारत के पूर्व महान बल्लेबाज और राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आईपीएल से पूर्व टीम के अभ्यास सत्र में बैसाखियों के सहारे पहुंचे। टीम ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडिल पर वीडियो साझा की है जिसमें द्रविड़ गोल्फ कार्ट पर रॉयल्स के शिविर में पहुंचे और चलने के लिए बैसाखियों का सहारा लिया। द्रविड़ ने चोट के बावजूद सत्र में हिस्सा लिया। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाया और युवा खिलाड़ियों रियान पराग तथा यशस्वी जायसवाल से बात करते दिखे। बैसाखियां हाथ में लेकर बैड़े द्रविड़ ने पूरा सत्र करीब से देखा। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर लिखा, 'मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को बेंगलुरु में क्रिकेट खेलते समय चोट लगी थी। वह चोट से उबर रहे हैं और जयपुर में टीम से जुड़ेंगे।'

बैडमिंटन : डेनमार्क के डेनियल और मैड्स को 21-17, 21-15 से हराया

सात्विक-चिराग की 40 मिनट में शानदार जीत, अब चीनी चुनौती से होगा सामना

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई। पिछले महीने अपने पिता के निधन के बाद कोर्ट पर लौटे सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड को 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-15 से हराया।

अब उनका सामना चीन के हाओ नान शि और वेइ हान जेंग से होगा। जीत के बाद सात्विक ने अपनी ऊंगली आसमान की ओर उठाई और ऊपर देखते रहे। शायद अपने पिता को तलाश रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह बहुत कठिन है लेकिन जीवन ऐसा ही है।' सात्विक ने दुख के क्षण में साथ रहने के लिए चिराग को धन्यवाद देते हुए कहा, 'वह उस समय मेरे घर आया। हमने थोड़ा अभ्यास किया और मैं उसका शुक्रगुजार हूं। वह मेरी चोट के समय भी मेरे साथ था। उसके माता पिता और हमारे कोच भी आए। मेरे पिता हमेशा चाहते थे कि वे हमारे यहां आएं।' चिराग ने कहा, 'सात्विक ने इतना सब झेला और यहां खेलने का फैसला किया। कोई और ऐसा नहीं कर सकता था। वह काफी मजबूत है और मुझे गर्व है कि वह मेरा जोड़ीदार है।'

प्रणय के बाद सिंधू भी पहले दौर में बाहर

भारत की स्टार शटलर और दो बार ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है। बुधवार को सिंधू ने साउथ कोरिया की गा यून किम के खिलाफ अच्छा शुरुआत की, लेकिन लय बरकरार नहीं रख पाईं। पहला गेम जीतने के बाद सिंधु को यह मुकाबला 21-19, 21-13, 21-13 से हार मिली। रोहन और रुतविका की जोड़ी ने कड़े मुकाबले में दुनिया की 40वें नंबर की जोड़ी ने यी होंग वेइ और निकोल गोंजालेस चैन की चीनी ताइपे की जोड़ी को 21-10 17-21 24-22 से हराया। वहीं, एचएस प्रणय को पहले दौर में ही निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा, उन्हें फ्रांस के उच्च रैंकिंग वाले टोमा जूनियर पोपोव से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य-मालविका से उम्मीद

भारतीय जोड़ी का सामना दूसरे दौर में येन झी फेंग और या शिन वेइ की चीन की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। लक्ष्य सेन और मालविका बंसोड़ पहले की क्रमशः पुरुष और महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर चुके हैं। पूर्व फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने ताइवान की निचली रैंकिंग वाली सु ली यांग के खिलाफ पहले दौर की कड़ी चुनौती को पार करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया।

महमूदुल्लाह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश के अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। वर्ष 2021 में टेस्ट और 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने की घोषणा करने वाले 39 वर्षीय महमूदुल्लाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है।' महमूदुल्लाह 36.46 की औसत से 5689 रन बनाकर बांग्लादेश के लिए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चौथे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

महमूदुल्लाह ने 2015 विश्व कप में लगातार दो शतक, 2017 चैंपियन्स ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक शतक और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना चौथा शतक जड़ा। फेसबुक पोस्ट में महमूदुल्लाह ने लिखा, 'मैं टीम के अपने सभी साथियों, कोच और खासकर अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया है।

अपने 17 साल के करियर में 239 वनडे, 50 टेस्ट और 141 टी20 मैच खेलने वाले महमूदुल्लाह ने कहा, 'मेरे माता-पिता, मेरे ससुराल वालों खासकर मेरे ससुर और सबसे महत्वपूर्ण मेरे भाई इमदाद उल्लाह को बहुत-बहुत धन्यवाद जो बचपन से ही मेरे कोच और मेंटर के रूप में मेरे साथ रहे हैं। और अंत में मेरी पत्नी और बच्चों को धन्यवाद जो हर अच्छे-बुरे समय में मेरा साथ देते रहे हैं। मुझे पता है कि रायद को लाल और हरी जर्सी में मेरी कमी खलेगी। हर चीज का अंत बिल्कुल सही तरीके से नहीं होता लेकिन आप हां कहते हैं और आगे बढ़ते हैं। मेरी टीम और बांग्लादेश क्रिकेट को शुभकामनाएं।'

वायरस को भगाओ, बाफना एनर्जी ड्रिंक को अपनाओ
Vitamin C, Glucose with Electrolytes
Bafna Energy Drink एनर्जी ड्रिंक
प्यास बुझाए एनर्जी बढ़ाए
स्वाद में मस्त...
बाफना एनर्जी ड्रिंक रखे आपको इम्यूनिटी और एनर्जी से भरपूर
सभी नजदीकी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध
थकान से रखे दूर और दिन भर दे ताकत एवं शक्ति
Website : www.bafnabiotech.com, For Feed & Complaint : bafnabiotech@gmail.com
Consumer Complaint on : +91 8989405858, +91 9425504640

एथलेटिक्स

सूरज ने 1,000 मीटर में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| पटना

उत्तराखंड के सूरज सिंह ने राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन बुधवार को यहां 1,000 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड कायम कर सुर्खियां बटोरीं। पाटलिपुत्र खेल परिसर में लड़कों की 1,000 मीटर दौड़ में कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखी। शीर्ष दो धावकों ने दो मिनट 27.20 सेकेंड के 15 साल पुराने राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। पिछला रिकॉर्ड 2010 में राहुल पाल द्वारा बनाया गया था।

सूरज ने दो मिनट 26.04 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि रजत पदक जीतने वाले उत्तर प्रदेश के विकास कुमार ने भी दो मिनट 26.59 सेकेंड के समय के साथ पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। हरियाणा के सोहित विजेंदर ने दो मिनट 27.27 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता जो पिछले साल बिलासपुर में मोहम्मद नूरुद्दीन द्वारा बनाए गए 2:28.89 मिनट के मीट रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन था। भाला फेंक में लड़कों के वर्ग का स्वर्ण पदक हरियाणा के हिमांशु ने 72.00 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ जीता। पश्चिम बंगाल की मिस्टी करमाकर ने 45.04 मीटर की दूरी के साथ लड़कियों की भाला फेंक स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

भारत ने दो स्वर्ण सहित जीते 5 पदक

नई दिल्ली। भारत ने इटली के तूरिन में चल रहे विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों के दूसरे दिन दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता जिससे भारत के पदकों की संख्या नौ हो गई है। भारती (डिविजन एफ25) ने नोविस स्लालोम फाइनल में स्वर्ण पदक जीता जबकि हर्षिता ठाकुर (एफ26) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय दल ने अल्पाइन स्कीइंग में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। निर्मला देवी (एफ06) ने इंटरमीडिएट जाइंट स्लालोम फाइनल में स्वर्ण और राधा देवी (एफ01) ने रजत पदक जीता। अभिषेक कुमार ने नोविस जाइंट स्लालोम फाइनल डिविजन एम02 में रजत पदक हासिल किया।

हैदराबाद और केरला का मैच बराबरी पर छूटा

हैदराबाद। हैदराबाद एफसी और केरल ब्लास्टर्स एफसी के बीच बुधवार को यहां खेला गया इंडियन सुपर लीग फुटबॉल मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटा। डुसान लैगेटर ने सातवें मिनट में गोल कर केरल ब्लास्टर्स एफसी को बढ़त दिला दी लेकिन पहले हाफ के आखिरी क्षणों (45वें मिनट) में सौरव कुमार के 'बाइसाइकिल' गोल से घरेलू टीम बराबरी करने में सफल रही। हैदराबाद एफसी 52वें मिनट में बढ़त बनाने का आसान मौका चूक गयी जब ब्राजील के स्ट्राइकर आंद्रे अल्बा पेनल्टी किक को गोल में नहीं बदल सके। यह जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेला गया मौजूदा सत्र का आखिरी लीग मैच था। हैदराबाद के मिडफील्डर आयुष अधिकारी को दमदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769 HMS देखकर खरीदें नकली माल से सावधान

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91 0771 4088107/108, इमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल (आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक सेवाएं • मुहासें • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

संसार में कुछ लोगों का जन्म ही विशेष कार्य के लिए होता है। अपने जीवनकाल में ये एक संकल्पबद्ध तरीके से काम करते हैं और देश और समाज को एक नई दिशा देकर चले जाते हैं। हमारे देश और विशेषकर छत्तीसगढ़ में समाजसेवा के क्षेत्र में कई लोगों ने अपने जीवनकाल में इतना प्रभावशाली और असरदार काम किया है कि उनके दुनिया से जाने के बाद भी उनके कामकाज को श्रद्धा के साथ याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के उत्थान और शिक्षा के लिए ऐसे ही दिव्य पुरुष और मसीहा का अवतरण हुआ। जिसने आधुनिक प्रचार प्रसार से दूर रहकर जनमानस को प्रभावित किया। आज हम जिस ज्ञानदूत की चर्चा कर रहे हैं वे हैं प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा जी, प्रोफेसर खेड़ा जी ने अचानकमार के दुर्जन इलाके में बसे आदिवासी बच्चों के जीवन में शिक्षा की नई किरण का संचार किया।

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा जी अचानकमार के ज्ञानदूत

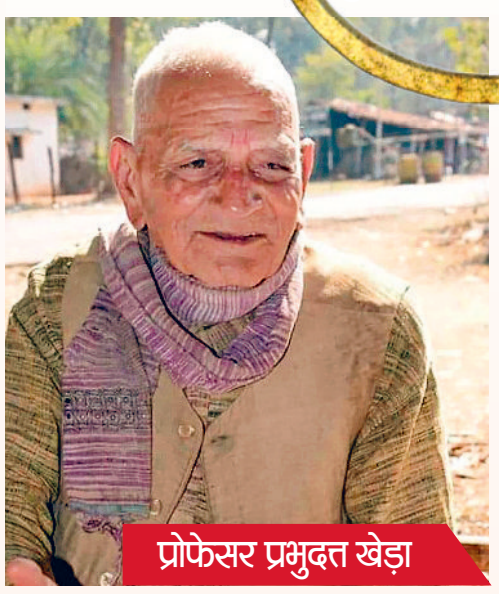

झंग में जन्म दिल्ली में पढ़ाई

प्रोफेसर खेड़ा का जन्म सोमदत्त खेरा के यहां अविभाजित भारत में 13 अप्रैल 1928 को वर्तमान पाकिस्तान के झंग स्थान पर हुआ। खेड़ा जी ने झंग में जन्म लेने के बाद विभाजन के दर्द को झेला। खेड़ा जी का शिक्षण दिल्ली एवं कलकत्ता में पूरा हुआ, दिल्ली विश्वविद्यालय से 1948-49 में खेड़ा जी ने बीए की पढ़ाई की इसके बाद दो विषयों गणित और समाजशास्त्र में एमए कर स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की। 1969 में खेड़ जी ने एमलिब की पढ़ाई की। 1971 में दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि ली। 1971 में हिंदू कॉलेज में बतौर रीडर काम किया और शोध कार्य किए ।

गांव में रहते हुए भी नई तकनीक के जानकार

प्रोफेसर खेड़ा 30 साल से ज्यादा तक दिल्ली छोड़कर लमनी में रहे लेकिन देश दुनिया की तमाम नई तकनीकों से अपडेट रहते थे। नेट के जरिए वह सुधार के विभिन्न उपायों पर चिंतन मनन करते थे। प्रोफेसर जब भी बस्ती की ओर जाते और किसी बच्चे के कपड़े गंदे दिखते तो उसे नहाने और कपड़ा धोने का साबुन तुरंत निकालकर नहला देते। किसी का कपड़ा फटा दिखा तो सुई-धागा निकालकर खुद सिलाई करने लग जाते थे। प्रो. खेड़ा ने खुद बताया था कि वे जब पहली बार यहां आए तो उनके साथ दिल्ली से बॉटनी के प्रोफेसर थे, जो औषधीय पौधों के विशेषज्ञ थे, पर उनसे ज्यादा तो यहां के बैगा बच्चों को जानकारी है।

नौजवान जितने ऊर्जावान और उत्साही

छपरवा से कोई 20 किमी दूर वनग्राम लमनी में प्रोफेसर खेड़ा बैगाओं की तरह एक छोटी-सी झोपड़ी बनाकर रहते थे। वे यहीं से सुबह 8 बजे स्कूल के लिए बस पकड़ते थे और फिर दोपहर 3 बजे वापस छपरवा से लमनी आते थे। 90 साल की उम्र में भी उनके काम करने का जज्बा ऊर्जावान नौजवान को मात करता था। वो सारे काम खुद ही करते थे। उनके विचार और जीवन-शैली में रत्तीभर फर्क नहीं था और उन्होंने खुद की दुनिया को पूरी तरह बैगाओं की तरह ही ढाल लिया था। प्रोफेसर साहब बताते थे कि मेरी दिनचर्या का पूरा हिस्सा सेवा में गुजरता है। बैगाओं की सेवा ही मेरे जीवन का आनंद है। इस आनंद में मुझे दिल्ली या बाकी दुनिया फीकी दिखती है। प्रो. पीडी खेड़ा बेहद जिंदादिल इंसान थे। वे बच्चों के लिए बड़ी शिद्दत से काम करते थे। यही वजह थी कि जब भी कोई उनसे मिलने जाता, वे हमेशा उन बच्चों की बात किया करते, जो छपरवा के स्कूल में पढ़ते थे।

बस थोड़े बदलाव की दरकार

प्रोफेसर साहब लमनी में आदिवासियों की तरह ही जीवन जीते थे। हमेशा यहीं कहते थे कि आदिवासियों के जीवन में बड़े बदलाव की जरूरत नहीं है। बस उन्हें यह सिखाना है कि रोज नहाने, साफ कपड़े पहनने के क्या फायदे हैं। प्रोफेसर खेड़ा जी का मानना था कि सरकार को आदिवासियों के लिए ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है। बस थोड़े से बदलाव से सब ठीक हो जाएगा ।

जब राज्यपाल ने जंगल में लगाई चौपाल

30 दिसंबर 2004 को तत्कालीन राज्यपाल केएम सेठ अपनी पत्नी के साथ अचानकमार के जंगल पहुंचे थे उसी दिन राज्यपाल महोदय को अमरकंटक जाना था।तभी आदिवासियों के साथ प्रोफेसर खेड़ा पहुंचे और राज्यपाल से मिलने का निवेदन किया। राज्यपाल से मुलाकात में प्रोफेसर खेड़ा ने बैगा आदिवासियों की समस्याएं बताई। प्रोफेसर साहब के समर्पण और आदिवासियों के प्रति प्यार को देखकर राज्यपाल महोदय ने जंगल में ही चौपाल लगाई और बैगा आदिवासियों की समस्याएं सुनी।

जरूरतमंदों की मदद करना उनका स्वभाव था

खेड़ा जी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय रहते थे। वे विशेष रूप से बैगा जनजाति के लोगों की परेशानियों को दूर करने में जुटे रहते थे। जरूरतमंदों की मदद करना उनका स्वभाव था। अपने खाली समय में वे बच्चों के प्रति विशेष प्रेम दर्शाते थे।

-मनीष अग्रवाल
स्थानीय, छपरवा

स्कूल खुलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

खेड़ा जी ने पहली बार क्षेत्र में सोलर पैनल लगवाने की पहल की, जिससे गांव के लोगों को बिजली की सुविधा मिल सकी। उनका मुख्य उद्देश्य बैगा आदिवासी समुदाय को आगे बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।

-हेमराज जायसवाल,
स्थानीय, छपरवा

खुद शुरू किया स्कूल, फिर मिला सहयोग

प्रोफेसर साहब ने पहले खुद स्कूल शुरू किया फिर उनकी लगन देखकर मदद के हाथ उठने लगे। अचानकमार में आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए अपने बूते पर स्कूल खोला, अपने पेंशन के पैसे से स्लेट-पेंसिल और कॉपी-किताबें लाकर बच्चों को निशुल्क पढ़ाते रहे। बहुत बाद में कुछ समाजसेवियों ने मदद की. इसके बाद प्रो. खेरा ने यहां हाईस्कूल भी खोला फिर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने स्कूल को मान्यता दी।

दिल्ली वाले साहब सादगी और स्नेह के प्रतीक

दिल्ली वाले साहब हमारे घर अक्सर चाय, नाश्ता और खाना खाते थे। उनका रहन-सहन बेहद सादगी भरा था। बच्चों के प्रति उनका विशेष स्नेह था वे उन्हें चना-मुर्रा खिलाते, प्यार से नहलाते थे। उनकी चाय पीने की आदत भी अलग थी वे लाल चाय में नींबू डालकर पीते थे। खाने में वे हमेशा केवल दो रोटियां ही लेते थे।

अनिता कुमारी मिश्रा,
स्थानीय महिला

निस्वार्थ सेवा और सरल स्वभाव के धनी

खेड़ा जी का दिल दया और सेवा से भरा हुआ था। यदि किसी को दवाई की जरूरत होती, तो वे निशुल्क दवा देते थे। उनकी यह निस्वार्थ सेवा और सरल स्वभाव सभी के दिलों में उनके प्रति गहरी श्रद्धा पैदा करता था।

-सुरेश मिश्रा, स्थानीय

बिस्किट और चना मुर्रा बना पहचान

प्रोफेसर खेड़ा सादगी और सहनता की मिसाल तो थे ही बच्चों से उनकी ट्यूनिंग देखते ही बनती थी. आदिवासी बच्चों से मिलने जब पहुंचते थे तो उनके बैग से निकालकर बच्चों को चना मुर्रा और बिस्किट देते थे। प्रोफेसर खेड़ा वक्त के पाबंद थे और जिस वक्त जो काम तय कर लिया उसे समर्पित भाव से करते थे। प्रोफेसर खेड़ा कहते थे कि जीवन में नाटकीयता नहीं होनी चाहिए जो दिल में हो उसे ही जुबान पर लाना चाहिए।

पितृ पक्ष में छोड़ गया पितृ पुरुष

प्रोफेसर खेड़ा पक्के गांधीवादी थे। पेंशन की रकम से जो कुछ बन सका उतना शिक्षा और विकास के लिए काम किया। लमनी में ही छोटी सी कुटिया बनाकर रहते थे। 80 साल से ज्यादा की उम्र होने के बावजूद प्रोफेसर खेड़ा जी अपना हर काम खुद करते थे। शिक्षा प्रसार और आदिवासी उत्थान में जीवन का हर क्षण लगाने के दौरान प्रोफेसर साहब अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पाए और बीमारियों ने घेर लिया। आखिर 23 सितंबर 2019 का वो मनहूस दिन आया जब बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में इस शिक्षाविद् और बैगा आदिवासियों के दिल्ली साब ने दुनिया को अलविदा कह दिया। प्रोफेसर साहब की अंतिम विदाई में जो भी पहुंचा उनकी आंखें नम थी। वे बच्चे भी शामिल थे जिन्हे कभी प्रोफेसर साहब कक्षा लेकर पढ़ाते थे। उस दिन लमनी गांव में हर आंख में आंसू थे। जीवन बदलने वाला मसीहा हमेशा के लिए विदा हो रहा था।

गुरुद्वारे में लंगर की ख्वाहिश

अंतिम दिनों में जब कोई परिचित उनसे मिलने के लिए आता था तब वे दो ही इच्छाएं बताया करते थे। पहली उनके दिल्ली के खाते में करीब 43 लाख है। जिनका वो लमनी के स्कूल के विकास के लिए इस्तेमाल करवाना चाहते थे दूसरा एक लाख रुपए से गुरुद्वारे में लंगर करवाना चाहते थे।

हमेशा केवल स्कूल की बात

जीवनकाल के आखिरी छह महीनों में प्रोफेसर खेड़ा बीमार रहने लगे थे। इस दौरान भी प्रोफेसर साहब लमनी के आदिवासियों और उनके परिवार को लेकर चिंतित रहते थे। हम जब भी उनसे उनके परिवार के बारे में पूछते तो वे जवाब में कहते मेरी स्कूल की बाउंड्रीवाल बनी क्या? मान्यता कब मिलेगी। जब कोई पूछता कि आपके परिवार में कौन-कौन है तो वे गांव के बच्चों के बारे में पूछने लगते और उनके भोजन और पढ़ाई की चिंता करते थे।

लंबे समय से चल रहे थे बीमार, अपोलो अस्पताल में हुआ निधन

दिल्ली मेट्रो की लाइफ छोड़कर 35 साल जंगल में शिक्षा की रोशनी फैलाने वाला सूरज अस्त

inh
शनिवार रात 7.55 बजे

बैगा समाज के उत्थान के लिए एक समर्पित जीवन

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा ने अपना संपूर्ण जीवन बैगा समुदाय के उत्थान और उनके सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित कर दिया। वे न केवल बैगा परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत रहे, बल्कि उन्होंने उनके बीच शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का भी कार्य किया।

-रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़

मानव सेवा और बैगा जनजाति के संरक्षक

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा साहब समाज और मानव कल्याण के प्रति समर्पित एक महान व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपना जीवन विशेष रूप से बैगा जनजाति के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। वे न केवल उनकी समस्याओं को समझते थे, बल्कि उनके हक के लिए आवाज भी उठाते रहे।

-धर्मजीत सिंह
तखतपुर विधायक

खेड़ा साहब 24 कैरेट सच्चे इंसान थे

मैं अपने प्रशासनिक जीवन में हजारों लोगों से मिला हूं, जिसमें हर क्षेत्र के लोग शामिल थे। लेकिन मैने खेड़ा साहब जैसा सच्चा इंसान पूरे जीवन में नहीं देखा वे सही अर्थों में 24 कैरेट अच्छे इंसान थे।

-आरपी मंडल, पूर्व मुख्य सचिव,छत्तीसगढ़

जनसेवा में लगाया पूरा जीवन

प्रो. खेड़ा ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा बैगा आदिवासियों के शिक्षा के प्रसार में लगाया। अपनी सेवा कार्य के बदले उन्होंने किसी से ईनाम की उम्मीद नहीं रखी। देश और दुनिया में ऐसे लोगों बिरले ही मिलते है। प्रो. खेड़ा को शत-शत नमन।

-सुनील सोनी
विधायक भाजपा

'दिल्ली साहब' के नाम से प्रसिद्ध एक महान शिक्षाविद्

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा, जिन्हें सम्मानपूर्वक 'दिल्ली साहब' के नाम से भी जाना जाता था, एक विद्वान और समाजसेवी थे। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे और शिक्षा के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। 1980 के दशक में, उन्होंने छत्तीसगढ़ की यात्रा की, जहां उनका मुख्य उद्देश्य बैगा जनजाति पर गहन अध्ययन करना था।

-डॉ. वैभव शिव पांडेय, टीवी पत्रकार

प्रभुदत्त खेड़ा जी बच्चों के सच्चे मार्गदर्शक

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा जी का उद्देश्य बच्चों को शिक्षित करना और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य देना था। वे मानते थे कि शिक्षा ही एकमात्र साधन है, जो किसी भी समाज को गरीबी और पिछड़ेपन से बाहर निकाल सकती है। वे न केवल बैगा समाज के उत्थान के लिए समर्पित थे, बल्कि बच्चों के प्रति उनकी विशेष संवेदनशीलता थी।

-श्रवण कुमार यादव
स्थानीय, छपरवा

विद्यालय संचालन के लिए अपने पेंशन के पैसे तक

प्रोफेसर प्रभुदत्त खेड़ा जी ने विद्यालय संचालन के लिए अपने पेंशन के पैसे तक खर्च करने शुरू कर दिए। वे इस क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करना चाहते थे, ताकि वे अपने अधिकारों को समझ सकें और समाज में एक बेहतर भविष्य बना सकें। खेड़ा जी का एकमात्र उद्देश्य था कि लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और वे मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहें।

- दीपक कुमार सोनी, स्थानीय, छपरवा

प्रभुदत्त खेड़ा जी का प्रकृति प्रेम और बच्चों से लगाव

प्रभुदत्त खेड़ा जी को प्रकृति से गहरा लगाव था। जब उन्हें छपरवा क्षेत्र में जाने का अवसर मिला, तो वहां की प्राकृतिक छटा देखकर वे मंत्रमुग्ध हो गए। घने जंगल, कलकल बहती जलधाराएं और पक्षियों का मधुर कलरव उन्हें अपार शांति और आनंद प्रदान करता था। प्रभूदत्त खेड़ा जी न केवल प्रकृति प्रेमी थे, बल्कि बच्चों से भी विशेष स्नेह रखते थे।

-संदीप चोपड़े
शिक्षाविद्, प्रो. खेड़ा के सहयोगी

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com